शुद्धिकरण मामले पर नेताओं.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

समांथा होस्ट करेंगी सेलिब्रिटी... 11

वर्ष - 02, अंक - 138 | गाजियाबाद / शुक्रवार 21 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

अब पुलिस नहीं करेगी भ्रूण लिंग परीक्षण वाले मामलों की जांच

● सुप्रीम कोर्ट बोला-अस्पताल पर छापा मारने का अधिकार भी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि भ्रूण लिंग परीक्षण-पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों की जांच पुलिस नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में कानून के तहत नियुक्त अधिकारी ही कार्रवाई करेंगे। प्री कॉन्सेप्शन एंड प्री नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक्स (पीसीपीएनडीटी) एक्ट का मकसद भ्रूण का लिंग पता लगाने के लिए प्रसव से पहले की जाने वाली जांच तकनीकों के इस्तेमाल पर रोक लगाना है। यह फैसला जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने सुनाया। कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीसीपीएनडीटी एक्ट से जुड़े मामले तकनीकी होते हैं। इनमें मेडिकल जानकारी और संवेदनशीलता की जरूरत हो सकती है।

एससी की सख्ती, कहा-अब सिर्फ स्पेशल टीम ही कार्रवाई करेगी

पुलिस की भूमिका सिर्फ सहायक की रहेगी

बेंच ने कहा, इस एक्ट के तहत जांच करने की जिम्मेदारी पुलिस की नहीं है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि कानून के मुताबिक पुलिस सिर्फ सहायक के तौर पर मदद करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह रोक केवल PCPNDT एक्ट के तहत आने वाले अपराधों पर लागू होगी। यानी पुलिस सामान्य आपराधिक कानून में सामने आए मामलों की जांच और मुकदमा चला सकती है। पुलिस सीधे तौर पर न तो FIR कर सकती है और न ही डॉक्टरों या अस्पतालों के खिलाफ एक्शन ले सकती है। बेंच ने कहा की यह कानून मेडिकल नॉलेज से जुड़ा है, इसलिए ऐसे मामलों में पुलिस की सहायता लेने से बचा जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड में पागल कुत्तों के आतंक से 10 स्कूल बंद

● 600+बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई हो रही, बचाव के लिए लोग डंडा लेकर निकल रहे

चमोली (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली जिले के नारायणबगड़ में हिंसक कुत्तों के हमलों से अब तक 11 लोग घायल हो चुके हैं। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए 10 स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। इन स्कूलों के 600 से ज्यादा बच्चों की पढ़ाई ऑनलाइन कराई जा रही है। कुत्तों के डर से लोग घर से बाहर जाते समय हाथ में डंडा लेकर निकल रहे हैं। चमोली कलेक्टर गौरव

कुमार के निर्देश पर मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत ने स्कूलों में छुट्टी का आदेश जारी किया था। पहले 20 से 23 अगस्त तक चार दिन की छुट्टी की घोषणा हुई, जिसे बाद में घटाकर दो दिन कर दिया गया। हिंसक कुत्तों को पकड़ने के लिए वन विभाग की क्विक रिस्पॉन्स टीम अभियान चला रही है। 3 कुत्ते पकड़ लिए गए हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि एक पागल कुत्ते ने अन्य कुत्तों को काटा, जिसके बाद क्षेत्र में कई कुत्ते आक्रामक हो गए। इस दावे की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार और सोमवार को 3 लोग कुत्ते के हमले का शिकार हुए। मंगलवार को कुत्तों ने स्कूली बच्चों समेत 4 लोगों को काटा। बुधवार को 4 अन्य लोगों पर हमला हुआ।

यूपी के सरकारी स्कूलों की बदहाली पर भड़कीं मायावती

● बोलीं-शिक्षक हैं न पेयजल, लाठी नहीं सही नीयत से काम ले सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश समेत पूरे उत्तर भारत में सरकारी स्कूलों की जर्जर हालत को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने केंद्र और राज्य सरकारों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 के बाद जन्मे बच्चे (जेन-अल्फा) आज बेहतर शिक्षा के

लिए तरस रहे हैं। जिन मासूमों के हाथ में किताब और खेलने के दिन हैं, वे बुनियादी सुविधाओं के लिए सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने को मजबूर हैं। मायावती ने कहा कि उत्तर भारत के राज्यों में स्कूलों की बदतर हालत के कारण छात्र और उनके माता-पिता बेहद चिंतित हैं। अच्छी शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद में अब ये लोग भी मुखर हो चुके हैं। बच्चे अपनी शुरुआती शिक्षा के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं के अधिकार की मांग को लेकर स्कूल ठीक करो जैसे अभियानों से जुड़कर प्रदर्शन कर रहे हैं। बसपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सरकारी स्कूलों की व्यवस्था सुधारने के बजाय सरकारें लगातार इसकी अनदेखी कर रही हैं। यह एक प्रकार से शोषितों-वंचितों के आरक्षण की तरह ही पूरी शिक्षा व्यवस्था को निष्क्रिय बनाने का कुचक्र है। इसके तहत हजारों सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे हैं।

भारत और जापान के बीच अहम डिफेंस डील

पाकिस्तान को बड़ा झटका, अमेरिका-चीन देखते रह गए!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और जापान ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए रक्षा सहयोग को और मजबूत करने का फैसला किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने 20 अगस्त को नई दिल्ली में इसके लिए एक द्विपक्षीय बैठक की। इस मीटिंग में दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग पर व्यवस्था संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में आगे के सहयोग के लिए ढांचा उपलब्ध कराएगा। समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों की सेनाओं के बीच व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने पर

भी सहमति बनी है। इस समझौते के तहत जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स और भारतीय नौसेना के बीच सहयोग मजबूत होगा, जिसमें समुद्री क्षेत्र की जानकारी साझा करना शामिल है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने संयुक्त बयान में कहा कि भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी हिंद-प्रशांत में शांति, स्थिरता और समृद्धि के प्रमुख आधार हैं।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए बड़ी डील

दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने फ्री और खुले हिंद-प्रशांत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए रक्षा सहयोग और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों रक्षा मंत्रियों ने मौजूदा वैश्विक तनाव के बीच क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति पर एक-दूसरे के आंकलन साझा करने को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने नौवहन और हवाई उड़ान की स्वतंत्रता और सुरक्षा में बाधा डालने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई का कड़ा विरोध किया। दोनों ने बल या दबाव के जरिए यथास्थिति बदलने के किसी भी प्रयास का भी विरोध किया।

भारत-जापान के डिफेंस मिनिस्टर की द्विपक्षीय मीटिंग

दोनों पक्ष समुद्री संचार मार्गों की सुरक्षा के लिए नौसैनिक जहाजों और सैन्य इकाइयों की पारस्परिक यात्राएं बढ़ाएंगे। संयुक्त अभ्यास, सैन्यकर्मियों और विशेषज्ञों का आदान-प्रदान भी होगा। बंदरगाहों, रखरखाव और मरम्मत सुविधाओं के इस्तेमाल के लिए भी सहयोग बढ़ाया जाएगा। नौसैनिक जहाज निर्माण में सहयोग की संभावना को भी बढ़ाया जाएगा। दोनों मंत्रियों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग को तेजी से आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है। उन्होंने समुद्री बारूदी सुरंगों से निपटने की क्षमता बढ़ाने में एक-दूसरे की विशेषज्ञता का लाभ उठाने की बात कही।

समुद्री सुरक्षा, नेवी सिक्योरिटी और डिफेंस पर फोकस

दोनों पक्षों ने नौसैनिक जहाजों के संयुक्त विकास और डिजाइन की संभावनाएं तलाशने पर भी सहमति जताई है। इसमें जापान की तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की उत्पादन क्षमता का इस्तेमाल किया जाएगा। भारत व जापान ने रक्षा जहाज निर्माण से जुड़े क्षेत्रों में एक-दूसरे की क्षमताओं का लाभ उठाने पर जोर दिया। मेक इन इंडिया के तहत भारत की उत्पादन क्षमता के इस्तेमाल पर भी चर्चा आगे बढ़ाई जाएगी।

देश भर में अब सभी डॉक्टरों को मिलेगी एक यूनिक आईडी

● नेशनल मेडिकल कमीशन का प्रस्ताव, सारा रिकार्ड भी होगा ऑनलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल मेडिकल कमीशन ने हर रजिस्टर्ड डॉक्टर को केंद्रीय स्तर पर एक यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर देने का प्रस्ताव रखा है। इसके बाद एक बार राज्य मेडिकल रजिस्टर में रजिस्ट्रेशन होने पर डॉक्टर को देश के किसी दूसरे राज्य में प्रैक्टिस करने के लिए अलग से नया रजिस्ट्रेशन या लाइसेंस नहीं लेना होगा। प्रस्ताव के तहत डॉक्टरों का एक राष्ट्रीय डिजिटल रिकॉर्ड भी तैयार होगा। इसमें रजिस्ट्रेशन, लाइसेंस की स्थिति और डॉक्टर के खिलाफ हुई अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानकारी दर्ज रहेगी। यह रिकॉर्ड

ऑनलाइन उपलब्ध होगा, जिसे मरीज और अस्पताल भी देख सकेंगे। यह प्रस्ताव डॉक्टरों के रजिस्ट्रेशन और प्रैक्टिस लाइसेंस से जुड़े 2026 के ड्राफ्ट नियमों में रखा गया है। राज्य मेडिकल काउंसिल से रजिस्ट्रेशन मिलने के बाद एनएमसी का एथिक्स एंड मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड डॉक्टर को यूआईडी जारी करेगा।

डॉक्टर पर कार्रवाई भी पूरे देश में दिखेगी

NMR में डॉक्टर के रजिस्ट्रेशन, लाइसेंस की स्थिति और अनुशासनात्मक कार्रवाई का रिकॉर्ड रखा जाएगा। अगर किसी डॉक्टर पर मेडिकल लापरवाही, गलत आचरण या पेशेवर कदाचार का मामला सामने आता है, तो संबंधित राज्य मेडिकल काउंसिल उसकी जांच करेगी। अगर किसी दूसरे राज्य की काउंसिल डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई करती है, तो इसकी जानकारी एनएमआर में भी अपडेट होगी।

भारी बारिश से एमपी यूपी में बाढ़ के हालात

एमपी के रीवा-सतना में कई गांवों का संपर्क टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में लगातार बारिश जारी है। मध्य प्रदेश के से ज्यादा गांवों का संपर्क टूट गया। पन्ना के कई गांवों में भी पानी भर गया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चार

कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सतना में भारी बारिश से चित्रकूट की गुप्तगोदावरी में जलस्तर बढ़ गया। डिंडौरी में नदी-नाले उफान पर हैं और 12 दिनों से बारिश हो रही है। पिछले तीन दिन में 205 मिमी पानी गिरा। शहर के कई इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया। घरों-हॉस्टल में पानी भर गया।

ओडिशा में बाढ़ 12.85 लाख लोग प्रभावित

अधिकारियों ने बताया कि ओडिशा में बाढ़ के हालात गंभीर बने हुए हैं और छह जिलों में 12.85 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। गुरुवार को बालासोर में नए इलाकों में पानी भर गया क्योंकि सुवर्णरेखा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही थी। यूपी के कानपुर देहात में भारी बारिश से घर की छत गिर गई। मलबे में महिला और उसका बेटा दब गए।

कांग्रेस का पूरा वंदे मातरम न गाना देशविरोधी कांड

● शाह बोले-उन्होंने 1937 में राष्ट्रगीत के दो टुकड़े कर पाप किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस का वंदे मातरम पूरा न गाने का फैसला हैरान करने वाला और देशविरोधी है।

1937 में कांग्रेस ने जो फैसला लिया था, उसे पीएम मोदी ने सुधारा है। उन्होंने कहा- कांग्रेस ने 1937 में राष्ट्रगीत के दो टुकड़े कर मुस्लिम तुष्टीकरण किया था। उस फैसले से दो-राष्ट्र सिद्धांत को मजबूती मिली और आगे चलकर देश का विभाजन हुआ। शाह के बयान पर कांग्रेस ने पलटवार किया। पार्टी के सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा- वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा था। यह हमारे लिए भावनात्मक मुद्दा है।

अब सबसे ऊंचे रेल पुल पर फर्राटा भरेगी वंदे भारत ट्रेन

● बढ़ाई गई स्पीड, अब 100 किमी प्रतिघंटे की होगी रफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में सबसे ऊंचा रेल पुल भारत में है। यह पुल जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में बक्कल और कौरी के बीच चिनाब नदी पर बना है। इसलिए लोग इसे चिनाब ब्रिज भी कहते हैं। इसकी नदी के तल से ऊंचाई 369 मीटर है जो कि पेरिस के एफिल टावर से भी 35 मीटर ऊंचा है। इस पुल पर वंदे भारत एक्सप्रेस 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से वंदे भारत एक्सप्रेस दौड़ेगी। जी हां, रेलवे ने कटड़ा से बनिहाल के बीच रेलगाड़ियों की अधिकतम गति 100 किमी घंटा कर दी है।

ट्रैक मजबूत हुआ तो बढ़ेगी गति

न्यूज एजेंसी की एक खबर के मुताबिक उत्तर रेलवे के जम्मू डिवीजन ने कटड़ा और बनिहाल के बीच 111 किलोमीटर लंबे इस रेलखंड की स्पीड बढ़ा कर 100 किमी प्रतिघंटा कर दी गई है। पहले इस रूट पर श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से संगलदान सेक्शन पर ट्रेनों को अधिकतम 85 किलोमीटर/घंटा और संगलदान से बनिहाल सेक्शन पर 75 किलोमीटर/घंटा की गति से चलाने की अनुमति थी।

भारत को गाजा की चिंता, वेस्ट बैंक में बना रहा हॉस्पिटल

इजरायल से दोस्ती के बावजूद नई दिल्ली का प्लान कर रहा हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और फिलिस्तीन के बीच बड़ा डेवेलपमेंट सामने आया है। भारत विकास के लिए फिलिस्तीन को मुहैया कराई जाने वाली मदद को बढ़ाने की योजना बना रहा है। इसी क्रम में, बुधवार को दोनों पक्षों ने फिलिस्तीन के वेस्ट बैंक में 200 बिस्तरों वाले भारतीय सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण के लिए एक करार पर हस्ताक्षर करने का ऐलान किया। इस अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं और एक ट्रॉमा सेंटर भी होगा। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला अबू शावेश ने बुधवार को 2028-29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता के लिए भारत की

दावेदारी का समर्थन भी किया। पत्रकारों से बात करते हुए शावेश ने कहा, जब हम व्यापक रूप से संयुक्त राष्ट्र और विशेष रूप से सुरक्षा परिषद में सुधार की बात करते थे, तो एक साउदर्न देश यानी विकासशील देश के तौर पर हमारी एक अपील यह थी कि भारत उन देशों में शामिल हो जिनके पास सदस्यता है।

फिलिस्तीन के साथ करार पर हस्ताक्षर का ऐलान

विदेश मंत्रालय की सचिव श्रीप्रिया रंगनाथन की फिलिस्तीन यात्रा की मुख्य बातों में से एक फिलिस्तीनी नेशनल प्रिंटिंग प्रेस के भीतर एक तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर करना था, जो प्रिंटिंग क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करेगा। बता दें कि श्रीप्रिया रंगनाथन ने बुधवार को रामल्ला में फिलिस्तीनी प्रधानमंत्री मोहम्मद मुस्तफा से मुलाकात की और आपसी हित के प्रमुख क्षेत्रों में दीर्घकालिक द्विपक्षीय साझेदारी एवं सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की।

अमरीका में उठी आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग

● आयोग बोला-यहां आने वाले संघ के नेताओं को सम्मान न मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। आयोग ने अमेरिकी सरकार से आरएसएस नेताओं को राजनयिक सम्मान नहीं देने और उनके साथ उच्चस्तरीय बैठकें नहीं करने को कहा है। आयोग के चेयरमैन आसिफ महमूद ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आरएसएस के सदस्य हैं और इसके सहयोगी संगठनों ने धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले किए हैं।

स्कूल का प्राचार्य निलंबित, तीन रसोइया को किया बर्खास्त, खाने में मिला डिटर्जेंट

नालंदा (एजेंसी)। नालंदा के स्कूल में मिड-डे-मील खाने से 34 बच्चों की तबीयत बिगड़ने के मामले में नूरसराय प्रखंड के परासी मध्य विद्यालय के हेडमास्टर को निलंबित कर दिया गया है, साथ ही स्कूल में काम कर रहीं तीन रसोइयों को भी बर्खास्त कर दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा विभाग ने जांच और कार्रवाई तेज कर दी है। घटना मंगलवार को सामने आई थी। जहां स्कूल में खाना खाने के दौरान कुछ बच्चों ने नमक मांगा। आरोप है कि नमक के डिब्बे में डिटर्जेंट पाउडर मिला था, जिससे बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। कुल 34 बच्चों को अस्पताल पहुंचाया गया था।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले में रसोइया ने दावा किया कि नमक के डिब्बे में पहले से ही सर्फ मिला हुआ था। उसे इसकी जानकारी नहीं थी। बच्चों के नमक मांगने पर उसी डिब्बे से नमक परोस दिया गया, जबकि स्कूल के एक शिक्षक ने बताया कि कई बच्चे पहले ही खाना खाकर जा चुके थे, जबकि बाद में नमक मांगने वाले कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ी। घटना के बाद डीईओ ने कार्रवाई करते हुए हेडमास्टर को निलंबित कर दिया। तीनों रसोइयों को भी कार्यमुक्त कर दिया है। इसके अलावा डीपीओ और मध्यान्ह भोजन पदाधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा गया है। नूरसराय के बीईओ को मामले में दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज कराने का निर्देश दिया है।

वाराणसी में गंगा ने दिखाया रौद्र रूप, घाट-मंदिर भी डूबे, रिहायसी इलाकों में घुसा पानी

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में गंगा ने रौद्र रूप धारण कर चुकी है। लगातार बढ़ता जलस्तर अब लोगों को डराने लगा है। वाराणसी के घाट-मंदिर सब कुछ गंगा के जल में समा चुके हैं और अब गंगा का पानी रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया है। वाराणसी के सभी 84 घाट जलमग्न हो गए हैं। घाट डूबने के बाद अब गलियों में गंगा तेजी से बढ़ रही है। अगले 24 घण्टे सबसे अहम है क्योंकि रफ्तार यूं ही रही तो अगले 24 घण्टे में गंगा खतरे के निशान को पार कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय नाविक ने बताया कि बीते दो दिनों में तूफानी रफ्तार से गंगा का जलस्तर बढ़ा है। इन दो दिनों में करीब 10 फीट तक गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है, जिसके कारण नाविकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पूरी रात नावों की निगरानी कर रहे है। इसके साथ ही लगातार बढ़ते जलस्तर से बार बार उसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर बांधना भी पड़ रहा है। वहीं पुरोहित भी अपने चौकियों को घाटों से हटाकर गलियों में शिफ्ट कर रहे हैं। घाट किनारे छोटे दुकानदारों की ऑफत भी बढ़ गई है क्योंकि उनकी दुकानों तक पानी पहुंच गया है। तटवर्ती इलाकों में भी घरों तक गंगा का पानी पहुंच गया है, जिसके कारण लोग अब घरों को छोड़ राहत शिविर में जा रहे हैं। प्रशासन ने 40 से ज्यादा बाढ़ राहत शिविर लगाए हैं, इसके साथ ही 21 बाढ़ चौकियां भी बनाई है। इन सब के अलावा जल पुलिस, एनडीआरएफ की टीम को भी प्रशासन ने पूरी तरह से सक्रिय रखा है। गंगा में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं से भी गहरे पानी में स्नान नहीं करने की चेतावनी दी जा रही है।

राधा की रसोई में मिले जिंदा चूहे, कॉकरोच व गंदगी, टीम ने किया फूड लाइसेंस निलंबित

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में बाहर खाना खाने वाले लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा पर सवाल महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की जांच के बाद उठ रहे हैं। एफडीए की जांच में मलाड पश्चिम स्थित होटल राधा की रसोई में ऐसी खामियां सामने आईं, जिनके बाद उसका फूड बिजनेस लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। बताया जाता है कि एफडीए ने राधा की रसोई होटल में 18 अगस्त को छापा मारा था। होटल पर छापेमारी करने पहुंचे अधिकारियों को रसोई में जिंदा चूहे और कॉकरोच मिले थे, रसोई के नाले खुले और खराब हालत में मिले, जिससे कीड़े-मकोड़ों के साथ ही चूहों के लिए भी सीधे प्रवेश का रास्ता था। रिपोर्ट के मुताबिक एफडीए अधिकारियों ने खाना तैयार करने वाले उपकरणों पर भी कॉकरोच पाए गए। किचन में तेल और ग्रीस की मोटी परतें, पानी जमा होने से बदबू, गंदे काउंटर और बर्तनों के साथ-साथ खाद्य सामग्री के स्टोरेज में भी लापरवाही पाई गई। निरीक्षण में खुले डस्टबिन के ऊपर टोस्टर रखा मिला, वहीं कुछ खाद्य सामग्री धूल और गंदगी के बीच रखी थी। कई बर्तनों में जंग के निशान भी पाए गए यानी समस्या केवल सफाई की नहीं, बल्कि उस पूरे सिस्टम की थी जिसमें खाना तैयार करने के साथ ही स्टोर किया जा रहा था। होटल राधा के मामले में एफडीए ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए निर्माण, भंडारण, बिक्री और वितरण से जुड़ी गतिविधियों को तत्काल रोकने का आदेश दिया। रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र में खाद्य सुरक्षा को लेकर इस समय कार्रवाई तेज हुई है। हाल की जांच में मुंबई और महाराष्ट्र के कई होटल, रेस्टोरेंट और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों में गंभीर स्वच्छता संबंधी खामियां पाई गई हैं। हालिया कार्रवाई में 31 प्रतिष्ठानों की जांच में करीब 25 लाख रुपए के खाद्य उत्पाद जब्त किए गए और पांच के लाइसेंस निलंबित किए। अब सवाल यह है कि जिन रसोइयों में ग्राहक के लिए खाना तैयार होता है, वहां रोजमर्रा की सफाई और खाद्य सुरक्षा की निगरानी कितनी गंभीरता से की जाती है।

शुद्धिकरण मामले पर नेताओं के समर्थन नहीं देने से दुखी हुए खड़गे

खरगे ने सीडब्ल्यूसी बैठक में जताई नाराजगी

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बुधवार को हुई बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में कथित शुद्धिकरण मामले को लेकर पार्टी के कुछ नेताओं के रवैये पर नाराजगी जताई। बैठक में मौजूद लोगों के मुताबिक, खड़गे ने दुख जाहिर करते हुए कहा कि कार्य समिति के कई सदस्य खुलकर उनके समर्थन में नहीं आए और घटना की निंदा भी नहीं की। हालांकि, खड़गे की प्रतिक्रिया को लेकर पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर कोई विस्तृत बयान नहीं दिया गया है।
बैठक में खरगे ने कथित तौर पर कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि सीडब्ल्यूसी के सदस्य, खासकर वे नेता जो लगातार मीडिया में सक्रिय रहते हैं, उन्होंने इस मामले पर खुलकर कुछ नहीं कहा। उन्होंने किसी नेता का नाम नहीं लिया, लेकिन यह संकेत जरूर दिया कि कुछ नेता पार्टी लाइन से हटकर बयान देते और लेख लिखते हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बैठक के बाद कहा कि पार्टी ने हल्द्वानी में खरगे की सभा के बाद कथित तौर पर मंच के शुद्धिकरण की घटना का विरोध किया था और इसकी निंदा भी की थी। उन्होंने घटना को अस्वीकार्य बताया और भाजपा पर निशाना साधा। उनके मुताबिक, सीडब्ल्यूसी ने भी इस मामले की निंदा की है। यह मामला 12 अगस्त को खरगे के हल्द्वानी दौरे के बाद सामने आया था। खरगे ने रामलीला मैदान में सभा को संबोधित किया था। इसके बाद आरोप लगे कि उनके भाषण वाले मंच पर शुद्धिकरण अनुष्ठान कराया गया। उत्तराखंड कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने आरोप लगाया था कि शुद्धिकरण कराने वाला संगठन भाजपा से जुड़ा है और यह कार्रवाई खरगे के दलित समुदाय से आने के कारण की गई। भाजपा ने इन आरोपों से इनकार करते हुए संगठन से किसी भी तरह के संबंध से भी इनकार किया था। खरगे ने 13 अगस्त को राज्यसभा में भी इस मुद्दे को उठाया था। उन्होंने कहा था कि उनकी रैली के बाद मंच का हवन कर शुद्धिकरण किया गया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने इस घटना को दुखद बताते हुए अपने संवैधानिक पद और विपक्ष के नेता होने का भी उल्लेख किया था। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी घटना की निंदा करते हुए जांच की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि भाजपा इस तरह की गतिविधियों का समर्थन नहीं करती और मामले की तहकीकात कराई जाएगी। वहीं, भाजपा ने कांग्रेस पर राजनीतिक लाभ के लिए पार्टी की छवि खराब करने का आरोप लगाया था।

राजीव गांधी की भूमिका भारत को आधुनिक, समृद्ध और सशक्त बनाने में अहम रही : रक्षामंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनको श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारत की विकास यात्रा में राजीव गांधी का भी अहम योगदान रहा है। रक्षा मंत्री ने एक्स पर लिखा कि भारत के पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पूर्व पीएम राजीव गांधी की भूमिका भारत को आधुनिक, समृद्ध और सशक्त राष्ट्र बनाने में अहम रही। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को विश्व में वर्तमान स्थान दिलाया और इसीलिए उन्हें भारत में सूचना प्रौद्योगिकी का जनक कहा जाता है। पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती को हर साल सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने राजीव गांधी की समाधि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोशल मीडिया पर लिखा- पूर्व पीएम राजीव गांधी ने भारत के निर्माण और तरक्की के लिए आधुनिक तकनीक और नए विचारों को अपनाने में विश्वास जताया। इसके लिए यह बेहद जरूरी था कि युवाओं की भागीदारी और उनकी प्रतिभा को विकसित करने के लिए समुचित व्यवस्था और अवसर प्रदान किए जाएं। पायलट ने लिखा- अपनी दूरदर्शिता से उन्होंने देश में आधुनिकरण की नई परिभाषा गढ़ी। कंप्यूटर और दूरसंचार क्रांति के विस्तार जैसे अहम फैसलों ने देश को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। आज उनकी जयंती पर उन्हें हृदय की गहराइयों से नमन करता हूं। वहीं कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने एक्स पर लिखा- राजीव गांधी न केवल भारत के प्रधानमंत्री थे बल्कि युवाओं के सबसे बड़े समर्थकों में से एक थे, एक ऐसे नेता जिनका मानना ??था कि युवा भारतीय न केवल भविष्य हैं बल्कि वे शक्ति हैं जो एक आधुनिक राष्ट्र का निर्माण करेंगे। आधुनिक, तकनीकी रूप से उन्नत और आर्थिक रूप से सशक्त भारत का उनका विजन कांग्रेस पार्टी के लिए प्रेरणा और जिम्मेदारी है।

वंदे मातरम: 1937 में हुई कांग्रेस की बैठक में लिए गए फैसले को ही मानेगी पार्टी

-बीजेपी बोली- कांग्रेस आज की नई मुस्लिम लीग बन गई

नई दिल्ली, एजेंसी।
वंदे मातरम पर जारी सियासी बवाल के बीच कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने इसके दो छंद ही गाने का प्रस्ताव पास किया है। कांग्रेस का कहना है कि उनके लिए वंदे मातरम भावनात्मक मुद्दा है जबकि बीजेपी के लिए ये राजनीतिक मुद्दा है। वहीं बीजेपी ने इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है। पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि कांग्रेस आज की नई मुस्लिम लीग बन गई है। वंदे मातरम में कुल 6 छंद हैं, लेकिन कांग्रेस का कहना है कि पार्टी 1937 में हुई कांग्रेस की बैठक में लिए गए फैसले को ही मानेगी। उसने हालिया कानून पर कड़ी आपत्ति जताई है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि दो छंद को लेकर 28 अक्टूबर 1937 को रवींद्रनाथ टैगोर के सुझाव पर महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और मौलाना आज़ाद की मौजूदगी में सीडब्ल्यूसी की बैठक में वंदे मातरम पर एक प्रस्ताव पारित किया गया था। सीडब्ल्यूसी की आज की बैठक में उस प्रस्ताव पर चर्चा हुई...कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पुराने प्रस्ताव का एक हिस्सा भी पढ़कर सुनाया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कोई विवाद नहीं है। इसे जानबूझकर मुद्दा बनाया जा रहा है, जबकि आज असली मुद्दे युवा, परीक्षाएं, चंदा चोरी और विदेश नीति की विफलता हैं। रमेश ने कहा कि हमारा रुख पहले दिन से ही साफ रहा है कि 28 अक्टूबर 1937 को हमारे पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि राष्ट्रगान जन गण मन... होगा और वंदे मातरम हमारा राष्ट्रगीत होगा।

मानसून में आपदा से निपटने को अधिकारी आपसी समन्वय से करें काम : विनय कुमार रोहिला

हरिद्वार (शिखर समाचार) राज्य आपदा प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष एवं उत्तराखंड सरकार में राज्य मंत्री विनय कुमार रोहिला की अध्यक्षता में नगर निगम सभागार, रुड़की में मानसून के दृष्टिगत आपदा प्रबंधन तैयारियों की विभागवार समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में किसी भी आपदा या अप्रिय घटना की स्थिति में सभी विभाग आपसी समन्वय, त्वरित कार्रवाई और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा के कारण जिन क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न होती है, वहां संबंधित अधिकारी जलनिकासी की व्यवस्था के लिए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। राज्य मंत्री ने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि जनपद में बंद पड़े सभी नाला-नालियों को एक सप्ताह के भीतर खोलने की कार्रवाई हर हाल में पूरी की जाए, ताकि वर्षा के पानी की सुचारु निकासी हो सके और जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। नगर निगम, सिंचाई विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने और शिकायत मिलते ही तत्परता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।
मानसून के दौरान डेंगू की रोकथाम को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। विनय कुमार रोहिला ने स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम और अन्य संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से अभियान चलाने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी क्षेत्र में बरसाती पानी एकत्र न होने पाए तथा नियमित साफ-सफाई, धुंध का छिड़काव और जनजागरूकता अभियान प्रभावी ढंग से चलाए जाएं। बैठक में कई विभागीय अधिकारियों के अनुपस्थित रहने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए अपर जिलाधिकारी को संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। राज्य मंत्री ने क्षेत्रवासियों की समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'एक पौधा मां के नाम' अभियान के तहत नगर निगम परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। शिक्षा विभाग को विद्यालय परिसरों में झाड़ियों और घास की नियमित सफाई कराने तथा विद्यार्थियों को सर्पदंश से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश दिए। साथ ही मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। जल निगम, जल संस्थान और सिंचाई विभाग को निर्देश दिए गए कि नगर निगम, नगर पंचायत एवं नगर पालिका क्षेत्रों में बिना विभागीय अनुमति के सड़कों की खुदाई न की जाए। सीवर कार्य के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत कराने तथा बंद और चौक सीवर लाइनों को दुरुस्त करने के भी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी वैभव गुप्ता ने अधिकारियों को क्षेत्रवासियों की समस्याओं का तत्परता से निराकरण करने के निर्देश दिए और राज्य मंत्री को सभी दिशा-निदेशों के अनुपालन का आश्वासन दिया। बैठक में रुड़की की महापौर अनीता अग्रवाल, राज्य मंत्री शोभाराम प्रजापति, नगर आयुक्त गोपाल राम बेनीवाल, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत सहित जनप्रतिनिधि, स्थानीय लोग और संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

मणिपुर में 20 से 22 अगस्त तक बंद रहेंगे सभी स्कूल-कॉलेज

कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सरकार का फैसला, परिसीमन और एनआरसी के मुद्दे पर 48 घंटे की हड़ताल जारी

इंफाल, एजेंसी।
मणिपुर सरकार ने राज्य में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सभी स्कूल, कॉलेज और उच्च शिक्षण संस्थानों को 20 से 22 अगस्त तक बंद रखने का आदेश जारी किया है। शिक्षा विभाग की ओर से बुधवार को जारी आदेश में सरकारी, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त सभी शिक्षण संस्थानों को इस अवधि में बंद रखने की घोषणा की गई है।
आदेश के मुताबिक, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) या अन्य बोर्ड से संबद्ध स्कूलों के साथ-साथ कॉलेजों और विश्वविद्यालयों पर भी यह आदेश लागू होगा। सरकार ने यह निर्णय राज्य में बनी मौजूदा परिस्थितियों और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लिया है। इस बीच, राज्य में जनगणना प्रक्रिया शुरू होने से पहले राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को अपडेट करने और परिसीमन प्रक्रिया को लेकर 'कैम्पेन फॉर जस्ट एंड फेयर डीलिमिटेशन' (जेएफडी) की ओर से बुलाई गई 48 घंटे की आम हड़ताल बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रही। घाटी के विभिन्न जिलों में प्रदर्शनकारियों ने रैलियां निकालीं और कई स्थानों पर नेताओं के पुतले जलाए।

सरकारी कार्यालयों के बहिष्कार का ऐलान

जेएफडी ने अपने आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए गुरुवार से सरकारी कार्यालयों के बहिष्कार का आह्वान किया है। संगठन की मांग है कि जनगणना से पहले राष्ट्रीय नागरिक पंजी को अपडेट किया जाए और परिसीमन की प्रक्रिया को लेकर उचित एवं न्यायपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इंफाल पूर्व जिले के खुरई लामलोंग इलाके में प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह और गृह मंत्री गोविंददास कोंथौजम के पुतले जलाए। इसके अलावा घाटी के अन्य हिस्सों में भी प्रदर्शन और रैलियां आयोजित की गईं। राज्य में जारी आंदोलन और कानून-व्यवस्था से जुड़ी परिस्थितियों के बीच सरकार के स्कूल-कॉलेज बंद रखने के फैसले से शैक्षणिक गतिविधियां तीन दिन तक प्रभावित रहेंगी। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना में 116 खिलाड़ियों ने दिया चयन ट्रायल

हरिद्वार (शिखर समाचार)। उत्तराखंड के खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को निखारने और खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन कार्यक्रम योजना 2026-27 के तहत हरिद्वार में जनपद स्तरीय चयन ट्रायल शुरू हो गए हैं। प्रथम दिन रोशनाबाद स्थित योगस्थली खेल परिसर में हॉकी, मुक्केबाजी, कबड्डी, जूडो और कराटे के चयन ट्रायल आयोजित किए गए। इनमें 77 बालक और 39 बालिकाओं सहित कुल 116 खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिला क्रीड़ा अधिकारी हरिद्वार ने बताया कि चयन ट्रायल में 14 से 17 वर्ष, 17 से 19 वर्ष, 19 से 21 वर्ष तथा 21 से 23 वर्ष के चार आयु वर्गों में विकासखंड, नगर निगम और नगर पालिका स्तर से चयनित खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों का चयन शारीरिक क्षमता परीक्षण के साथ संबंधित खेल की दक्षता और कौशल के आधार पर किया गया। परीक्षण में 30 मीटर दौड़, ऊर्ध्वाधर छलांग, 6.10 मीटर शटल दौड़, भारयुक्त गेंद फेंक और 800 मीटर दौड़ शामिल रही।
मेरिट के आधार पर प्रत्येक आयु वर्ग में प्रत्येक खेल से दो बालक और दो बालिकाओं का चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को प्रतिमाह 2,000 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसके अलावा खेल उपकरण खरीदने के लिए वर्ष में 10,000 रुपये की एकमुश्त राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से खिलाड़ियों के बैंक खातों में उपलब्ध कराई जाएगी।
21 अगस्त को सुबह आठ बजे से योगस्थली खेल परिसर में बास्केटबॉल, ताइक्वांडो, फुटबॉल, टेबल टेनिस और वॉलीबॉल के जनपद स्तरीय चयन ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। चयन प्रक्रिया जिला खेल विभाग, शिक्षा विभाग, चिकित्सा विभाग और युवा कल्याण विभाग के समन्वय से कराई जा रही है।

नई जंग: भारत-पाकिस्तान के बीच दूतावास के बाहर बने ढांचे तोड़ने की होड़

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत और पाकिस्तान के बीच नई जंग शुरु हो गई है। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास के बाहर बने अनाधिकृत ढांचों और अतिक्रमण पर बुल्डोजर चलाकर उसकी सफाई की गई। इससे पहले पाकिस्तान ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय दूतावास के पास बने कुछ निर्माण कार्यों को हटाया था। इस तरह दोनों देशों के बीच ढांचा हटाओ की होड़ लगी हुई है।
ये ढांचे हाई कमीशन के वीजा सेक्शन के पास और निर्धारित परिसर की सीमा से बाहर बताए जा रहे हैं। संबंधित एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए इन संरचनाओं को साफ कर दिया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले इस्लामाबाद स्थित भारतीय हाई कमीशन के बाहर लगे पार्किंग पोल पाकिस्तान ने हटा दिए थे। ऐसे में दिल्ली में हुई कार्रवाई को उसी का जवाब माना जा रहा है। हालांकि भारतीय कार्रवाई का आधिकारिक आधार अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण बताया गया है।भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर दोनों देश पहले भी एक-दूसरे के राजनयिक मिशनों से जुड़ी सुविधाओं पर प्रशासनिक कदम उठाते रहे हैं। इनमें राजनयिक कर्मचारियों की संख्या घटाना, आवाजाही सीमित करना और मिशन से जुड़ी सुविधाओं पर प्रतिबंध शामिल रहे हैं। ताजा घटनाक्रम को भी इसी सिलसिले की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

रिश्तों में तनाव की बड़ी वजह आतंकवाद

दोनों देशों के संबंधों में मौजूदा तनाव की प्रमुख वजह सीमा पार आतंकवाद है। अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद स्थिति और बिगड़ गई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। जवाबी कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच गंभीर सैन्य तनाव पैदा हुआ और बाद में संघर्ष विराम हुआ। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य नहीं हो सके हैं। व्यापार और आवाजाही सीमित हैं, जबकि वीजा व्यवस्था और राजनयिक मिशनों की गतिविधियां भी पहले की तुलना में काफी कम हो गई हैं।
भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को भी स्थगित रखा है। नई दिल्ली का कहना है कि पाकिस्तान जब तक सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम नहीं उठाता, तब तक संधि पर यही स्थिति रहेगी। हालांकि दोनों देशों के बीच सैन्य स्तर पर संपर्क पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। तनाव को नियंत्रित करने के लिए दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच संपर्क बना हुआ है। भारत का स्पष्ट रुख है कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। ऐसे में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर हुई ताजा कार्रवाई को केवल अतिक्रमण हटाने की प्रशासनिक कार्रवाई के बजाय मौजूदा भारत-पाक तनाव के व्यापक संदर्भ में भी देखा जा रहा है।

गाजियाबाद में छात्रों को मिला पढ़ाई का डिजिटल ठिकाना, कंपनी बाग की लाइब्रेरी का नगर निगम ने किया कायाकल्प

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बेहतर और सुविधाजनक माहौल उपलब्ध कराने की दिशा में गाजियाबाद नगर निगम ने महत्वपूर्ण पहल की है। सिटी जोन स्थित कंपनी बाग की पुरानी लाइब्रेरी का नवीनीकरण कर उसे डिजिटल लाइब्रेरी के रूप में तैयार किया गया है। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने डिजिटल लाइब्रेरी का लोकार्पण किया। इस दौरान निगम पार्षदों के साथ नगर निगम के अधिकारी भी मौजूद रहे। नवनिर्मित डिजिटल लाइब्रेरी में एक साथ करीब 70 पाठकों के बैठकर अध्ययन करने की व्यवस्था की गई है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी मिल सके, इसके लिए खिड़कियों की भी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा लाइब्रेरी में इंटरनेट, कंप्यूटर, एयर कंडीशनर, शौचालय और सीसीटीवी कैमरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। निगम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसा अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना है, जहां वे बिना किसी व्यवधान के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि कंपनी बाग में पहले से बनी लाइब्रेरी की स्थिति काफी खराब थी। विद्यार्थियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसका व्यापक नवीनीकरण कराया गया। अब यहां छात्र-छात्राओं के लिए पढ़ाई का बेहतर वातावरण तैयार किया गया है। लाइब्रेरी में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक किताबें भी उपलब्ध कराई गई हैं। इससे शहर के विद्यार्थियों को अपने घर के बाहर एक सुविधाजनक अध्ययन केंद्र मिल सकेगा। महापौर सुनीता दयाल ने डिजिटल लाइब्रेरी के शुभारंभ पर युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह गाजियाबाद नगर निगम की पहली ऐसी लाइब्रेरी है, जहां किताबों के साथ कंप्यूटर की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और उन्हें पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल उपलब्ध कराना जरूरी है। डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने सपनों को पूरा करने और लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।

लाइब्रेरी में पाठकों को प्रतिदिन अधिकतम एक घंटे तक कंप्यूटर सुविधा का उपयोग करने की अनुमति होगी। वहीं छात्र-छात्राएं 750 रुपये प्रतिमाह शुल्क देकर इस डिजिटल लाइब्रेरी में बैठकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। इससे ऐसे विद्यार्थियों को भी सुविधा मिलेगी, जिन्हें घर पर पढ़ाई के लिए पर्याप्त शांत वातावरण या डिजिटल संसाधन उपलब्ध नहीं हो पाते हैं। डिजिटल सुविधाओं के विस्तार के साथ लाइब्रेरी को विद्यार्थियों की जरूरत के अनुरूप विकसित किया गया है। शहर में विकास कार्यों के साथ शिक्षा और युवाओं से जुड़ी सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कंपनी बाग की डिजिटल लाइब्रेरी इसी दिशा में उठाया गया एक कदम है, जिससे आने वाले समय में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को लाभ मिलने की उम्मीद है।

जहां सम्मान नहीं, वहां हम नहीं, भाजपा छोड़ वीआईपी में शामिल हुए डॉ. सोनू कश्यप

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के एक बैंक्वेट हॉल में विकासशील इंसान पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में भाजपा पर जातिगत भेदभाव का आरोप लगाते हुए डॉ. सोनू कश्यप ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ विकासशील इंसान पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में बिहार सरकार के पूर्व पशुधन मंत्री मुकेश साहनी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। डॉ. सोनू कश्यप ने कहा कि भाजपा में जातिगत भेदभाव के आधार पर सम्मान तय किए जाने से वह आहत हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा जनता की सेवा और उनके अधिकारों के लिए काम किया है, लेकिन मान-सम्मान के मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, ह्यजहां सम्मान नहीं, वहां हम नहींह्व के संकल्प के साथ भाजपा छोड़कर विकासशील इंसान पार्टी में शामिल हुए हैं। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में बुढ़ाना सीट से चुनाव लड़ने का निर्णय लेने की बात भी कही।

सम्मेलन में आरक्षण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। मुकेश साहनी ने कहा कि कश्यप-निषाद समाज को अपनी राजनीतिक ताकत का एहसास कराना होगा। उन्होंने कहा कि यदि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले कश्यप-निषाद सहित 17 अति पिछड़ी जातियों को अनुसूचित जाति का आरक्षण नहीं दिया गया तो भाजपा का पुरजोर विरोध किया जाएगा। इस दौरान कार्यकताओं को हाथ में गंगाजल लेकर ह्यआरक्षण नहीं तो भाजपा को वोट नहींह्व का संकल्प भी दिलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर पीतम सिंह ने की, जबकि संचालन मास्टर चुन्नू लाल और प्रमोद कश्यप ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर प्रवेश कश्यप, मास्टर सीताराम, नंदन कश्यप, सलेखचंद, धीरज कश्यप, यशपाल, पूरण सिंह, शेखर कुमार, विशाल कुमार पाल और इरशाद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सिहानी गेट में पुलिस मुठभेड़ : फायरिंग कर भाग रहे बदमाश के पैर में लगी गोली, साथी फरार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सिहानी गेट थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई।सफेद रंग की स्कूटी पर सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया तो उन्होंने भागते हुए पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है। इसी कड़ी में थाना सिहानी गेट पुलिस द्वारा क्षेत्र में वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि सफेद रंग की स्कूटी पर सवार दो युवक किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने के इरादे से क्षेत्र में घूम रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी और चेकिंग तेज कर दी। कुछ ही देर बाद पुलिस टीम को सफेद रंग की स्कूटी पर दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन दोनों युवकों ने स्कूटी रोकने के बजाय वापस भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया। इसी दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। अपनी सुरक्षा में पुलिसकर्मियों ने जवाबी फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा, जबकि दूसरा आरोपी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने घायल आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसकी पहचान शादाब उर्फ शाहरुख के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने फरार साथी का नाम समीर बताया। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद मौके से सफेद रंग की स्कूटी, एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी मुकदमे दर्ज होने की जानकारी पुलिस को मिली और वह उसका आपराधिक इतिहास खंगालने में लग गई। घायल शादाब उर्फ शाहरुख को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया। वहीं पुलिस की कई टीमें फरार आरोपी समीर की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि फरार आरोपी तक जल्द पहुंचा जा सके। सहायक पुलिस आयुक्त नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि चेकिंग के दौरान पुलिस टीम को देखकर दोनों संदिग्धों ने भागने का प्रयास किया और पुलिस पर फायरिंग की। आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी घायल हुआ है। उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस और खोखा बरामद किया गया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ऑपरेशन शस्त्र अभियान में तमंचे और कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिंभावली थाना पुलिस ने ऑपरेशन शस्त्र अभियान के तहत चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को अवैध तमंचे और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान जोगेश उर्फ लक्की पुत्र जसवंत निवासी ग्राम खेड़ा, थाना बहादुरगढ़, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक सिंभावली थाना क्षेत्र में अवैध शस्त्रों की रोकथाम के लिए चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान ग्राम खागोई-फुलड़ी चौराहे से गंदू नगला की ओर जाने वाले रास्ते पर संदिग्ध गतिविधि के आधार पर पुलिस ने एक व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की और नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध हथियार रखने और उनका इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक राजवीर सिंह, उप निरीक्षक पिंकू कुमार, आरक्षी आलोक कुमार और होमगार्ड त्रिलोक चंद शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की लगातार जांच की जा रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने नामजद एवं वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार किशोरी घर में अकेली थी, तभी आरोपी युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद किशोरी ने खेत से घर लौटने पर अपनी मां को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजनों की ओर से पुलिस को सूचना दी गई और गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त शाकिब पुत्र असरार, निवासी गढ़मुक्तेश्वर थाना क्षेत्र, जनपद हापुड़ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक अभियुक्त के खिलाफ कोतवाली गढ़मुक्तेश्वर में संबंधित धाराओं में अभियोग दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला एवं बालिकाओं से संबंधित अपराधों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी की तलाश की जा रही थी। पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक राजेश दांगी, आरक्षी सुरेंद्र कुमार और आरक्षी उदय यादव शामिल रहे। पुलिस मामले में अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

थाना साहिबाबाद में 100 पुलिसकर्मियों के लिए बनेगा आधुनिक हॉस्टल, निर्माण कार्य का शिलान्यास

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पुलिसकर्मियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में गाजियाबाद के अंदर लगातार सकारात्मक कदम उठाए जा रहे है। गुरुवार को थाना साहिबाबाद परिसर में 100 पुरुष पुलिसकर्मियों के लिए हॉस्टल एवं बैरक निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया। इस परियोजना के पूरा होने के बाद पुलिसकर्मियों को ड्यूटी स्थल के नजदीक बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक आवासीय व्यवस्था मिल सकेगी। थाना एवं पुलिस भवनों के जीर्णोद्धार और आधुनिकीकरण की चल रही प्रक्रिया के तहत आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय/अपराध केशव कुमार चौधरी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात राजकरन नैय्यर तथा पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन धवल जायसवाल, सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद अमित सक्सेना और थाना अध्यक्ष साहिबाबाद रवेन्द्र गौतम आदि मौजूद रहे। अधिकारियों ने इस मौके पर कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए आवासीय सुविधा उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल है। पुलिसकर्मियों को लंबे समय तक ड्यूटी, कानून-व्यवस्था, यातायात व्यवस्था और आपात परिस्थितियों में लगातार काम करना पड़ता है। ऐसे में उन्हें कार्यस्थल के पास बेहतर रहने की सुविधा मिलने से न केवल उनकी दैनिक परेशानियां कम होंगी, बल्कि जरूरत पड़ने पर वे अधिक तत्परता से ड्यूटी पर भी पहुंच सकेंगे। प्रस्तावित हॉस्टल एवं बैरक का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाएगा। इसमें पुलिसकर्मियों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आधुनिक और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद थाना साहिबाबाद में तैनात पुरुष पुलिसकर्मियों को इसका लाभ मिल सकेगा। कमिश्नरेट गाजियाबाद में पुलिस थानों और अन्य भवनों के जीर्णोद्धार एवं आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण के साथ-साथ मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। थाना साहिबाबाद में प्रस्तावित हॉस्टल और बैरक को महत्वपूर्ण परियोजना माना जा रहा है।पुलिसकर्मियों को बेहतर आवासीय सुविधा मिलने से उनके कामकाज में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। वर्तमान समय में बढ़ती पुलिसिंग जरूरतों को देखते हुए पर्याप्त और सुविधाजनक बैरक की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही थी। नए हॉस्टल के निर्माण से इस आवश्यकता को काफी हद तक पूरा किया जा सकेगा। शिलान्यास के साथ ही परियोजना को निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा कराने पर जोर दिया गया है। निर्माण पूरा होने के बाद 100 पुरुष पुलिसकर्मियों को एक ही परिसर में व्यवस्थित आवासीय सुविधा मिल सकेगी। इससे पुलिसकर्मियों को रहने की बेहतर व्यवस्था के साथ ड्यूटी के दौरान अतिरिक्त सुविधा भी प्राप्त होगी।

चाकूबाजी में युवक की मौत के बाद आरोपी से पुलिस की मुठभेड़, पैर में गोली लगने से हुआ घायल

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र के विक्रम एन्क्लेव में हुई चाकूबाजी की घटना में युवक की मौत के बाद फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने चेकिंग के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर उपचार के लिए एमएमजी अस्पताल भेजा गया। आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, अवैध तमंचा, कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है।इसी कड़ी में 19 अगस्त को शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र के विक्रम एन्क्लेव में चाकूबाजी की घटना हुई थी। इसमें 21 वर्षीय मुस्ताख को सीमापुरी दिल्ली निवासी समीर उर्फ गद्दू ने चाकू मार दिया था। गंभीर रूप से घायल मुस्ताख को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से आरोपी समीर फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए शालीमार गार्डन पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी और उसकी लोकेशन तलाश रही थी। पुलिस को लगातार आरोपी की क्षेत्र में मौजूदगी की सूचना मिल रही थी। इसी आधार पर 20 अगस्त को डीएवी कट के पास चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान गाजियाबाद रोड की ओर से डीएलएफ की तरफ बाइक पर आते एक संदिग्ध युवक को पुलिस ने रुकने का इशारा किया। संदिग्ध ने चेकिंग टीम को देखकर बाइक मोड़ ली और टेलीफोन एक्सचेंज वाली गली में तेजी से भागने लगा। पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। भागने के दौरान उसकी बाइक रास्ते में पड़े कूड़े के ढेर से टकराकर गिर गई।

बाइक गिरने के बाद आरोपी ने खुद को घिरता देखकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी के बाएं पैर में गोली लग गई। घायल अवस्था में उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम समीर उर्फ गद्दू, निवासी न्यू सीमापुरी, दिल्ली बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और कमर में छिपाकर रखा गया चाकू बरामद हुआ।घायल आरोपी को उपचार के लिए एमएमजी अस्पताल भेजा गया। जांच में पुलिस को आरोपी का आपराधिक इतिहास भी मिला है। उसके खिलाफ शालीमार गार्डन थाने में बलवा और हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा अवैध गांजा बरामदगी से संबंधित मामला तथा हत्या का मुकदमा भी दर्ज पाया गया है। मुठभेड़, हथियार व चोरी के वाहन की बरामदगी के संबंध में भी संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

कृषि विज्ञान केंद्र में कृषक गोष्ठी, गन्ने की उत्पादकता बढ़ाने पर जोर

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। कृषि विज्ञान केंद्र नगीना में जिला गन्ना अधिकारी ब्रजेश कुमार पटेल की अध्यक्षता में वृहद कृषक गोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें किसानों को गन्ने की वैज्ञानिक खेती, मिट्टी की सेहत, रोग एवं कीट नियंत्रण तथा फसल की उत्पादकता बढ़ाने के आधुनिक उपायों की जानकारी दी गई। गोष्ठी में विशेषज्ञों ने किसानों से वैज्ञानिक तकनीक अपनाकर गन्ने की खेती को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाने का आह्वान किया। जिला गन्ना अधिकारी ब्रजेश कुमार पटेल ने कहा कि वर्तमान समय में गन्ने की खेती की लागत कम करने के साथ उत्पादन बढ़ाना जरूरी है। इसके लिए किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाना चाहिए। शस्य वैज्ञानिक डॉ. शिवांगी ने मिट्टी की सेहत सुधारने के उपाय बताते हुए किसानों से मिट्टी की जांच कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि मिट्टी की जांच के आधार पर ही खेत में संतुलित मात्रा में खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग किया जाना चाहिए। चीनी मिल बुंदकी के मुख्य महाप्रबंधक गन्ना अनिल चौहान ने मिल की ओर से किसानों के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों को अनुदान पर कृषि यंत्र, कृषि रसायन और सूक्ष्म पोषक तत्व उपलब्ध कराए जा रहे हैं। खेतों में दवाओं के छिड़काव के लिए ड्रोन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. के.के. सिंह, कीट एवं पादप रोग वैज्ञानिक डॉ. पिंटू कुमार, भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक युवा के प्रदेश अध्यक्ष दिगंबर सिंह और जिलाध्यक्ष नितिन सिरोही ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में गन्ना विकास परिषदों के ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, गन्ना समितियों के सचिव, चीनी मिल बुंदकी के सहायक महाप्रबंधक यशपाल सिंह सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

घायल गोवंश को सुरक्षित गौशाला पहुंचाकर कराया उपचार

बिजनौर (शिखर समाचार)। हल्दौर नगर पालिका क्षेत्र में घायल गोवंश मिलने की सूचना पर जिला प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे सुरक्षित रूप से नगर पालिका की गौशाला पहुंचाया, जहां उसका आवश्यक उपचार कराया गया। उप जिलाधिकारी सदर स्मृति मिश्रा ने बताया कि सूचना प्राप्त होते ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए, जिसके बाद घायल गोवंश को मौके से सुरक्षित उठाकर गौशाला पहुंचाया गया। अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि उपचार के दौरान गोवंश को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उसकी समुचित देखभाल सुनिश्चित की जाए। उप जिलाधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन और स्थानीय निकायों की ओर से गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। गौशालाओं में संरक्षित गोवंश के लिए चारा, स्वच्छ पानी, आश्रय और उपचार समेत आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि घायल या बीमार गोवंश की सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल मौके पर भेजकर आवश्यक कार्रवाई कराई जा रही है।

प्रशासन की ओर से स्थानीय निकायों को भी गोवंश की देखभाल और उनके संरक्षण को लेकर संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी स्थान पर घायल या बीमार गोवंश दिखाई देने पर इसकी सूचना संबंधित प्रशासनिक अथवा स्थानीय निकाय के अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते उसे उपचार और सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराया जा सके।

मालन नदी के उफान से हजारों बीघा फसल जलमग्न, बांध की हालत पर किसानों में आक्रोश

बिजनौर (शिखर समाचार)। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण जिले की नदियां उफान पर हैं। मालन नदी के बढ़े जलस्तर और तेज बहाव से आसपास के गांवों के किसानों की चिंता बढ़ गई है। पिछले दो दिनों से नदी के उफान के चलते हजारों बीघा कृषि भूमि जलमग्न हो गई है, जिससे किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। खेतों में पानी भरने से किसान आर्थिक नुकसान को लेकर परेशान हैं। किसानों का आरोप है कि सिंचाई विभाग की लापरवाही के कारण मालन नदी के बांध की स्थिति खराब बनी हुई है।

क्षेत्रीय किसान रतेंदर पाल शास्त्री ने बताया कि बांध की मरम्मत के नाम पर केवल खानापूर्ति की गई। उनके अनुसार पूरे बांध पर करीब एक फीट मिट्टी डाली गई थी, जो पहली ही तेज बारिश में बह गई। इसके बाद बांध फिर जर्जर स्थिति में पहुंच गया है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते बांध की मजबूत मरम्मत कराई जाती तो नदी का पानी खेतों में पहुंचने से रोका जा सकता था। किसानों को आशंका है कि पहाड़ी क्षेत्रों में दोबारा तेज बारिश होने और नदी में ऊपर से पानी आने पर स्थिति और गंभीर हो सकती है। कमजोर बांध के टूटने की स्थिति में आसपास के दर्जनों गांवों के लिए बाढ़ का खतरा पैदा हो सकता है। इससे ग्रामीणों और उनकी फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है। सिंचाई विभाग की कार्यप्रणाली से नाराज किसानों ने शासन और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। किसानों ने जलमग्न फसलों का शीघ्र सर्वे कराकर नुकसान का आकलन कराने तथा प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। साथ ही मालन नदी के बांध की तत्काल प्रभावी मरम्मत कराने की भी मांग उठाई है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् शामली
(जनपद–शामली)

पत्रांक : 295 दिनांक : 20.08.26

ई–टेंण्डर अल्पकालीन निविदा सूचना

पंजीकृत ठेकेदारों/ फर्मों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद शामली राज्य वित्त आयोग/बोर्ड फण्ड मद के अन्तर्गत (05 निर्माण कार्य) दिनांक 10.09.26 समय 5:00 बजे तक वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर निविदाएं रजिस्टर्ड श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से शर्तों के आधार पर आमन्त्रित की जाती हैं।

निविदा अभिलेख एवं शर्तें वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर देखी जा सकती हैं। अभिलेख दिनांक 23.08.26 से दिनांक 10.09.26 तक सायं 5:00 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। सभी निविदादाता दिनांक 10.09.26 को सायं 5:00 बजे तक वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर ऑनलाईन अपनी निविदा दर/दरें डाल सकते हैं। जो दिनांक 11.09.26 को समय 11:00 बजे से खोले जायेंगे।

निधारित निविदा शुल्क पालिका के निम्न खाता में जमा किया जा सकता है। जिसकी प्रति निविदा के साथ अपलोड की जानी अनिवार्य होगी, अन्यथा की स्थिति में निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

बैंक का नाम	आईसीआईसीआईसी बैंक, शाखा शामली
खाता संख्या	066801001515
आई.एफ.एस.सी. कोड	ICIC0000668

Tender Referance	295	/E-T/PWC/ 2026-27
Publish and Time for RFP	23.08.26	UPTO 4:00 PM
Last Date and time for Submission of tender	10.09.26	AT 5:00 PM
Open E-Tender Date	11.09.26	AT 11:00 AM
Place of Opening of E-Tender	Nagar Palika Parishad Shamli Office	
E-Tender Security	Net Amount of RTGS	
E-Tender Document Processing	500+GST@18%= 590 (RTGS) for each work	

अधिशासी अधिकारी | अध्यक्ष

संक्षिप्त समाचार

एसएन मेडिकल कॉलेज के आठ छात्रों को बड़ी उपलब्धि, आईसीएमआर ने शोध के लिए चुने

आगरा, एजेंसी। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने एसएन मेडिकल कॉलेज के आठ छात्रों को शोध कार्य के लिए अनुमति दी है। इनके प्रस्ताव को चयनित कर लिया है। इनको 60-60 हजार रुपये का अनुदान भी मिलेगा। प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि एमबीबीएस -2024 बैच के आठ छात्र हैं। इन्होंने विभिन्न विषयों पर शोध करने के लिए आईसीएमआर को भेजा था। ये चयनित हो गए हैं। दो साल तक शोध होगा, जिसकी रिपोर्ट आईसीएमआर को भेजी जाएगी।

गोधा में बल्लियों के सहारे टिका ट्रांसफॉर्मर

अलीगढ़ , एजेंसी। गांव गोधा में जमीन पर बनी टूटी स्लैब पर रखे ट्रांसफॉर्मर को बल्लियों का सहारा है। गांव निवासी महेंद्रपाल शर्मा का कहना है कि ट्रांसफॉर्मर के आसपास सतीश कुमार, भूपेंद्र, दुर्गेश, ध्रुव, हरिओम, महेश, कालू आदि लोगों के मकान हैं। 11 हजार वोल्टेज की हाईटेंशन लाइन वाले ट्रांसफॉर्मर से कभी भी कोई पशु अथवा मानव को नुकसान हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया है कि अवर अभियंता को कई बार अवगत कराया जा चुका है लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं की गई है। एसडीओ हर्ष श्रीवास्तव का कहना है कि ट्रांसफॉर्मर को टूटी स्लैब से हटाकर दो खंभे पर जल्द ही रखवा दिया जाएगा।

एडीसीपी पूर्वी ने ठेकों के बाहर छापा मारा, 12 को पकड़ा, बिना वर्दी के मौके पर पहुंची थी पुलिस

कानपुर, एजेंसी। एडीसीपी पूर्वी शिवा सिंह ने मंगलवार देर रात चकेरी और जाजमऊ क्षेत्र में शराब ठेकों पर छापा मारकर 12 लोगों को पकड़ा। वह बिना वर्दी के प्राइवेट वाहन से मौके पर पहुंची थीं। उनकी कार्रवाई से चकेरी और जाजमऊ पुलिस में खलबली मच गई। पकड़े गए लोगों का चालान हुआ, जबकि ठेका संचालक पर तस्करा डालकर आबकारी विभाग को रिपोर्ट भेजी गई। एडीसीपी के मुताबिक बंदी के बावजूद सर्किल के ठेकों से शराब की बिक्री होने की सूचना मिल रही थी। मंगलवार देर रात चकेरी थाने के सामने अंग्रेजी और देशी शराब के ठेकों में बंदी के बाद बाहर से पर्दा डालकर अंदर लोग शराब पी रहे थे। इसके बाद चुंगी चौराहे पर छापा मारा गया। यहां सन्नाटा था। रिपोर्ट बनवाई जा रही है कि आखिर बंदी के बावजूद कैसे शराब की बिक्री हो रही है।

पिसावा में 15 रुपये मिनट के हिसाव से चला जनरेटर

अलीगढ़ , एजेंसी। जनपद में विद्युत निगम की व्यवस्था चरमराई हुई है। कुछ जगह ऐसी हैं, जहां कई दिनों से ट्रांसफॉर्मर ही नहीं बदला गया है। लोग मोल का पानी लेकर प्यास बुझा रहे हैं। किराए पर जनरेटर बुलाकर घरों में पानी भर रहे हैं। इसके एवज में 15 रुपये प्रति मिनट के हिसाब से भुगतान करने को मजबूर हैं। यह आलम पिसावा कस्बे का है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सोमवार को फुंका ट्रांसफॉर्मर मंगलवार रात तक भी नहीं बदला जा सका। बुधवार सुबह लोग एक जनरेटर वाले को बुलाकर पानी भरवाने में जुट गए। कस्बा निवासी अमोद, राजकुमार व हरिकेश ने बताया कि जनरेटर संचालक ने 15 रुपये प्रति मिनट के हिसाब से बिजली उपलब्ध कराई। एक घर की टंकी भरने में करीब 300 से 400 रुपये खर्च हुए।लोगों ने राज्यमंत्री सुरेंद्र दिलेर से भी समस्या के समाधान की गुहार लगाई। एक्सईएन खैर संजीव कुमार ने बताया कि फुंका ट्रांसफॉर्मर कंपनी को मरम्मत के लिए भेजा गया है। तीन-चार दिन में उसके लौटने की उम्मीद है। अस्थायी ट्रांसफॉर्मर लगवाने की प्रक्रिया चल रही है।

सर्वर की धीमी चाल से रजिस्ट्री कार्यालय में बैनामे अटके

अलीगढ़ , एजेंसी। जनपद की इगलास, गभाना खैर और अतरौली तहसील स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में सोमवार से सर्वर की धीमी गति ने बैनामा कराने वालों की परेशानी बढ़ा दी है। खैर में बुधवार को सामान्य दिनों की तुलना में चौथाई ही बैनामे हुए। सोमवार से सर्वर पर तकनीकी कार्य चल रहा है। इसके चलते पूरे उत्तर प्रदेश में सर्वर की स्पीड कम हो गई है। इसका सीधा असर रजिस्ट्री प्रक्रिया पर पड़ रहा है। बैनामा कराने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से लोग रजिस्ट्री कार्यालय पहुंच रहे हैं। सुबह से अपनी बारी का इंतजार करने के बावजूद सर्वर की धीमी गति के कारण उनका काम नहीं हो पा रहा है। कई लोग पूरे दिन कार्यालय में बैठे रहने के बाद निराश होकर वापस लौट रहे हैं। सामान्य दिनों में रोज करीब 50-60 बैनामे हुआ करते थे, लेकिन सर्वर में दिक्कत होने की वजह से इनकी संख्या घटकर 15 ही रह गई। रजिस्ट्रार जहांगीर खान ने बताया है कि सर्वर की स्पीड बढ़ते ही रजिस्ट्री का काम सामान्य गति से शुरू हो जाएगा। हालांकि, उन्होंने संभावना जताई कि पूरे सप्ताह सर्वर की स्थिति इसी तरह बनी रह सकती है।उपनिबंधक कार्यालय के लिपिक डंबर सिंह ने बताया कि गभाना में रोजाना 35 के करीब बैनामा होते थे, लेकिन दो दिन से सर्वर धीमा होने से मंगलवार को 13 व बुधवार को 16 बैनामा हुए। इधर, एडवोकेट असलम खान ने बताया है कि अतरौली तहसील में जहां औसतन 50-60 बैनामा होते हैं, सर्वन डाउन होने की वजह से इनकी संख्या आदे से भी कम रह गई है।

दो दिन बंद रहेगी मेट्रो सेवा, इन 100 मानकों पर होगा सुरक्षा ऑडिट

आगरा, एजेंसी। मेट्रो रेल संरक्षा आयुक्त अपनी टीम के साथ आज आगरा आएंगे। ये दो दिन मेट्रो के नवनिर्मित स्टेशन, ट्रैक समेत अन्य का ऑडिट करेंगे। इसके चलते 19 और 20 अगस्त को मेट्रो सेवा बंद रहेगी। 21 से यथावत सेवाएं संचालित रहेंगी। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के उप महाप्रबंधक पंचानन मिश्रा ने बताया कि पहला कॉरिडोर ताज पूर्वी से सिकंदरा तक बन रहा है। इसकी दूरी करीब 14 किमी है और इसमें 13 स्टेशन हैं। ताज पूर्वी से मनःकामेश्वर स्टेशन तक मेट्रो का संचालन हो रहा है। इसके आगे एसएन, आगरा कॉलेज, राजामंडी, आरबीएस और आईएसबीटी स्टेशन भी बन गए हैं। टीम इन स्टेशन का ऑडिट करेगी। इसके चलते 19 और 20 अगस्त को मेट्रो सेवा बंद रहेगी। 21 अगस्त को सुबह छह से रात 10 बजे तक सेवाएं मिलेंगी। मेट्रो रेल संरक्षा आयुक्त नीलाभ्र सेन गुप्ता और छह सदस्यीय टीम ट्रैक, सिग्नल सिस्टम, टिकटिंग प्रक्रिया, वेटिंग एरिया, अग्निशमन उपकरण, अनाउंस, डिस्प्ले समेत 100 मानकों पर आकलन करेगी। इसकी रिपोर्ट बनाकर शासन को भेजा जाएगा।

अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस कमिश्नर की सख्ती, लंबित विवेचनाओं के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और विभिन्न जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियानों की प्रगति की समीक्षा के लिए गुरुवार को पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड़ की अध्यक्षता में हुई बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों ने अपराधों की रोकथाम, लंबित मामलों के निस्तारण और आगामी त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तार से समीक्षा की। अधिकारियों को सभी कार्रवाई समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए। गोष्ठी में अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय/अपराध केशव कुमार चौधरी, अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात राजकरन नैय्यर , सभी जोन के पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, महिला अपराध तथा अपराध/अभिसूचना से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में अपराध नियंत्रण से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा के बाद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

बैठक में यक्ष एप पर अपराधियों की फीडिंग और सत्यापन की स्थिति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि यक्ष एप पर अपराधियों का शत-प्रतिशत सत्यापन कर उनका पूरा विवरण फीड किया जाए। इसके साथ ही अवैध नशे के कारोबार, नशे के सेवन तथा अवैध शस्त्रों की तस्करी और रखरखाव के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत एक जनवरी से 15 अगस्त 2026 तक की कार्रवाई की समीक्षा की गई। पुलिस अधिकारियों को अभियान के तहत प्रभावी कार्रवाई लगातार जारी रखने के निर्देश दिए

गए।अपराध गोष्ठी में थानों में लंबित मामलों और माल मुकदमाती की स्थिति की भी समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को लंबित मामलों और वाहनों का नियमानुसार जल्द से जल्द निस्तारण करने तथा माल मुकदमाती को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए। वहीं सीसीटीएनएस पोर्टल पर एक जनवरी से 15 अगस्त तथा एक अगस्त से 15 अगस्त तक की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों का समयबद्ध निस्तारण और पोर्टल पर अपडेट फीडिंग सुनिश्चित करने को कहा गया। पुलिस कमिश्नर ने संपत्ति और शरीर संबंधी अपराधों के दो वर्षीय आंकड़ों की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए अपराध नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। हत्या, लूट, डकैती, स्नैचिंग, दुष्कर्म और गोवध अधिनियम से जुड़े शेष मामलों के शीघ्र अनावरण के लिए तकनीकी और मानवीय सूचना तंत्र का प्रभावी इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संपत्ति संबंधी मामलों में अब तक हुए अनावरण, आरोपियों की गिरफ्तारी और बरामदगी की भी समीक्षा की गई।

बैठक में निरोधात्मक कार्रवाई और महत्वपूर्ण अधिनियमों के तहत की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई करने को कहा गया। मिशन शक्ति केंद्रों पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए महिलाओं और बालिकाओं से संबंधित शिकायतों का संवेदनशीलता के साथ समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। आईजीआरएस पोर्टल की रैंकिंग तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों पर हुई कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। आगामी त्योहारों को देखते हुए सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की तैयारियों पर भी विशेष चर्चा हुई। संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, प्रभावी गश्त, यातायात व्यवस्था और आयोजकों के साथ समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बैठक के अंत में अधिकारियों से कहा गया कि अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था और जनशिकायतों के निस्तारण से जुड़ी प्रत्येक कार्रवाई को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए। आगामी त्योहारों के दौरान आपसी समन्वय और सतर्कता के साथ प्रभावी पुलिसिंग करते हुए जनपद में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता हो।

ऑल इंडिया ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश मंत्री बने राकेश वर्मा

जेवर (शिखर समाचार)। ऑल इंडिया ज्वेलर्स एसोसिएशन की बैठक गुरुवार को नोएडा में विकास वर्मा के आवास पर आयोजित की गई। बैठक के दौरान जेवर निवासी राकेश वर्मा को ऑल इंडिया ज्वेलर्स एसोसिएशन का प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया। नई जिम्मेदारी मिलने पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने राकेश वर्मा का फूल-मालाओं से स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी। नवनियुक्त प्रदेश मंत्री राकेश वर्मा ने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के साथ ज्वेलर्स समाज की समस्याओं और हितों को प्रमुखता से उठाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने एसोसिएशन के पदाधिकारियों का आभार जताते हुए कहा कि सभी के सहयोग से संगठन को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

बैठक में संगठन की गतिविधियों को विस्तार देने और ज्वेलर्स समाज से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि राकेश वर्मा अपने अनुभव और

सक्रियता के माध्यम से संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे तथा प्रदेश स्तर पर ज्वेलर्स की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाएंगे। इस अवसर पर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल वर्मा, योगेश वर्मा, अमित वर्मा, विकास वर्मा, अजय वर्मा, दीपक गर्ग, मनीष गोयल, टीटू गर्ग, विवेक वर्मा, महेश, रमेश, अमित सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

कांवड़ियों के प्रदर्शन से एक्सप्रेसवे पर 10 किमी जाम, सात घंटे थमे रहे वाहन

लखनऊ, एजेंसी। बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक के लिए कानपुर के परियर गंगाघाट से कांवड़ यात्रा बुधवार को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के जीरो प्वाइंट, बुद्धेश्वर-मोहान रोड पर पहुंची। बैदेही सेना के नेतृत्व में करीब 3,500 कांवड़ियों ने शिवलिंग पर लगे चांदी के आवरण को हटाकर सीधे जलाभिषेक की अनुमति मांगी। मांग पूरी न होने पर कांवड़ियों ने सड़क जाम कर दी।

इस प्रदर्शन से मोहान रोड और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर करीब सात घंटे यातायात प्रभावित रहा। आगरा से लखनऊ आने वाले वाहनों की लगभग 10 किलोमीटर लंबी कतार लग गई। एंबुलेंस और स्कूली वाहन भी जाम में फंसे रहे। कांवड़ियों का कहना था कि वे पिछले 17 वर्षों से परियर गंगाघाट से गंगाजल लेकर बुद्धेश्वर महादेव मंदिर पहुंच रहे हैं। उनकी मांग है कि जलाभिषेक के दौरान शिवलिंग पर लगा चांदी का आवरण हटाया जाए। इससे वे प्रत्यक्ष दर्शन कर गंगाजल चढ़ा सकें। मांग पूरी न होने पर कांवड़ियों ने सड़क पर ही जलाभिषेक करने की चेतावनी दी। प्रदर्शन के दौरान बांस-बल्लियां लगाकर रास्ता बंद किया गया। हालांकि जरूरी वाहनों को कांवड़ियों ने रास्ता देकर निकाला।

डीसीपी पश्चिमी कमलेश दीक्षित ने कांवड़ियों को समझाने का काफी प्रयास किया लेकिन वे मानने को तैयार नहीं हुए और हंगामा शुरू कर

दिया। इस दौरान डीसीपी और कांवड़ियों के बीच नोकझोंक भी हुई। इससे नाराज कांवड़ियों ने एक्सप्रेसवे के जीरो प्वाइंट स्थित डिवाइडर पर ही जलाभिषेक कर विरोध जताया। इसके बाद लौट गए। बुद्धेश्वर विकास महासभा के संरक्षक रामशंकर राजपूत, पूर्व पार्षद तारा चंद्र रावत, अध्यक्ष राजेश शुक्ला और मंदिर के पुजारी रामू पुरी ने बताया कि बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में शिवलिंग पर नारियल चढ़ाने की पुरानी परंपरा रही है। इस कारण शिवलिंग कई बार क्षतिग्रस्त हुआ। इसकी सुरक्षा के लिए चांदी का कवर लगाया गया। भावनाओं का सम्मान जरूरी है पर शिवलिंग की सुरक्षा को भी प्राथमिकता देना आवश्यक है। कवर हटाने और नारियल चढ़ाने से शिवलिंग को फिर नुकसान हो सकता है। महासभा ने श्रद्धालुओं से अपील की कि मंदिर की परंपरा का ध्यान रखें। आस्था भी सुरक्षित रहे और आराध्य का स्वरूप भी।

मामले की गंभीरता देखते हुए कई थानों की फोर्स बुलानी पड़ी। एसीपी काकोरी शकील अहमद, एडीसीपी धनंजय कुशवाहा, डीसीपी कमलेश दीक्षित और एडीएम पूर्वी महेंद्र पाल सिंह समेत अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने कई दौर की बातचीत कर प्रदर्शन खत्म कराने का प्रयास किया। करीब सात घंटे बाद कांवड़ियों ने आंदोलन समाप्त किया। बैदेही सेना के अध्यक्ष अनमोल द्विवेदी और महामंत्री अभिषेक मिश्रा समेत कई कांवड़ियों ने जीरो प्वाइंट के डिवाइडर पर जलाभिषेक किया।

बचपन की मुस्कान से नशामुक्त हिंदुस्तान का संदेश, शामली में अभियान शुरू

शामली (शिखर समाचार)। श्री एसएस जैन सभा शामली एवं किरण सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में 'बचपन की मुस्कान-दृढ़ नशामुक्त हिंदुस्तान' अभियान का शुभारंभ किया गया। हिंदू कन्या इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह और जैन मुनि नरेश चंद्र महाराज ने अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। जैन मुनि नरेश चंद्र महाराज ने बच्चों और युवाओं को नशे से दूर रहने की प्रेरणा देते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं करता, बल्कि पूरे परिवार और समाज पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। उन्होंने युवाओं से स्वस्थ, संस्कारवान और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति को सही दिशा देकर ही समाज को नशे की समस्या से बचाया जा सकता है।

इसके बाद पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने जैन संत निपुण मुनि महाराज की पावन उपस्थिति में नशामुक्ति जागरूकता अभियान का विधिवत आगाज किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने नशे से स्वयं दूर रहने और दूसरों को भी नशे से बचाने के साथ समाज को नशामुक्त बनाने में योगदान देने का संकल्प लिया।

आयोजकों ने बताया कि अभियान के अंतर्गत बच्चों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा। स्कूल और महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर अध्यक्ष नानक जैन, अभिषेक जैन, नितिन जैन, राजीव जैन, रितु जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पत्रकार पर जानलेवा हमला, चाकू से कई वार कर मोबाइल लूटा

शामली (शिखर समाचार)। थाना आदर्शमंडी क्षेत्र के गांव बधेव निवासी पत्रकार पर बुधवार देर रात बाइक सवार बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने चाकू से कई वार कर पत्रकार को घायल कर दिया और उसका मोबाइल लूटकर मौके से फरार हो गए। घायल पत्रकार को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। बताया गया कि गांव बधेव निवासी विपिन उर्फ निखिल शामली में एक दैनिक समाचार पत्र में पत्रकार हैं। बुधवार देर रात वह समाचार संकलन के बाद बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान शिव मंदिर के पास बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि बदमाशों ने अचानक उन पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में उनके हाथ पर कई

वार लगे, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद बदमाश पत्रकार का मोबाइल अपने साथ लेकर फरार हो गए। घायल अवस्था में पत्रकार को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंचे। पत्रकार के भाई ने थाना आदर्शमंडी पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार हमले की वजह और घटना में शामिल आरोपियों की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्र में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस बदमाशों की तलाश में संभावित स्थानों पर दबिश देने के साथ घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

गौरव त्यागी हत्याकांड में लापरवाही पर दो दरोगा समेत चार पुलिसकर्मी लाइनहाजिर

हापुड़ (शिखर समाचार)। गौरव त्यागी हत्याकांड में पुलिस स्तर पर लापरवाही बरतने के मामले में डीआईजी कलानिधि नैथानी के निर्देश पर चार पुलिसकर्मियों को लाइनहाजिर कर दिया गया है। इनमें दो दरोगा, एक हेड कांस्टेबल और एक कांस्टेबल शामिल हैं। मामले में विभागीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं। उधर फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर राष्ट्रीय सैनिक संस्था के कार्यकताओं ने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, उनके घरों पर बुलडोजर चलाने, मुठभेड़ में कार्रवाई तथा पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और सुरक्षा देने की मांग की।

बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर आजमपुर निवासी गौरव त्यागी की पुरानी जमीन संबंधी रंजिश के चलते हत्या कर दी गई थी। मामले में सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि पांच आरोपी अभी फरार बताए जा रहे हैं। फरार आरोपियों पर पुलिस ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। हत्याकांड को गंभीरता से लेते हुए डीआईजी कलानिधि नैथानी ने बाबूगढ़ थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी, बीट पुलिसकर्मी और स्थानीय अभिसूचना इकाई के कर्मी की भूमिका की विभागीय जांच के निर्देश दिए थे। जांच अधिकारी एएसपी विनीत भटनागर की कार्रवाई के बाद कुचेसर चौपला चौकी प्रभारी ओमकार गंगवार, पूर्व चौकी प्रभारी नीरज कुमार, हेड कांस्टेबल शाहिद और कांस्टेबल इकराम को लाइनहाजिर कर दिया गया।

इधर राष्ट्रीय सैनिक संस्था के प्रदेश प्रवक्ता ज्ञानेंद्र त्यागी के नेतृत्व में गुरुवार को शहीद स्तंभ पर कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया। बाद में एसडीएम सदर प्रेमपाल सिंह और सीओ अनीता चौहान को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। संस्था ने फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये की सहायता और सुरक्षा देने की मांग की।

कर्ज चुकाने के बाद भी बिजेंद्र जैन के खिलाफ चल रही 22 साल पुरानी आपराधिक कार्यवाही हाईकोर्ट ने की समाप्त

प्रयागराज (शिखर समाचार) इलाहाबाद हाईकोर्ट में अधिवक्ता अपूर्व हजेला की प्रभावी दलीलों, मजबूत पैरवी और विधिक कार्रवाई के चलते बैंक ऋण से जुड़े करीब 22 वर्ष पुराने आपराधिक मामले में बिजेंद्र जैन को बड़ी राहत मिली है। न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की पीठ ने दिए आदेश में बिजेंद्र जैन के खिलाफ चल रही पूरी आपराधिक कार्यवाही को निरस्त कर दिया। न्यायालय ने माना कि संबंधित ऋण की पूरी राशि पहले ही अदा की जा चुकी है और ऐसी स्थिति में आपराधिक कार्यवाही जारी रखने का कोई उपयोगी उद्देश्य नहीं रह गया है। मामला अपराध संख्या 23/2004 से संबंधित था, जो गाजियाबाद के कोतवाली थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 409, 420, 467, 468, 471 और 120-बी के तहत

दर्ज किया गया था। आरोप था कि बैंक अधिकारियों के साथ कथित मिलीभगत कर जाली दस्तावेजों के माध्यम से खाते खोले गए और ऋण दिलाया गया, जिसकी अदायगी नहीं होने से बैंक को आर्थिक नुकसान हुआ। अधिवक्ता अपूर्व हजेला ने न्यायालय के समक्ष प्रभावी ढंग से पक्ष रखते हुए बताया कि बैंक ने स्वयं मामले की जांच के लिए समिति गठित की थी। समिति ने 23 अगस्त 2010 को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। इसके बाद बैंक की प्रशासनिक समिति ने मामले के समझौते के संबंध में प्रस्ताव पारित किया और मई 2011 में बैंक की ओर से न्यायालय में समझौते के लिए आवेदन भी प्रस्तुत किया गया था। पैरवी के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि संबंधित फर्म का पूरा ऋण 18 मई 2015 को चुका दिया गया था। बैंक की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने भी इस तथ्य को स्वीकार किया। न्यायालय ने इन परिस्थितियों को महत्वपूर्ण मानते हुए कहा कि ऋण की पूरी राशि अदा हो चुकी है और दोषसिद्धि की संभावना अत्यंत कम है। इसके आधार पर हाईकोर्ट ने बिजेंद्र जैन के संबंध में अपराध संख्या 23/2004 से उत्पन्न पूरी आपराधिक कार्यवाही समाप्त कर दी तथा आदेश की प्रति संबंधित न्यायालय को आवश्यक अनुपालन के लिए भेजने का निर्देश दिया।

जापान के साथ प्रतिभा और प्रौद्योगिकी का गठजोड़, गलगोटियास विश्वविद्यालय में यामानाशी के 200 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। भारत-जापान के बीच शिक्षा, अनुसंधान और कुशल कार्यबल के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने की दिशा में गलगोटियास विश्वविद्यालय में गुरुवार को महत्वपूर्ण पहल हुई। यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोटारो नागासाकी के नेतृत्व में पहुंचे 200 सदस्यीय जापानी प्रतिनिधिमंडल का विश्वविद्यालय परिसर में स्वागत किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों के लिए वैश्विक रोजगार अवसर बढ़ाने और हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान को गति देने के लिए दो महत्वपूर्ण समझौते किए गए। यामानाशी प्रीफेक्चर सरकार के साथ समझौता ज्ञापन और यामानाशी विश्वविद्यालय के साथ आशय पत्र पर सहमति बनी। इनके माध्यम से प्रतिभा आदान-प्रदान, कौशल विकास, विद्यार्थी विनिमय, संकाय सहयोग और स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान के क्षेत्र में दीर्घकालिक साझेदारी का मार्ग प्रशस्त हुआ। जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन की प्रस्तुति में उद्योग और प्रतिभा साझेदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान जापानी प्रतिनिधियों के एक समूह ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों के साथ हरित हाइड्रोजन, स्वच्छ ऊर्जा और कम कार्बन परिवहन के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान, तकनीकी विकास तथा विद्यार्थी-शोधकर्ता विनिमय की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान गवर्नर कोटारो नागासाकी

ने विश्वविद्यालय की सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि यदि ऐसा अवसर 30 वर्ष पहले मिलता तो वह गलगोटियास विश्वविद्यालय में जरूर प्रवेश लेते। प्रतिनिधिमंडल के दूसरे समूह ने डिजिटल नर्सिंग कौशल एवं अनुकरण केंद्र का दौरा किया और स्वास्थ्य विज्ञान तथा कार्यबल विकास के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। जापानी प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों से संवाद कर परिसर के वातावरण, संस्कृति और उनके करियर लक्ष्यों के बारे में भी जानकारी ली। प्रतिनिधिमंडल ने आईओएस विकास केंद्र, एलएंडटी उत्कृष्टता केंद्र तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन तकनीक और अर्धचालक तकनीक से जुड़ी प्रयोगशालाओं का भी दौरा किया। गलगोटियास विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. ध्रुव गलगोटिया ने कहा कि समझौतों से विद्यार्थियों के लिए वैश्विक करियर के नए अवसर खुलेंगे और शोधकताओं को स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी चुनौतियों पर जापान के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा। कुलाधिपति सुनील गलगोटिया ने कहा कि भारत-जापान संबंध ज्ञान, अनुशासन और पारस्परिक सम्मान के साझा मूल्यों पर आधारित हैं। कार्यक्रम में यामानाशी के उप-गवर्नर जुनिची इशिदेरा, यामानाशी सरकार के सलाहकार नीरेंद्र उपाध्याय, उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह और जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी व प्रतिनिधि मौजूद रहे।

छात्र की मौत पर भड़का आक्रोश, शव पहुंचते ही हाईवे पर लगाया जाम

हादसे में 18 वर्षीय छात्र की मौत से गुस्साए परिजन दो घंटे तक सड़क पर बैठे, पुलिस से हुई नोकझोंक

शामली (शिखर समाचार)। सड़क हादसे में 18 वर्षीय छात्र की मौत के बाद गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचते ही परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। गमजदा परिजनों ने सहारनपुर-करनाल हाईवे पर जाम लगा दिया। सूचना पर थाना आदर्शमंडी, शहर कोतवाली और पीएसी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जाम खुलवाया तो परिजन बधेव-मालैंडी मार्ग पर बैठ गए। इस दौरान पुलिसकर्मियों और परिजनों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।

गांव बधेव निवासी 18 वर्षीय रोहन पुत्र संजू शामली के आरके इंटर कॉलेज में कक्षा 12 का छात्र था। बुधवार देर शाम वह अपने दोस्त को छोड़कर बाइक से गांव लौट रहा था। इसी दौरान बधेव-मालैंडी मार्ग पर एक कार अनियंत्रित होकर उसकी बाइक से टकरा गई। हादसे में रोहन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने देर रात सांकेतिक जाम लगाया था। पुलिस द्वारा आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर जेल भेजने का आश्वासन दिए जाने के बाद जाम खोल दिया गया था। गुरुवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद रोहन का शव गांव पहुंचा तो परिजनों का आक्रोश फिर भड़क उठा। उन्होंने शव को एंबुलेंस से उतारकर हाईवे पर रखने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने ऐसा नहीं होने दिया। इसके बाद परिजन और ग्रामीण बधेव-मालैंडी मार्ग पर बैठ गए और करीब दो घंटे तक हंगामा चलता रहा। सूचना पर एसडीएम सदर सचिन राजपूत और सीओ सिटी जितेंद्र कुमार पुलिस तथा पीएसी बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। परिजनों ने प्रदेश सरकार से आर्थिक सहायता, आरोपी चालक के खिलाफ कठोर कार्रवाई तथा दिव्यांग परिजनों के लिए पक्का मकान बनवाने की मांग रखी। अधिकारियों के उचित कार्रवाई के आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू की गई। एहतियात के तौर पर देर शाम तक गांव में पुलिस बल तैनात रहा।

मधुबन-बापूधाम योजना में 350 आवासीय भूखण्डों की ई-लॉटरी सम्पन्न

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की मधुबन-बापूधाम आवासीय योजना के अंतर्गत आमजन को आवासीय भूखण्ड उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 350 भूखण्डों की दो दिवसीय ई-लॉटरी प्रक्रिया सफलतापूर्वक सम्पन्न कराई गई। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल की देखरेख में आयोजित ई-लॉटरी प्रक्रिया के बाद सफल आवेदकों के चेहरों पर अपने घर का सपना पूरा होने की खुशी दिखाई दी। योजना के तहत 40 वर्गमीटर से लेकर 200 वर्गमीटर तक के विभिन्न आकार के भूखण्डों का आवंटन किया गया। योजना के अंतर्गत 19 अगस्त को टाइप-ए, बी, सी एवं डी श्रेणी के 109 आवासीय भूखण्डों की ई-लॉटरी कराई गई थी। इसके बाद 20 अगस्त को टाइप-ई, एफ, जी एवं एच श्रेणी के 241 भूखण्डों की ई-लॉटरी सम्पन्न हुई। इस प्रकार दो दिवसीय प्रक्रिया में कुल 350 आवासीय भूखण्डों का आवंटन किया गया। पूरी प्रक्रिया निर्धारित नियमों और तकनीकी व्यवस्था के अनुरूप पारदर्शी तरीके से कराई गई, जिससे आवेदकों को समान अवसर मिल सके। मधुबन-बापूधाम आवासीय योजना गाजियाबाद के सुनियोजित विकास की महत्वपूर्ण योजनाओं में शामिल है। योजना के माध्यम से विभिन्न वर्गों के लोगों को आवासीय भूखण्ड उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। ई-लॉटरी में सफल हुए आवेदकों के लिए भूखण्ड का आवंटन अपने आशियाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लंबे समय से अपने घर के सपने को साकार करने की प्रतीक्षा कर रहे परिवारों को इस प्रक्रिया से नई उम्मीद मिली है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से ई-लॉटरी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया गया। सफल आवेदकों ने भूखण्ड आवंटित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार आवासीय योजनाओं के माध्यम से आमजन को बेहतर और सुनियोजित आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास आगे भी जारी रहेंगे।

गन्ने के 30 वर्षों के ब्याज का विवरण नहीं मिलने पर किसानों ने जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय पर शुरू किया धरना

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के आह्वान पर हापुड़ जिले के गन्ना किसान 20 अगस्त को 30 वर्षों के ब्याज का पूरा विवरण लेने के लिए जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय पहुंचे। किसानों का कहना है कि उन्होंने वर्ष 1996-97 से वर्ष 2025-26 तक के ब्याज का विवरण उपलब्ध कराने की मांग की थी और इसके लिए निर्धारित प्रपत्र भरकर कार्यालय में जमा भी किए, लेकिन जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय में मौजूद नहीं मिले। किसानों को कार्यालय से उनकी मांग से संबंधित कोई विवरण भी उपलब्ध नहीं कराया गया। इससे नाराज किसानों ने कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार वीएम सिंह के आह्वान पर पहुंचे किसानों ने कहा कि आंदोलन के संबंध में अधिकारियों को पहले ही 20 अगस्त से अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किए जाने की जानकारी दी गई थी। इसके बावजूद अधिकारी कार्यालय में मौजूद नहीं मिले। किसानों ने आरोप लगाया कि उन्हें वर्षों से संबंधित ब्याज का पूरा विवरण नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनमें रोष है। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के पश्चिमी उत्तर प्रदेश महासचिव वीरपाल सिंह ने कहा कि किसान अपना पूरा विवरण लिए बिना आंदोलन समाप्त नहीं करेंगे। मंडल उपाध्यक्ष वीरेश चौधरी और जिलाध्यक्ष अशोक डींगरा सहित अन्य किसान नेताओं ने भी किसानों की मांग पूरी होने तक धरना जारी रखने की बात कही। धरने में मनीष सिंह, रविंद्र सिंह, बलराज सिंह, गजेंद्र सिंह, राजकुमार, मुनेश गिल, अमित कुमार, गौरव, सुरेंद्र सिंह, दुष्यंत त्यागी, मनोज कुमार, जगबीर सिंह, हंसवीर सिंह, यशपाल चौधरी, बॉबी चौधरी, अजीत सिंह और जगमेल सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। किसानों ने स्पष्ट किया कि वर्ष 1996-97 से 2025-26 तक का पूरा विवरण मिलने तक जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय पर उनका अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा।

राजीव गांधी की 82वीं जयंती पर कांग्रेसियों ने किया नमन

शामली (शिखर समाचार)। शहर के एसटी चौराहा स्थित एकता पार्क में गुरुवार को कांग्रेस कार्यकताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न राजीव गांधी की 82वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई। कांग्रेसियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के शिल्पकार और सूचना क्रांति के जनक थे। उन्होंने देश को तकनीकी रूप से आगे बढ़ाने के साथ युवाओं को राजनीति और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का अवसर प्रदान किया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी का सरल, करुणाशील और विनम्र व्यक्तित्व हमेशा युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। कांग्रेस कार्यकताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने आधुनिक तकनीक, संचार और दूरसंचार व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण पहल की थी। उनके प्रयासों से देश में सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार के क्षेत्र में नई संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त हुआ। कार्यकताओं ने कहा कि देश के आधुनिकीकरण और तकनीकी विकास में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व नगर अध्यक्ष वैभव गर्ग, प्रवीन तरार, ओमबीर उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

भोजपुर टोल प्लाजा के पास स्क्रैप से भरा ट्रक पलटा, साइकिल सवार की मौत

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर भोजपुर टोल प्लाजा के पास बृहस्पतिवार सुबह लोहे के स्क्रैप से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में सड़क किनारे डिवाइडर पर बैठे साइकिल सवार व्यक्ति की स्क्रैप के नीचे दबने से मौत हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हाईवे पेट्रोलिंग टीम और भोजपुर पुलिस ने घायल को उपचार के लिए मेरठ के अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।जानकारी के अनुसार ट्रक दिल्ली से मेरठ की ओर जा रहा था। जैसे ही वह भोजपुर टोल प्लाजा के पास पहुंचा, तभी चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और ट्रक डिवाइडर से टकराकर सर्विस रोड पर पलट गया। ट्रक में भरा लोहे का स्क्रैप सड़क और आसपास के क्षेत्र में बिखर गया। इसी दौरान डिवाइडर पर बैठे साइकिल सवार व्यक्ति पर स्क्रैप गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही हाईवे पेट्रोलिंग टीम और भोजपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों की मदद से घायल को बाहर निकाला और मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान हुई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय मोहर्रम अली पुत्र आसिफ अली निवासी बैनगंज, हरदोई के रूप में हुई है। बताया गया कि वह मेरठ और गाजियाबाद में अलग-अलग स्थानों पर मजदूरी करता था। दुर्घटना के बाद पुलिस ने ट्रक को हटवाने के साथ सड़क पर बिखरे स्क्रैप को भी हटवाया। इसके बाद यातायात व्यवस्था सामान्य हो सकी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवती को अश्लील संदेश और वीडियो भेजने के मामले में नामजद प्राथमिकी दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के ठाकुरान मोहल्ले में एक युवती के मोबाइल फोन पर कथित रूप से अश्लील संदेश, फोटो और वीडियो भेजने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने नामजद प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी की पहचान और उसके द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे मोबाइल नंबर व इंटरनेट माध्यमों की जांच कर रही है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाली युवती के मोबाइल फोन पर लगातार आपत्तिजनक संदेश, फोटो और वीडियो भेजे जा रहे थे। पीड़िता के अनुसार, फोन आने पर बात करने वाले व्यक्ति ने अपना नाम अरमान और खुद को दिल्ली का निवासी बताया। आरोप है कि उसने फोन पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए अश्लील बातें कीं। युवती ने इसका विरोध करते हुए उसे ऐसा करने से मना किया और पुलिस से शिकायत करने की बात कही। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने उसे धमकाते हुए कहा कि उसका मोबाइल फोन हैक कर लिया गया है और वह उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। इसके अलावा मोबाइल में मौजूद संपर्क नंबरों पर भी कथित रूप से आपत्तिजनक संदेश और वीडियो भेजे गए। आरोप है कि आरोपी ने अलग नाम से इंस्टाग्राम खाता भी बना रखा है, जिसके माध्यम से भी युवती को आपत्तिजनक सामग्री भेजी जा रही है।

शिक्षिका हेमा शर्मा की बेटी डॉल्सी बनीं जोमैटो के विज्ञापन का चेहरा, तीन साल के बेटे ने विराट कोहली संग किया था विज्ञापन

हापुड़ (शिखर समाचार)। धौलाना ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय में शिक्षिका हेमा शर्मा के परिवार में प्रतिभा की कमी नहीं है। उनकी छोटी बेटी डॉल्सी ने अब खाद्य वितरण कंपनी जोमैटो के विज्ञापन में अभिनय कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। डॉल्सी के मासूम अंदाज और सहज अभिनय को सोशल मीडिया पर पसंद किया जा रहा है। वहीं इससे पहले हेमा शर्मा के तीन वर्षीय बेटे ने भी भारतीय क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली समेत कई खिलाड़ियों के साथ विज्ञापन में काम कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। गाजियाबाद निवासी हेमा शर्मा पेशे से शिक्षिका हैं और धौलाना ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय में कार्यरत हैं। उनकी बेटी डॉल्सी ने हाल ही में जोमैटो के एक विज्ञापन में काम किया है। विज्ञापन में डॉल्सी की सहज अदाकारी और मासूमियत लोगों को आकर्षित कर रही है। बेटी के इस उपलब्धि हासिल करने पर परिवार और रिश्तेदारों में खुशी का माहौल है। डॉल्सी से पहले हेमा शर्मा के तीन वर्षीय बेटे ने भी टेलीविजन और डिजिटल मंच पर अपनी पहचान बनाई थी। उसने विराट कोहली सहित अन्य प्रमुख क्रिकेट खिलाड़ियों के साथ एक बड़े ब्रांड के विज्ञापन में अभिनय किया था। कम उम्र में ही भाई-बहन के विज्ञापन जगत में कदम रखने से परिवार में उत्साह है और दोनों की प्रतिभा की सराहना की जा रही है। हेमा शर्मा का कहना है कि बच्चों में प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने के लिए परिवार हरसंभव सहयोग कर रहा है। पढ़ाई के साथ बच्चों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार अवसर मिलें, यही उनकी प्राथमिकता है। परिवार का मानना है कि बच्चों को सही मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिले तो कम उम्र में भी वे अपनी प्रतिभा से अलग पहचान बना सकते हैं।

जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर किसानों के दल को हरियाणा के लिए रवाना किया

हापुड़ (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत कृषि विभाग की ओर से किसानों के लिए आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण एवं कृषक भ्रमण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जिलाधिकारी कविता मीना ने गुरुवार को किसानों के दल को हरी झंडी दिखाकर हरियाणा के लिए रवाना किया। प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम 20 से 24 अगस्त तक चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित किया जाएगा।

प्रशिक्षण के दौरान हापुड़ के किसानों को मोटे अनाजों की उन्नत खेती, उत्पादन तकनीक और प्रसंस्करण के आधुनिक तरीकों की जानकारी दी जाएगी। किसानों को कंगनी, कोदो, रागी अथवा मंडुआ, बाजरा, ज्वार और सांवा सहित विभिन्न मोटे अनाजों की खेती से संबंधित तकनीकी जानकारी विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही किसानों को उत्पादन बढ़ाने, लागत कम करने और कृषि उपज के बेहतर प्रसंस्करण के तरीकों से भी अवगत कराया जाएगा।

इस अवसर पर जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि मोटे अनाज स्वास्थ्य और पोषण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनकी खेती को बढ़ावा देने से किसानों की आय में वृद्धि के साथ पोषण सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने किसानों से प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों से अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करने और नई कृषि तकनीकों को अपने खेतों में अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को दूसरे राज्यों में अपनाई जा रही उन्नत कृषि तकनीकों को नजदीक से समझने का अवसर मिलेगा, जिससे वे अपने क्षेत्र में उनका उपयोग कर सकेंगे।

इस दौरान उपनिदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी सहित कृषि विभाग के संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मिग्सन अल्टिमो सोसाइटी में पानी की जांच, टीडीएस मानक के अनुरूप मिला

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) सेक्टर ओमिक्रॉन-3 स्थित मिग्सन अल्टिमो सोसाइटी में दूषित पानी की शिकायत के बाद ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पानी की जांच की। प्राथमिक जांच में प्राधिकरण के नलकूप से लिए गए पानी के नमूने में कुल घुलित ठोस पदार्थ (टीडीएस) की मात्रा 200 मिलीग्राम प्रति लीटर पाई गई, जो निर्धारित अधिकतम 500 मिलीग्राम प्रति लीटर के मानक से काफी कम है। इसके आधार पर प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे पानी को प्राथमिक जांच में मानक के अनुरूप बताया गया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर जांच के लिए पहुंची टीम में जल विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम सिंह, प्रबंधक स्वतंत्र वर्मा और सहायक प्रबंधक गौरव

बघेल शामिल रहे। टीम ने सोसाइटी के पास स्थित प्राधिकरण के नलकूप से पानी का नमूना लिया। इसके अतिरिक्त सोसाइटी से भी पानी के नमूने लिए गए हैं, जिन्हें विस्तृत जांच के लिए श्रीराम टेस्ट लैब भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

जांच के दौरान टीम ने आशंका जताई कि पानी की गुणवत्ता से संबंधित समस्या सोसाइटी के आंतरिक जलापूर्ति नेटवर्क में हो सकती है। जल विभाग की ओर से सोसाइटी प्रबंधन को नोटिस जारी कर पानी के टैंक की समुचित सफाई कराने तथा आंतरिक पाइपलाइन का परीक्षण कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्राधिकरण अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्राधिकरण के जल विभाग की ओर से सोसाइटी के पानी के टैंक तक जलापूर्ति की जाती है, जबकि सोसाइटी के अंदर जलापूर्ति व्यवस्था और नेटवर्क को दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी बिल्डर या सोसाइटी प्रबंधन की है।

प्राधिकरण की जांच के बाद फिलहाल नलकूप से उपलब्ध कराए जा रहे पानी में टीडीएस की मात्रा निर्धारित मानक के भीतर पाई गई है। वहीं, सोसाइटी से लिए गए नमूनों की प्रयोगशाला जांच के बाद पानी की गुणवत्ता को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

आर्य कन्या शिक्षा समिति के चुनाव निर्विरोध संपन्न, नरेंद्र आर्य प्रधान और आनंद आर्य महासचिव चुने गए

हापुड़ (शिखर समाचार)। आर्य कन्या शिक्षा समिति एवं समिति द्वारा संचालित आर्य कन्या पाठशाला डिग्री कॉलेज और आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज की नव निर्वाचित प्रबंध समिति 2026-2029 का गठन सर्वसम्मति से हो गया। सभी पदों पर निर्विरोध चुनाव होने से समिति से जुड़े लोगों में खुशी का माहौल है। चुनाव अधिकारी डॉ. आर.डी. शर्मा, पूर्व प्राचार्य एस.एस.वी. पीजी कॉलेज ने चुनाव प्रक्रिया पूरी होने की जानकारी दी। आर्य कन्या शिक्षा समिति के प्रधान पद पर नरेंद्र कुमार आर्य और महासचिव पद पर आनंद प्रकाश आर्य पुनः निर्विरोध निर्वाचित हुए। उपप्रधान पद पर पीयूष बंसल और संयुक्त महासचिव पद पर अंकित गर्ग को चुना गया। आर्य कन्या पाठशाला डिग्री कॉलेज के सचिव पद पर अनिल कुमार गुप्ता 'टीटू' पुनः निर्वाचित हुए, जबकि उपसचिव पद की जिम्मेदारी शशांक

आर्य को दी गई।

आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज के प्रबंधक पद पर अमित अग्रवाल, उपप्रबंधक पद पर दीनदयाल गुप्ता और कोषाध्यक्ष पद पर अरुण कुमार अग्रवाल निर्विरोध निर्वाचित हुए। समिति की कार्यकारिणी में योगेंद्र कुमार 'मुन्नू आलू वाले', सुरेश सिंघल, पवन आर्य, परीक्षित अग्रवाल, सुंदर लाल आर्य, राकेश गुप्ता, सुषमा आर्या और निधि आर्या को शामिल किया गया।

डिग्री कॉलेज की कार्यकारिणी में अशोक कुमार गुप्ता, त्रिलोक चंद गुप्ता, दिनेश कुमार अग्रवाल, चक्रवर्ती गर्ग, सतीश चंद्र मित्तल, इंदुभूषण मित्तल और रविंद्र अग्रवाल तथा इंटर कॉलेज की कार्यकारिणी में सुरेश चंद संपादक, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, राजीव कुमार अग्रवाल, अखिलेश गर्ग, बीना रानी आर्य और कोमल गुप्ता चुने गए। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने कहा कि नई कार्यकारिणी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करेगी।

गिन्नी देवी गर्ल्स पी0जी0 कॉलेज, मोदीनगर

विज्ञापन सं0 01/2026 **आवश्यकता है** विज्ञापन तिथिः 21.08.2026

गिन्नी देवी गर्ल्स पी0जी0 कॉलेज, मोदीनगर में निम्नलिखित स्थायी रिक्त पद के लिये आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं-

1. सहायक लेखाकर 01 पद (अनारक्षित)

वेतनमान 5200-20200, ग्रेड-पे रू 2800/- (Pre-revised) लेवल-5 (Revised) एवं अनुमन्य अन्य भत्ते। शैक्षणिक अर्हता- वाणिज्य में स्नातक उत्तीर्ण हो, 01 वर्ष की अवधि का 'ओ' लेवल कंप्यूटर कोर्स अथवा शासनादेश सं0- 8/2022/2/47-का-2-2022/02 एलसी/2022 कार्मिक अनुभाग-2 लखनऊ दिनांक 05 मई 2022 के द्वारा निर्धारित कंप्यूटर में कम से कम एक वर्ष की अवधि का पाठयक्रम उत्तीर्ण हो। तृतीय श्रेणी के पदों के आवेदकों की आयु उ0प्र0 शासन द्वारा निर्गत नियम व शासनादेशों/चौ0 चरण सिंह विश्विद्यालय मेरठ के प्रथम परिनियमावली के Ch-XXII-XXIV के अनुसार अनुमन्य होंगी। उक्त पद के लिए आवेदक का हस्तलिखित आवेदन सभी शैक्षणिक अभिलेखों की स्व-प्रमाणित छायाप्रतियो व रूपये 500/- का डिमांड ड्राफ्ट/पोस्टल आर्डर (प्राचार्या गिन्नी देवी गर्ल्स पी0जी0 कॉलेज मोदीनगर के नाम से) के साथ प्राचार्या गिन्नी देवी गर्ल्स पी0जी0 कॉलेज, मोदीनगर में दिनांक 19.09.2026 तक रजिस्टर्ड डाक से पहुचना चाहिए। दिनांक 19.09.2026 के उपरांत आने वाले आवेदन मान्य नहीं होंगे। उक्त पद के लिए साक्षात्कार गिन्नी देवी गर्ल्स पी0जी0 कॉलेज मोदीनगर की प्रबंध समिति के कार्यालय CMD मोदीनगर में दिनांक 20.09.2026 को प्रातः 10 बजे से प्रारम्भ होगा। साक्षात्कार की सूचना आवेदकों को पृथक से नहीं दी जाएगी।

(संदीप कुमार यादव)
सचिव, प्रबंध समिति
गिन्नी देवी गर्ल्स पी0जी0 कॉलेज मोदीनगर

संपादकीय

वंदे मातरम पर विवाद राष्ट्रभाव को राजनीति से ऊपर रखने का समय

वंदे मातरम को लेकर देश में छिड़ी ताजा राजनीतिक बहस ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि राष्ट्रीय प्रतीकों और राष्ट्रभाव को राजनीतिक संघर्ष का हिस्सा बनाया जाना चाहिए या उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। संसद के मानसून सत्र में वंदे मातरम् से संबंधित नए कानूनी प्रावधानों और सरकारी आयोजनों में इसके पूर्ण स्वरूप को लेकर व्यवस्था के बाद कांग्रेस कार्यसमिति ने 19 अगस्त को निर्णय लिया कि पार्टी अपने कार्यक्रमों में पहले की परंपरा के अनुसार केवल पहले दो छंद ही गाएगी। इसके बाद 20 अगस्त को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए उसके निर्णय को देश विरोधी और तुष्टीकरण की राजनीति से प्रेरित बताया। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी कांग्रेस के फैसले पर कठोर टिप्पणी की। इस घटनाक्रम ने स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत से जुड़े एक राष्ट्रगीत को फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है।

वंदे मातरम् महज एक गीत नहीं है। यह भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष की उस भावभूमि का हिस्सा है, जिसमें मातृभूमि के प्रति समर्पण और विदेशी शासन से मुक्ति की आकांक्षा एक साथ दिखाई देती है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की इस रचना ने राष्ट्रीय आंदोलन के दौर में करोड़ों भारतीयों के भीतर स्वाभिमान और संघर्ष की भावना जगाई। आज इसके रचनाकाल के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर जब देश इस विरासत को याद कर रहा है, तब इसके छंदों को लेकर राजनीतिक टकराव होना विडंबना भी है और अवसर भी। विडंबना इसलिए कि जिस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन में लोगों को एकजुट करने का काम किया, वही आज राजनीतिक विभाजन का विषय बन रहा है; अवसर इसलिए कि इसके इतिहास और महत्व पर गंभीर राष्ट्रीय संवाद शुरू किया जा सकता है।

कांग्रेस कार्यसमिति का तर्क है कि 1937 में पार्टी द्वारा लिए गए निर्णय के अनुरूप वह केवल शुरूआती दो छंदों का गायन जारी रखेगी। कांग्रेस का कहना है कि उस समय विभिन्न समुदायों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था स्वीकार की गई थी। दूसरी ओर भाजपा का तर्क है कि देश स्वतंत्र हो चुका है, परिस्थितियां बदल चुकी हैं और संसद द्वारा बनाए गए नए कानून तथा राष्ट्रीय प्रोटोकॉल को पुराने राजनीतिक निर्णय के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती। यही वह बिंदु है जहां वर्तमान विवाद केवल गायन की अवधि या छंदों की संख्या का मामला न रहकर कानून, इतिहास और राजनीतिक दृष्टिकोण के टकराव में बदल जाता है।

अमित शाह ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि उसने 1937 के निर्णय को फिर से स्वीकार करके उस ऐतिहासिक विवाद को जीवित किया है और यह तुष्टीकरण की राजनीति का संकेत है। उनका कहना है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान वंदे मातरम के उद्घोष के साथ अनेक लोगों ने बलिदान दिया था और इसलिए इसके स्वरूप को सीमित करना उन बलिदानों के साथ न्याय नहीं है। भाजपा ने इस मुद्दे को व्यापक जनभावना से जोड़ने के संकेत भी दिए हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस इसे अपनी ऐतिहासिक और समावेशी राजनीतिक परंपरा का हिस्सा बता रही है। इस प्रकार दोनों पक्ष अपने-अपने इतिहास के सहारे वर्तमान राजनीति को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन यहां मूल प्रश्न यह है कि क्या राष्ट्रभक्ति की कोई एक राजनीतिक व्याख्या हो सकती है? क्या किसी राष्ट्रीय गीत के पूरे छंद गाना ही देशभक्ति का एकमात्र प्रमाण है?

~ मौलिक चिंतन ~

कर्म ही वह सेतु है जो मनुष्य को उसके फल से जोड़ता है।

~~~~~~~~~

©
विनय संकोची

सुधारगृह नहीं अपराधियों के अभयारण्य में तब्दील होते कारागार

मनोज कुमार अग्रवाल

भारतीय जेल अब सुधारगृह से अधिक अपराधियों के स्वछंद अभ्यारण्य में तब्दील हो रहीं हैं देश की विभिन्न जेलों में भ्रष्टाचार, अवैध वसूली और नियमों के उल्लंघन के कई गंभीर मामले लगातार सामने आते रहे हैं, जो जेल प्रशासन की सुरक्षा और ईमानदारी पर बड़े सवाल खड़े करते हैं। इन मामलों में रसूखदार कैदियों को वीआईपी सुविधाएं देने से लेकर मोबाइल फोन और प्रतिबंधित सामग्री पहुंचाने तक के रैकेट शामिल हैं। जेलों में फैले भ्रष्टाचार के मामले देश भर में फैली अव्यवस्था को उजागर करता है वही अपराध नियंत्रण में भी अड़चन पैदा करता है यदि अपराधी को जेल में भी घर जैसा आरामदायक माहौल मिलेगा तो उसके लिए जेल ही सुरक्षित आवास बन जाएगा।

आपको याद दिला दें जेल में भ्रष्टाचार का सुकेश चंद्रशेखर मामला तिहाड़ जेल, दिल्ली से जुड़ा हुआ है जेल इतिहास का सबसे बड़ा रिश्वत कांड, जहां महाठग सुकेश ने जेल के भीतर से करोड़ों रुपये की ठगी की और बदले में करीब 80 से अधिक जेलकर्मियों को करोड़ों रुपये की रिश्वत दी।

तिहाड़ जेल जबरन वसूली रैकेटः हाल ही में सीबीआई ने तिहाड़ जेल के निलंबित अधिकारियों औरि कैदियों पर मामला दर्ज किया, जो कैदियों के परिवारों से ऑनलाइन यूपीआई और पेटीएम के जरिए लाखों की अवैध वसूली कर रहे थे। वहीं बेउर जेल कांड पटना, बिहार ने भी जेलों में व्याप्त भ्रष्टाचार का खुलासा कर दिया। पटना की बेउर जेल में संगठित भ्रष्टाचार और नियमों की धज्जियां उड़ाने की खबर सामने आने के बाद सरकार ने जेल अधीक्षक समेत 7 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया।

मेरठ जेल और महाराष्ट्र की जेलों से जुड़े मामले भी बेहद शर्मनाक स्थिति को बयान करते हैं। उत्तर प्रदेश की मेरठ जेल और महाराष्ट्र की ठाणे व तलोजा जेलों में कैदियों द्वारा अवैध रूप से मोबाइल फोन इस्तेमाल करने और परिजनों से मुलाकात के बदले पैसे ऐंठने के कई स्टिंग ऑपरेशन और वीडियो साक्ष्य सामने आ चुके हैं। हमारी जेलों में एक ऐसा दुष्चक्र चल रहा है जैसे कि ये जेलें न होकर गैस्ट हाऊस बन गई हों। जहां इनके स्टाफ को मुंह मांगी रकम देकर कोई भी सुविधा हासिल की जा सकती है। इसमें टी.वी., मोबाइल फोन या नशा और डाक्टरी जांच के बहाने सैर-सपाटा आदि सब कुछ शामिल है, जिसकी पिछले कुछ समय में आइ सुर्खियों पर नजर डालिए

26 मई,2025जयपुर (राजस्थान) की सेंट्रल जेल में सजा काट रहे 5 कैदियों ने एस. एम.एस. अस्पताल में मैडीकल चैकअप के लिए मंजूरी ली थी, परंतु जेल कर्मचारियों की मिली भगत से इनमें से 4 कैदी डाक्टर के पास जाने की बजाय एक होटल में अपनी-अपनी पत्नियों या प्रेमिकाओं के साथ कुछ खाते-पीते और घूमते-फिरते मिले।यह सैर-सपाटा 25,000 रुपयों में तय किया गया था तथा कैदियों के साथ गए कांस्टेबलों को 5000-5000 रुपए देने का वादा किया गया था।9 नवम्बर, 2025 को बेंगलुरु (कर्नाटक) की जेल से वायरल हुए एक वीडियो में 20 महिलाओं से रेप व 18 हत्याओं के मामलों में दोषी ठहराए गए उमेश रैड्डी को जेल के अंदर 2 एंड्रॉयड व 1 की-पैड मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हुए देखा गया। उसकी बैरक में टी.वी. भी लगा हुआ था। 29 नवम्बर, 2025 को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) की गोसाईं गंज जेल से एक कैदी ऋषभ राय का मैडीकल करवाने निकले 4 पुलिस कर्मचारी उसे डाक्टर के पास लेकर जाने की बजाय शॉपिंग मॉल में घुमाने ले गए। इसकी सूचना उसके मित्रों और परिजनों को भी दी गई थी जो उससे मिलने उक्त शॉपिंग मॉल में पहुंच गए। ऋषभ उनके साथ घूमा-फिरा और खरीदारी भी की। इस सिलसिले में डिप्टी सुपरिंटैंडैंट राम सेवक के अलावा अनुज धामा, नितिन राणा तथा रामचंद्र प्रजापति को निलम्बित कर दिया गया।

16 मार्च, 2026 को करोड़ों रुपयों के सतारा ड्रग्स स्कैंडल के मामले में सोलापुर (महाराष्ट्र) जेल में बंद आरोपी फैजान शेख को मोबाइल फोन देने के आरोप में जेल के कांस्टेबल बालू चव्हाण को गिरफ्तार किया गया जिसने इसके बदले में 40,000 रुपयों से अधिक रकम ली थी।

28 मार्च, 2026 को अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़) में मैडीकल कॉलेज अस्पताल के जेल वार्ड में हत्या के प्रयास के आरोप में बंद कैदी गुरबख्श सिंह को हर सुविधा उपलब्ध करवाने का मामला सामने आया।उसके परिजन मोबाइल लेकर अस्पताल के जेल वार्ड में आ-जा रहे थे तथा उसे घर का खाना और मिनरल वाटर तक उपलब्ध करवा रहे थे। इस सिलसिले में 2 जेल वार्डरों जयप्रकाश और लोकनाथ निषाद को निलम्बित किया गया।

17 जुलाई, 2026 को दिल्ली सरकार की एंटी करप्शन ब्रांच ने तिहाड़और रोहिणी जेलों के अंदर चल रहे एक संगठित उगराही और रिश्वत के रैकेट का पता चलने पर असिस्टैंट सुपरिंटैंडैंट, 6 जेल वार्डरों, 2 वकीलों तथा 2 अन्य प्राइवेट व्यक्तियों सहित कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनसे 1 लाख रुपए की रिश्वत की रकम बरामद की। 24 जुलाई, 2026 को चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) जिला जेल से वायरल हुए 3 वीडियो में अनेक कैदी जेल के अंदर आराम से भोजन करते, नशा करते, नाचते और एंड्रॉयड मोबाइल से सैल्फी वीडियो बनाते दिखाई दिए।

3 अगस्त, 2026 को बुड़ैल जेल चंडीगढ़ में बंद 661 करोड़ रुपयों के बैंक घोटाले के सरगना विक्रम वधवा को अस्पताल में चैकअप के बाद 2 पुलिस कर्मियों द्वारा एक होटल में लेकर जाने का पता चला जहां जमकर पार्टी चली। वहां विक्रम वधवा की पत्नी, रिश्तेदार व बेटे भी मौजूद थे।

इसका पता चलते ही डी.एस.पी. लाइन पूनम दिलावरी ने होटल में छापा मार कर पुलिस कर्मियों और विक्रम वधवा को काबू कर सैक्टर 17 थाना पुलिस के हवाले कर दिया, जहां विक्रम वधवा, उसके बेटों कर्ण व कुणाल वधवा के विरुद्ध मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

और अब 4 अगस्त, 2026 को गोवा की कोलवाले जेल में बंद कुछ कैदियों को जेल कर्मचारियों की शह पर मोबाइल चार्जिंग, इंटरनैट एक्सैस, टी.वी. कनैक्शन, शराब व मांसाहारी भोजन की होटलों जैसी सुविधाएं देने पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने जेल प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई।

इस प्रकार के मामलों का सामने आना निश्चय ही भारतीय जेलों में व्याप्त भ्रष्टाचार कुव्यवस्था का ज्वलंत उदाहरण है जिसे रोकने के लिए कठोर प्रशासकीय कदम उठाने की सख्त जरूरत है।

राष्ट्रभक्ति जगाने का मंत्र है वन्देमातरम्

डॉ. वन्दना सेन

'वन्देमातरम्' केवल दो शब्दों का उद्घोष नहीं है। यह भारत की आत्मा से निकला वह स्वर है, जिसमें मातृभूमि के प्रति श्रद्धा, समर्पण, गौरव और राष्ट्रभक्ति का भाव एक साथ अभिव्यक्त होता है। जिस भूमि ने हमें जन्म दिया, जिसने हमें अन्न, जल, वायु और जीवन प्रदान किया, उसके प्रति सम्मान प्रकट करना प्रत्येक नागरिक का स्वाभाविक और नैतिक कर्तव्य है। इसलिए ह्यवन्देमातरम्ह्व को किसी राजनीतिक दल, विचारधारा के चश्मे से देखना उसके व्यापक राष्ट्रीय अर्थ को सीमित करना होगा।

भारत की स्वतंत्रता-चेतना के इतिहास में 'वन्देमातरम्' का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। स्वाधीनता आंदोलन के दौर में इसके उद्घोष ने असंख्य भारतीयों के भीतर राष्ट्रभक्ति की ऐसी लौ प्रज्वलित की, जिसने विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष को नई ऊर्जा प्रदान की। यह केवल गीत नहीं रहा; यह राष्ट्रीय जागरण का मंत्र बन गया था। इसके उच्चारण मात्र से लोगों के भीतर मातृभूमि के प्रति प्रेम और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष का संकल्प जाग उठता था। यही कारण है कि 'वन्देमातरम्' भारतीय राष्ट्रीय चेतना के इतिहास में एक अमिट अध्याय के रूप में दर्ज है।

आज भी जब 'वन्देमातरम्' का स्वर वातावरण में गूँजता है तो उसके साथ देशभाव का उफान दिखाई देता है। विद्यालयों से लेकर सार्वजनिक समारोहों तक और स्वतंत्रता दिवस से लेकर राष्ट्रीय पर्वों तक, इसका उद्घोष लोगों को अपनी जड़ों और अपनी मातृभूमि से जोड़ता है। यह भाव किसी एक समुदाय, वर्ग या राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं हो सकता। भारत की विविधता में एकता की जो विराट भावना है, 'वन्देमातरम्' उसी भावना का सशक्त प्रतीक है।

विडंबना यह है कि जिस 'वन्देमातरम्' को भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान कांग्रेस ने भी स्वीकार किया और जिसके स्वर ने स्वतंत्रता संघर्ष को ऊर्जा दी, आज उसी के प्रति कांग्रेस के कुछ नेताओं की असहजता दिखाई देती है। प्रश्न स्वाभाविक है कि जो राष्ट्रगीत और राष्ट्रभाव कभी स्वतंत्रता संघर्ष के संकल्प का हिस्सा था, उसे आज राजनीतिक विवाद का विषय क्यों बनाया जा रहा है? यदि किसी राष्ट्रीय प्रतीक के प्रति सम्मान व्यक्त करने में संकोच होने लगे, तो यह केवल राजनीतिक मतभेद का विषय नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्रभाव की व्यापक अवधारणा पर प्रश्न खड़ा करता है।

स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में 'वन्देमातरम्' के प्रसंग को लेकर दिखाई देने वाली असहजता ने भी अनेक प्रश्नों को जन्म दिया। राष्ट्रीय पर्वों का उद्देश्य राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को तीखा करना नहीं, बल्कि राष्ट्र की सामूहिक चेतना को मजबूत करना होना चाहिए। ऐसे अवसर पर दलगत सीमाएँ पीछे छूटनी चाहिए और भारत की एकता, अखंडता तथा गौरव सर्वोपरि होना चाहिए।

यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न संविधान के संदर्भ में उठता है। यदि 'वन्देमातरम्' के सम्मान या उसके उद्घोष को लेकर कोई विधिक व्यवस्था अस्तित्व में आती है, तो उसका पालन करना प्रत्येक नागरिक और संस्था का संवैधानिक दायित्व होगा। संविधान केवल राजनीतिक सुविधा के अनुसार उद्धृत करने की वस्तु नहीं है। संविधान अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी स्मृति कराता है। इसलिए जो राजनीतिक शक्तियाँ संविधान की रक्षा का दावा करती हैं, उन्हें संविधान की भावना और उसके अनुशासन का समान रूप से सम्मान करना चाहिए।

वस्तुतः राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय प्रतीक किसी दल की राजनीतिक पूँजी नहीं हैं। वे करोड़ों भारतीयों की सामूहिक भावनाओं के प्रतीक हैं। 'वन्देमातरम्' के संदर्भ में भी यही दृष्टि अपनाई जानी चाहिए। इसके साथ किसी प्रकार का राजनीतिक लाभ-हानि का गणित जोड़ना उचित नहीं है। राष्ट्रभक्ति को वोट की राजनीति से जोड़ना स्वयं राष्ट्रभाव को संकीर्ण करना है।

भारत की शक्ति उसकी विविधता में निहित है। यहाँ अनेक भाषाएँ हैं, अनेक पंथ और परम्पराएँ हैं, अनेक जीवन-पद्धतियाँ हैं, फिर भी भारत की पहचान एक है। इस एकता को मजबूत करने वाले प्रतीकों और भावनाओं का सम्मान करना आवश्यक है। 'वन्देमातरम्' इसी एकता का भावात्मक सूत्र है। यह हमें स्मरण कराता है कि हमारी पहली पहचान हमारी मातृभूमि से है और उसके सम्मान में व्यक्त किया गया स्वर किसी विभाजन का नहीं, बल्कि जुड़ाव का स्वर है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि 'वन्देमातरम्' को विवाद का विषय बनाने के बजाय उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महत्व को समझा जाए। यदि इसके उद्घोष से देशभक्ति का ज्वार पहले उठता था, तो आज भी उठ सकता है। यदि इसके स्वर ने स्वतंत्रता सेनानियों में त्याग और बलिदान की भावना जगाई थी, तो आज यह नई पीढ़ी में राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यबोध जागृत कर सकता है। राष्ट्रभक्ति का अर्थ केवल नारे लगाना नहीं, बल्कि देश के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। किंतु जब कोई नागरिक अपनी मातृभूमि के सम्मान में 'वन्देमातरम्' कहता है, तो उसके उस भाव को संदेह की दृष्टि से देखना भी उचित नहीं। राष्ट्र के प्रति श्रद्धा को राजनीति की संकीर्ण सीमाओं में बाँधना भारत की विशाल सांस्कृतिक चेतना के साथ न्याय नहीं होगा।

'वन्देमातरम्' इसलिए किसी राजनीतिक दल का विषय नहीं है। यह भारत की पहचान, मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और राष्ट्रीय एकता का भावपूर्ण उद्घोष है। इसके स्वर में इतिहास की स्मृति भी है, स्वतंत्रता का संघर्ष भी, बलिदान की गाथा भी और भविष्य के भारत का संकल्प भी। आवश्यकता केवल इतनी है कि हम इसे राजनीति के विवाद से ऊपर उठाकर राष्ट्रभाव की दृष्टि से देखें। जब करोड़ों कंठ एक स्वर में कहते हैं– 'वन्देमातरम्'–तो उसमें केवल शब्द नहीं होते, बल्कि एक राष्ट्र की आत्मा बोलती है।

(लेखिका वरिष्ठ स्तंभकार हैं।)

बदलती सामाजिक संवेदनाओं में वृद्धों को चाहिए उजाले

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस

ललित गर्ग

भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे। लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली, महानगरीय संस्कृति, रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति, उपभोक्तावाद और बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस समाज के अंतर्मन को झकझोरने एवं वृद्धों की त्रासद स्थितियों पर सोचने को विवश करता है कि जिन हाथों ने परिवार की नींव रखी, जिन कंधों ने बच्चों के भविष्य का भार उठाया और जिन अनुभवों ने जीवन की अनेक कठिन राहों को पार करने में अगली पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया, उन्हीं वृद्ध माता-पिता को जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलापन, उपेक्षा, असुरक्षा और अपमान क्यों झेलना पड़ रहा है? निश्चित ही कहीं-न-कहीं हमारी सामाजिक संवेदना कमजोर हुई है। जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान सहज संस्कार होना चाहिए था, वहां उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए अलग से दिवस मनाना हमारी सामूहिक आत्मचिंता का विषय है। भारत तेजी से वृद्ध होती आबादी की ओर बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो सकती है; यानी हर पांच भारतीयों में लगभग एक वरिष्ठ नागरिक होगा। यह केवल जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के सामने आने वाली एक बड़ी चुनौती है। अधिक उम्र तक जीना मानव सभ्यता की उपलब्धि है, लेकिन यदि लंबी आयु के साथ अकेलापन, बीमारी, आर्थिक असुरक्षा और भावनात्मक उपेक्षा जुड़ जाए तो दीर्घ जीवन वरदान के बजाय बोझ जैसा अनुभव होने लगता है।

भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे। लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली, महानगरीय संस्कृति, रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति, उपभोक्तावाद और बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं। उनके पास रहने को छत है, लेकिन संवाद के लिए कोई अपना नहीं; परिवार है, लेकिन समय नहीं; संतान है, लेकिन अपनापन कम होता जा रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस वृद्ध ने जीवनभर परिवार को अपने केंद्र में रखा, सेवानिवृत्ति के बाद वही परिवार उसे अपने केंद्र से बाहर करने लगता है। नौकरी में रहते हुए जिस व्यक्ति की सलाह महत्वपूर्ण थी, नौकरी से मुक्त होते ही उसकी उपयोगिता जैसे समाप्त मान ली जाती है।

वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इसी बदलती सामाजिक संरचना का संकेत है। हर वृद्धाश्रम दुख की कहानी नहीं है; कुछ स्थानों पर वे अकेले और असहाय वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षा और देखभाल का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। लेकिन जब वृद्धाश्रम उन माता-पिता का अंतिम ठिकाना बन जाए जिन्हें सक्षम संतान केवल इसलिए घर से दूर कर देती है कि वे आधुनिक जीवन की सुविधाओं के बीच ह्यअसुविधाह्व बन गए हैं, तब प्रश्न केवल परिवार का नहीं, पूरे समाज के संस्कारों का बन जाता है। संपत्ति अपने नाम कराने के बाद माता-पिता से दूरी बना लेना, उनकी बीमारी को बोझ समझना या उन्हें केवल घरेलू जिम्मेदारियों के लिए उपयोग करना ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिन पर समाज को गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। यह भी सच है कि वृद्धावस्था की समस्या केवल युवाओं की संवेदनहीनता से पैदा नहीं होती। वरिष्ठ नागरिकों को भी बदलते समय के साथ स्वयं को बदलना होगा। नई पीढ़ी की स्वतंत्रता, निजी निर्णय और जीवनशैली को समझना होगा। अनावश्यक हस्तक्षेप से बचते हुए अपने अनुभव को आदेश नहीं, मार्गदर्शन के रूप में प्रस्तुत करना होगा। उम्र बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन मन का बूढ़ा हो जाना अनिवार्य नहीं। वरिष्ठ नागरिक यदि सामाजिक गतिविधियों, अध्ययन, सेवा, आध्यात्मिकता, सामुदायिक कार्यक्रमों और रचनात्मक कार्यों से जुड़े रहें तो उनका जीवन अधिक सक्रिय, सार्थक और आनंदपूर्ण बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट का कल आया फैसला बुजुर्गों के लिए कानूनी संजीवनी की तरह है जिसमें न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि संतान माता-पिता की देखभाल और भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभाने में विफल रहती है, तो वरिष्ठ नागरिकों की संपत्ति और सम्मान की रक्षा के लिए कानून के तहत बच्चों को उस संपत्ति से बेदखल करने का रास्ता खुला है।

सरकार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। विशेष रूप से 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आय की परवाह किए बिना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज देना एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार के अनुसार अक्टूबर 2024 में शुरू हुए इस विस्तार से लगभग छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है; जून 2026 तक योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कवरेज का दायरा इसी दिशा में आगे बढ़ाया गया है। इसी प्रकार अटल वयो अभ्युदय योजना का उद्देश्य केवल वृद्धों को आश्रय देना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, आवास, सक्रिय एवं उत्पादक वृद्धावस्था, कौशल, परिवहन तथा पीढ़ियों के बीच संबंधों को मजबूत करना भी है। योजना में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायता, वृद्धाश्रम, सहायक उपकरण, सक्रिय वृद्धावस्था और अनुभव आधारित रोजगार जैसे पहलुओं को भी शामिल किया गया है। ये प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सरकारी योजनाओं की सफलता अंततः उनके अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी पहुंचने पर निर्भर करती है। पेंशन, स्वास्थ्य सुविधा, डिजिटल सेवाओं और कानूनी संरक्षण को अधिक सरल, सुलभ और स्थानीय स्तर पर प्रभावी बनाना अभी भी आवश्यक है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए आर्थिक सुरक्षा जितनी जरूरी है, उससे कहीं अधिक जरूरी भावनात्मक सुरक्षा है। पैसा दवा खरीद सकता है, लेकिन अकेलेपन का उपचार नहीं कर सकता। अस्पताल शरीर का इलाज कर सकता है, लेकिन उपेक्षा से घायल मन का उपचार परिवार का प्रेम ही कर सकता है। इसलिए वृद्ध कल्याण को केवल सरकारी योजना या पेंशन के दायरे में नहीं देखा जा सकता। परिवार को यह समझना होगा कि वृद्ध माता-पिता को केवल भोजन और दवा नहीं चाहिए; उन्हें बातचीत चाहिए, सम्मान चाहिए, निर्णयों में सहभागिता चाहिए और यह भरोसा चाहिए कि वे परिवार के लिए अब भी महत्वपूर्ण हैं। आज की युवा पीढ़ी को यह बात विशेष रूप से समझनी होगी कि माता-पिता का वर्तमान हमारे भविष्य का संकेत है। जो व्यवहार हम आज अपने वृद्ध माता-पिता के साथ करेंगे, आने वाला समय उसी व्यवहार को हमारे सामने खड़ा करेगा। आज हम युवा हैं, कल हम वृद्ध होंगे। आज जिन आंखों को हम अनदेखा कर रहे हैं, कल उन्हीं जैसी आंखों में हमारी अपनी संतानों के व्यवहार का प्रतिबिंब दिखाई दे सकता है। इसलिए वृद्धों की सेवा दया नहीं, कर्तव्य है; उनका सम्मान उपकार नहीं, संस्कार है।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस की वास्तविक सार्थकता तभी होगी जब यह एक दिन का आयोजन न रहकर जीवन की स्थायी दृष्टि बने। परिवार में सप्ताह में एक दिन नहीं, प्रतिदिन संवाद हो; समाज में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सक्रिय सामुदायिक मंच हों; स्थानीय संस्थाएं उन्हें ज्ञान, अनुभव और सेवा के अवसर दें; सरकार स्वास्थ्य, पेंशन और सुरक्षा की व्यवस्थाओं को मजबूत करे और युवा पीढ़ी अपनी सोच में परिवर्तन लाए। वृद्धावस्था जीवन की संध्या है, लेकिन संध्या का अर्थ अंधेरा नहीं होता। वह दिनभर की यात्रा के बाद सुनहरी रोशनी का समय भी हो सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि परिवार उस रोशनी को बुझने न दे। हमारे वृद्ध जीवन के बीते हुए पन्ने नहीं, आने वाली पीढ़ियों के लिए अनुभव की खुली किताब हैं। यदि हम उनके अंतिम वर्षों को भय, अकेलेपन और उपेक्षा से भर देंगे तो हम केवल उनके साथ अन्याय नहीं करेंगे, बल्कि अपनी सभ्यता और संस्कारों को भी कमजोर करेंगे। इसलिए आज संकल्प होना चाहिए-वृद्धों के जीवन में अंधेरा नहीं, सम्मान का उजाला हो; अकेलापन नहीं, अपनापन हो; उपेक्षा नहीं, सहभागिता हो और शेष जीवन बोझ नहीं, आनंद एवं गरिमा का उत्सव बने। यही विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस का वास्तविक संदेश और हमारी सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है।
~~~~~~~~~

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की नि:शुल्क विधि प्रात:कालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अत: जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्राय: मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अत: प्रात: शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अत: इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अत: उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं
अनिद्रा के रोगी

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्राय: संकुचित होती हैं। ये लोग प्राय: हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

डॉलर में कमजोरी से सोने और चांदी में जोरदार उछाल

सोना 283 की तेजी के साथ 1,58,279 रुपए, चांदी 2,41,167 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। कमजोर होते डॉलर, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में नरमी और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग ने बहुमूल्य धातुओं को मजबूत समर्थन दिया। घरेलू एमसीएक्स और अंतरराष्ट्रीय कॉमेक्स बाजारों में सोने-चांदी की शुरुआत तेजी के साथ हुई। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी दोनों के वायदा भाव में मजबूती दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 283 रुपये की तेजी के साथ 1,58,279 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। यह 1,58,008 रुपये पर खुला था और दिन के दौरान 1,58,300 रुपये का उच्च स्तर छुआ। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वोच्च स्तर छुआ था। वहीं चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 3,513 रुपये की जोरदार उछाल के साथ 2,40,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर था। यह 2,38,500 रुपये पर खुला था और दिन के उच्च स्तर 2,41,167 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंचा। चांदी ने इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का उच्चतम स्तर देखा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी बनी रही। सोना 7.20 डॉलर की बढ़त के साथ 4,552.50 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था, जबकि यह 4,580 डॉलर प्रति औंस पर खुला था। सोने ने इस साल 5,586.20 डॉलर प्रति औंस का सर्वोच्च स्तर बनाया था। चांदी का वायदा भाव भी 1.47 डॉलर की तेजी के साथ 67.30 डॉलर प्रति औंस पर था। यह 67.08 डॉलर पर खुला था और इस साल 121.79 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर छू चुका है।

भारतीय दोपहिया निर्यात को मिली रफ्तार, 27 में 20 फीसदी तक उछाल संभव

अफ्रीकी मांग में सुधार, नए बाजारों में विस्तार से मिलेगा सहारा

नई दिल्ली भारतीय दोपहिया वाहन निर्यात में वित्त वर्ष 27 के दौरान 15 से 20 प्रतिशत की सालाना वृद्धि मिलने की संभावना है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंड-रा) के मुताबिक, यह लगातार तीसरा साल होगा जब निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज होगी। इसका श्रेय अफ्रीकी मांग में सुधार और लैटिन अमेरिका व दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय कंपनियों के बढ़ते विस्तार को जाता है। पिछले वित्त वर्ष 26 में निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 51.8 लाख वाहनों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जिसने वित्त वर्ष 22 का पिछला रिकॉर्ड पीछे छोड़ा। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में भी 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ यह रफ्तार जारी रही। इंड-रा का मानना है कि यह वृद्धि चक्र लंबे समय तक चलेगा। भारतीय निर्माताओं ने भौगोलिक मौजूदगी और वितरण नेटवर्क मजबूत किए हैं, साथ ही बाजार के अनुरूप वाहन भी पेश किए हैं। कोलंबिया, मेक्सिको और ब्राजील जैसे नए बाजार अब शीर्ष 10 निर्यात गंतव्यों में शामिल हैं, जिससे उद्योग की अफ्रीका पर निर्भरता घटी है। अफ्रीका के मुख्य बाजारों में भी महंगाई घटने और विदेशी मुद्रा उपलब्धता बढ़ने से मांग बढ़ रही है। नाइजीरिया जैसे प्रमुख बाजारों में सुधार दिखने लगा है। श्रीलंका द्वारा आयात पाबंदियों में ढील देने से भी निर्यात को अतिरिक्त बढ़ावा मिल रहा है।

एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार

मुंबई।

एशिया-प्रशांत बाजारों में गुरुवार को अच्छी तेजी देखने को मिली। दक्षिण कोरिया का चश्हद्यश्चद्ब करीब 6 फीसदी उछल गया, जबकि जापान का निक्कई 225 करीब 1.3 फीसदी चढ़ा। अमेरिकी बाजारों में भी बुधवार को तेजी रही। डाओ जोंस इंडस्ट्रीयल एवरेज 0.22 फीसदी और एसएंडपी 500 0.21 फीसदी ऊपर बंद हुए। वहीं नैस्डेक कम्पो जिट में 0.16 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 628, निफ्टी 153 अंक उछला

मुम्बई।

घरेल शेयर बाजार में गुरुवार को तेजी लौटी। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददरी हावी रहने से आया है। इससे पिछले एक सप्ताह से जारी गिरावट थम गयी।

आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधरित बीएसई सेंसेक्स 628.04 अंक बढ़कर 77,537.72 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 153.55 अंक या बढ़कर 24,231.85 पर बंद हुआ।

आज बीएसई में 2448 शेयर उछले जबकि 1876 शेयर गिरे जबकि 225 शेयरों में अंतर नहीं आया। आज निफ्टी में सबसे अधिक बढ़त वाले शेयरों में कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और श्रीराम फाइनेंस शामिल रहे जबकि गिरावट वाले शेयरों में हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा कंज्यूमर, इंटरग्लोब एविएशन और नेस्ले शामिल रहे। आज सभी सेक्टर के इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए; मीडिया इंडेक्स और रियल्टी इंडेक्स उछला , जबकि ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, आईटी, प्राइवेट बैंक और इंफ्रा इंडेक्स में बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में बढ़त रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में गुरुवार को जोरदार वापसी देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में खुले

और शुरुआती कारोबार में मजबूत बढ़त दर्ज की। सुबह सेंसेक्स 550 अंकों से अधिक उछलकर 77,400 के स्तर को पार कर गया, जबकि निफ्टी भी 24,200 के ऊपर कारोबार कर रहा था। । बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिकी बाजारों में तीन दिन की लगातार गिरावट के बाद आई रिकवरी और एशियाई बाजारों में व्यापक तेजी ने घरेलू बाजार के लिए सकारात्मक माहौल तैयार किया।

हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें अभी भी बाजार के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं।

रुपया गिरावट के साथ 92.78 पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 2 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.75 पर बंद हुआ। वहीं इससे पहली आज सुबह

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.57 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद 95.56 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को लगभग स्थिर कारोबार करता हुआ एक पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 98.82 पर आ गया। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी कोष द्वारा लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड की पुनर्खरीद दोगुनी करने की घोषणा के बाद डॉलर सूचकांक मई के अंत के बाद के सबसे निचले स्तर पर आ गया। इससे अमेरिका में लंबी अवधि के बॉन्ड पर प्रतिफल दरें नीचे आईं और डॉलर की प्रतिफल संबंधी बढ़त कम हुई। इसके अलावा, फेडरल रिजर्व द्वारा आगे ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद कम होने से भी डॉलर पर दबाव है।

केकेआर ने बुकमाईशो में किया निवेश

भारतीय मनोरंजन क्षेत्र को मिलेगी नई उड़ान

नई दिल्ली । प्रमुख वैश्विक निवेश फर्म केकेआर ने भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन टिकट प्लेटफॉर्म बुकमाईशो में अल्पमत हिस्सेदारी खरीदने का समझौता किया है। यह कदम भारतीय मनोरंजन उद्योग को एक महत्वपूर्ण बढ़ावा देगा और बुकमाईशो को अपनी अगली विकास यात्रा को तेज करने में मदद करेगा। इस रणनीतिक निवेश का मुख्य उद्देश्य कंपनी के लाइव एंटरटेनमेंट सेगमेंट का विस्तार और पूरे भारत में सेवाओं को मजबूत करना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केकेआर लगभग 4-5 करोड़ डॉलर में बुकमाईशो की 6त्न हिस्सेदारी ले रही है। 2007 में बिगट्री एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित बुकमाईशो, 700 से अधिक शहरों में भारत का अग्रणी मनोरंजन गंतव्य है। केकेआर का यह निवेश भारत के तेजी से बढ़ते मनोरंजन क्षेत्र और बुकमाईशो की भविष्य की क्षमता में उसके गहरे विश्वास को दर्शाता है। कंपनी मानती है कि बढ़ती खर्च क्षमता, विशाल युवा आबादी और विश्व स्तरीय लाइव अनुभवों की मांग इस वृद्धि को और गति देगी। इस सौदे के लिए एवेंडस कैपिटल ने वित्तीय सलाहकार के रूप में और ट्राइलीगल ने कानूनी सलाहकार के रूप में काम किया। केकेआर में एक ` हिस्सेदार ने इस निवेश पर टिप्पणी करते हुए कहा` कि बुकमाईशो भारत में बेहतरीन मनोरंजन अनुभव देने में अग्रणी रही है। हम इसके विकास में सहयोग करके खुश हैं, जो भारत के आउट-ऑफ-होम मनोरंजन क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत करेगा।

खाद्य ब्रांड्स ने एफएसएसएआई के आदेश पर 100 फीसदी शुद्धता के दावे हटाए

एमवे, इमामी समेत छह कंपनियों ने पैकेजिंग, लेबल व विज्ञापनों से हटाए भ्रामक दावे

नई दिल्ली ।

उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले भ्रामक दावों पर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सख्ती दिखाते हुए एमवे इंडिया, इमामी और बॉन बिस्किट्स सहित छह बड़ी खाद्य कंपनियों को अपने उत्पादों की पैकेजिंग, लेबल और विज्ञापनों से 100 प्रतिशत जैसे शब्दों को हटाने का निर्देश दिया है। नियामक के हस्तक्षेप के बाद इन कंपनियों ने सुधारात्मक कदम उठाए हैं। एफएसएसएआई ने खाद्य कारोबार परिचालकों (एफबीओ) को 100 प्रतिशत जैसे भ्रामक दावे इस्तेमाल करने से रोकने का निर्देश दिया था, क्योंकि ऐसे दावे अक्सर उत्पादों की वास्तविक गुणवत्ता या सामग्री को सही ढंग से नहीं दर्शाते।

एफएसएसएआई के मुताबिक, बॉन बिस्किट्स ने अपने बॉन क्यूमिन फ्लेवर जीरा बाइट बिस्किट्स से यह दावा हटा दिया है, जबकि इमामी लिमिटेड ने झंडू शहद और एपिस इंडिया ने अपने शहद उत्पादों से ऐसे दावे हटाए हैं। एमवे इंडिया एंटरप्राइजेज ने अपने

100 प्रतिशत शुद्ध नारियल तेल के दावे को पैकेजिंग और प्रचार सामग्री से स्वेच्छा से हटा लिया है और पुराने स्टॉक की बिक्री भी रोक दी है। इसके अतिरिक्त, केरल की जुजा फूड्स ने अपने विभिन्न बेबी फूड उत्पादों से और मास्टरचॉव फूड्स प्राइवेट लिमिटेड ने रैमेन नूडल से भी 100 प्रतिशत के दावे हटा दिए हैं।

पुराने वाहन मालिकों को राहत! सरकार ई10 पेट्रोल वापस लाने पर कर रही विचार

ई20 से प्रभावित पुराने वाहनों के लिए समाधान पर विचार, तेल कंपनियों से चर्चा शुरू

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार पुराने वाहन मालिकों को राहत देने के लिए मौजूदा ई20 पेट्रोल के साथ, ई20 अनुकूल न होने वाले वाहनों के लिए ई10 पेट्रोल को फिर से बाजार में लाने की संभावना पर विचार कर रही है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन के सुझाव के बाद इस मुद्दे पर तेल कंपनियों से शुरुआती बातचीत शुरू हुई है। यह कदम खासकर उन लाखों पुराने वाहनों को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है जो ई20 के लिए डिज़ाइन नहीं हुए हैं। भारत ने तय समय से पहले 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रण (ई20) का लक्ष्य हासिल कर इसे प्रमुख ईंधन बनाया है। हालांकि, इससे पुराने कार और दोपहिया वाहन मालिकों में चिंताएं बढ़ी हैं। उनका कहना है कि ई20 पेट्रोल से उनके वाहनों का माइलेज कम हो सकता है और इंजन में दीर्घकालिक परेशानियां पैदा हो सकती हैं। इसी वजह से श्व10 पेट्रोल को एक वैकल्पिक ईंधन के तौर पर फिर से उपलब्ध कराने की मांग तेज हुई है। सरकार के सामने सबसे बड़ी

चुनौती ई10 और ई20 दोनों ग्रेड के ईंधन के लिए अलग से आपूर्ति और वितरण व्यवस्था बनाना है। पेट्रोल पंपों पर अतिरिक्त भंडारण क्षमता और परिवहन नेटवर्क का प्रबंधन एक महंगा और जटिल काम हो सकता है, जिसे सरकार पहले भी स्वीकार कर चुकी है। अधिकारियों का मानना है कि कम इथेनॉल मिश्रण वाला ई10 पुराने वाहनों के लिए बेहतर विकल्प है और इंजन के पुर्जों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

एलआईसी अब एचडीएफसी बैंक में बढ़ा सकेगा 9.99 फीसदी तक हिस्सेदारी

मौजूदा 4.11 फीसदी हिस्सेदारी को बढ़ाकर लगभग 10 फीसदी तक ले जाने का रास्ता साफ

नई दिल्ली ।

देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बीमाकर्ता भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से एक महत्वपूर्ण मंजूरी मिली है। आरबीआई ने एलआईसी को निजी क्षेत्र के दिग्गज एचडीएफसी बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 9.99 प्रतिशत तक करने की अनुमति दे दी है। इस खबर के सामने आते ही गुरुवार को एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 1 फीसदी से अधिक का उछाल दर्ज किया गया। एचडीएफसी बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि आरबीआई ने 19 अगस्त 2026 के पत्र के जरिए एलआईसी को यह मंजूरी दी है। वर्तमान में एलआईसी के पास बैंक की कुल शेयर पूंजी का 4.11 प्रतिशत हिस्सा है। इस अनुमति से एलआईसी अब अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाकर 9.99 प्रतिशत तक कर सकेगा। एलआईसी ने इसके लिए आरबीआई के पास आवेदन किया था। यह मंजूरी कुछ नियामक शर्तों के अधीन है, जिनमें बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, आरबीआई के निर्देश, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 और सेबी के नियम शामिल हैं। एलआईसी देश के सबसे बड़े संस्थागत निवेशकों में से एक है, इसलिए यह मंजूरी काफी अहम है।

सरकार ने चीनी स्टॉक सीमा घटाई, अब 15 दिन ही रख सकेंगे डीलर

1 सितंबर से लागू होगा नया नियम, जमाखोरी पर लगेगी रोक

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में चीनी की लगातार बढ़ती कीमतों और आगामी त्योहारी सीजन में संभावित भारी मांग के मद्देनजर सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब थोक डीलर और बड़े खरीदार 15 दिन से ज्यादा चीनी का स्टॉक अपने पास नहीं रख सकेंगे। यह सख्त नियम 1 सितंबर से लागू होकर 30 नवंबर तक प्रभावी रहेगा, जिसका मुख्य उद्देश्य बाजार में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करना और उसकी कीमतों को नियंत्रण में रखना है। भारत दुनिया में चीनी का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, और गणेश चतुर्थी, दशहरा व दिवाली जैसे बड़े त्योहारों के कारण अगस्त से नवंबर के बीच चीनी की मांग अपने चरम पर होती है। इस अवधि में न सिर्फ घरों में बल्कि बिस्कुट, मिठाई और अन्य खाद्य कंपनियां भी भारी मात्रा में चीनी खरीदती हैं। ऐसे में, सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि बाजार में पर्याप्त चीनी उपलब्ध रहे और जमाखोरी के कारण कीमतों में अनावश्यक वृद्धि न हो। पहले भी सरकार ने स्टॉक रखने की सीमा 30 दिन की थी, लेकिन कीमतों में तेजी जारी रहने के बाद अब इसे और घटाकर 15 दिन कर दिया गया है। यह नियम उन डीलरों पर लागू होगा जो एक महीने में 10 मीट्रिक टन से ज्यादा चीनी का कारोबार या इस्तेमाल करते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक महीने में चीनी की कीमतें करीब 10 प्रतिशत बढ़ी हैं और रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, मौजूदा औसत एक्स-मिल कीमत 5,400-5,500 रुपये प्रति क्विंटल है, जो एक साल पहले 3,900 रुपये थी। वहीं खुदरा बाजार में भी ग्राहकों को इसका असर दिख रहा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मुताबिक, 18 अगस्त को चीनी की औसत खुदरा कीमत 52.30 रुपये प्रति किलो थी, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 46.34 रुपये थी, यानी सालाना आधार पर लगभग 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नई फसल का सीजन 1 अक्टूबर से शुरू होगा, लेकिन शुरुआती स्टॉक को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। अनुमान है कि नए सीजन की शुरुआत में लगभग 40-42 लाख टन चीनी उपलब्ध होगी, जबकि देश की घरेलू जरूरत करीब 50 लाख टन रहने का अनुमान है। कुछ इलाकों में कम बारिश से गन्ने की फसल प्रभावित होने की खबर भी उत्पादन को लेकर चिंता बढ़ा रही

पाकिस्तान ने अमेरिका से किया 10 अरब डॉलर की मदद का अनुरोध

पारंपरिक ऋण से हटकर बाजार को सकारात्मक संकेत देने का प्रयास, वार्ता जारी

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान ने अपनी विदेशी मुद्रा स्थिति को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए अमेरिका से 10 अरब डॉलर की एक्सचेंज स्टैबिलाइजेशन सपोर्ट फैसिलिटी का अनुरोध किया है। वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने एक साक्षात्कार में यह जानकारी दी, जिसमें बताया गया कि अमेरिकी वित्त मंत्रालय से बातचीत जारी है, हालांकि अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है। औरंगजेब ने स्पष्ट किया कि यह पहल पारंपरिक ऋण या कर्ज हासिल करने के बजाय विदेशी मुद्रा स्थिरता को मजबूत करने और वैश्विक पूंजी बाजारों को सकारात्मक संकेत देने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि यह देश को बाजार में जाने में मदद करेगा। पाकिस्तान हाल के वर्षों में बाहरी भुगतान दबावों का सामना कर रहा है और 2023 में डिफॉल्ट के करीब पहुंच गया था, लेकिन आईएमएफ और द्विपक्षीय साझेदारों की मदद से बचा।

देश फिलहाल 7 अरब डॉलर के आईएमएफ कार्यक्रम पर काम कर रहा है। वित्त मंत्री ने बताया कि यह कदम मित्र देशों से अल्पकालिक कर्ज पर निर्भरता कम करके लंबी पुनर्भुगतान अवधि वाले बाजार-आधारित वित्तपोषण की ओर बढ़ने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। सरकार अपनी संप्रभु रेटिंग सुधारने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के साथ भी काम कर रही है, जिसका लक्ष्य कम से कम बी प्लस रेटिंग हासिल करना है। बेहतर रेटिंग से पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों से कर्ज लेना आसान और सस्ता होगा। इस्लामाबाद को सितंबर के अंत तक अमेरिका से इस अनुरोध पर प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है।

एसबीआई ने बल्क एफडी पर घटाई ब्याज दरें, छोटी अवधि के निवेश पर असर

3 करोड़ या उससे अधिक की जमा राशि पर प्रभाव, रिटेल एफडी दरें अपरिवर्तित

नई दिल्ली

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने 3 करोड़ रुपये या उससे अधिक की घरेलू बल्क टर्म डिपॉजिट (एफडी) पर ब्याज दरों में कटौती की घोषणा की है, जो अब प्रभावी हो चुकी हैं। यह बदलाव मुख्य रूप से छोटी अवधि की जमाओं को प्रभावित करेगा, जबकि 3 करोड़ रुपये से कम की सामान्य रिटेल एफडी अपरिवर्तित रहेंगी। बैंक ने 7 से 179 दिनों की बल्क एफडी पर ब्याज दर में 25 बेसिस पॉइंट (0.25 फीसदी) और 180 से 210 दिनों की अवधि वाली एफडी पर 10 बेसिस पॉइंट (0.10 फीसदी) की कटौती की है। हालांकि, 211 दिन से 10 साल तक की लंबी अवधि वाली बल्क एफडी दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे इन अवधियों के निवेशकों को राहत मिलेगी। यह कटौती वरिष्ठ नागरिकों की बल्क एफडी पर भी लागू होगी, जहां समान अवधि (7-210 दिन) के लिए ब्याज दरों में समान कमी की गई है। नई दरें ताजा जमा के साथ-साथ परिपक्वता के बाद होने वाले नवीनीकरण पर भी प्रभावी होंगी। निवेशकों को ध्यान देना चाहिए कि बल्क एफडी की समय से पहले निकासी पर एक फीसदी की पेनल्टी लागू होगी। यह स्पष्ट किया गया है कि 3 करोड़ रुपये से कम की सामान्य एसबीआई रिटेल एफडी पर इन बदलावों का कोई असर नहीं पड़ा है।

सामान्य ग्राहकों के लिए रिटेल एफडी की ब्याज दरें 3.05 फीसदी से 6.40 फीसदी तक और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 3.55 फीसदी से 7.05 फीसदी तक बनी हुई हैं।

शेयर बाजार में अंतिम दौर का खेल, सेबी ने पकड़ी 3.68 करोड़ की सेंसेक्स हेराफेरी

क्लोजिंग ऑक्शन सेशन में नकली ऑर्डर लगाकर सेंसेक्स को हिलाया, एफएंडओ से कमाए करोड़ों

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर बाजार में एक बड़ी हेराफेरी का पर्दाफाश किया है। 13 अगस्त को सेंसेक्स की एक्सपायरी के दिन, दो कंपनियों - कॉप्थॉल मॉरीशस इन्वेस्टमेंट और मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग - ने नए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) का इस्तेमाल कर सेंसेक्स के अंतिम भाव को जानबूझकर प्रभावित करने की कोशिश की।

सेबी की जांच में सामने आया है कि इस सुनियोजित चाल से उन्हें वायदा और विकल्प (एफएंडओ) कारोबार में लगभग 3.68 करोड़ रुपये का अवैध फायदा हुआ। सीएएस एक 20 मिनट का अंतिम सत्र होता है, जिसमें शेयरों का क्लोजिंग भाव तय होता है, जिसका सीधा असर सेंसेक्स पर पड़ता है। सेबी के मुताबिक, कॉप्थॉल ने सेंसेक्स में शामिल शेयरों में करीब 126 करोड़ रुपये के खरीद ऑर्डर लगाए, जो बाजार भाव से लगभग 3 फीसदी अधिक थे।

इन बड़े ऑर्डरों से सेंसेक्स में कुछ ही सेकंड में सैकड़ों अंकों का उछाल आया। हालांकि, आश्चर्यजनक रूप से, बड़े ऑर्डर लगाने के बाद इनमें से 98.12 करोड़ रुपये के ऑर्डर रद्द कर दिए गए। एक मौके पर सेंसेक्स सिर्फ 2 सेकंड में 362 अंक और 28 सेकंड में 405 अंक तक ऊपर-नीचे हुआ। दूसरी ओर, मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग ने ठीक उल्टा खेल खेला। इसने सेंसेक्स के 8 शेयरों में 12.65 लाख शेयरों के बड़े बिक्री ऑर्डर बाजार भाव से काफी नीचे लगाए। इन ऑर्डरों का उद्देश्य शेयरों के संभावित अंतिम भाव पर नीचे का दबाव बनाना था। कॉप्थॉल की तरह, मानसी ने भी बाद में इन बड़े बिक्री ऑर्डरों को रद्द कर दिया। सेबी का मानना है कि इन कंपनियों का मकसद शेयर खरीदना-बेचना नहीं, बल्कि सेंसेक्स के अंतिम भाव को अपनी सुविधा अनुसार ऊपर-नीचे करके एफएंडओ सौदों से लाभ कमाना था, खासकर एक्सपायरी के दिन जब अंतिम स्तर बेहद महत्वपूर्ण होता है।

सेबी ने कॉप्थॉल द्वारा कमाए गए 2.96 करोड़ रुपये और मानसी द्वारा कमाए गए 71.65 लाख रुपये के कथित गलत फायदे का अनुमान लगाया है। इस खुलासे के बाद बाजार नियामक ऐसे जोड़तोड़ पर पैनी नजर रख रहा है।

जोश टंग 50 विकेट पूरे कर रचा इतिहास

हेडिंग्ले, एजेंसी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टंग ने पाकिस्तान के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में बड़ी उपलब्धि हासिल की। टंग ने पांच विकेट झटककर मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में 50 विकेट पूरे कर लिए और इस आंकड़े तक पहुंचने वाले पहले गेंदबाज बन गए। उनके शानदार स्पेल की बदौलत पाकिस्तान की पहली पारी 171 रन पर सिमट गई।

टंग ने पांच विकेट लेकर रचा इतिहास

पाकिस्तान के खिलाफ पहली पारी में टंग ने 5 विकेट हासिल किए। इसके साथ ही उन्होंने मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में अपने विकेटों की संख्या 50 पहुंचा दी। वह इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को पीछे छोड़ने में कामयाब रहे। टंग ने इस डब्ल्यूटीसी चक्र में अब तक 10 टेस्ट खेले हैं और 27.18 की औसत से 50 विकेट लिए हैं। उनके नाम तीन बार पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा भी दर्ज है।

स्टार्क और सिराज भी टॉप पर

टंग के बाद मिशेल स्टार्क इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। स्टार्क ने नौ टेस्ट में 19.45 की शानदार औसत से 48 विकेट लिए हैं और उनके नाम भी तीन पांच विकेट हॉल हैं। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। सिराज ने 10 टेस्ट में 26.68 की औसत से 41 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में दो विकेट लेकर सिराज ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ा था।

पाकिस्तान के खिलाफ टंग का कहर

टंग ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने सबसे पहले इमाम-उल-हक को 42 रन के स्कोर पर आउट किया। इमाम ने 74 गेंदों का सामना किया था और अब्दुल्ला शफीक के साथ 91 रन की साझेदारी की थी। इसके बाद टंग ने स्टैंड-इन कप्तान सलमान अली आगा को पवेलियन भेजा। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और अली उस्मान को लगातार गेंदों पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद मोहम्मद अब्बास को आउट कर टंग ने अपना पांच विकेट हॉल पूरा किया।

रॉबिन्सन ने भी झटका पांच विकेट

टंग के साथ ओली रॉबिन्सन ने भी पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। दोनों इंग्लिश तेज गेंदबाजों ने पांच-पांच विकेट लेकर पाकिस्तान को 48.1 ओवर में 171 रन पर समेट दिया। दिलचस्प बात यह है कि 1998 के बाद यह पहली बार है जब इंग्लैंड के दो तेज गेंदबाजों ने एक ही टेस्ट पारी में पांच-पांच विकेट लिए हैं। इससे पहले एंडी कैडिक और एंगस फ्रेजर ने पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

संक्षिप्त समाचार

सीपीएल 2026

गुयाना अमेजन वारियर्स ने सेंट लूसिया किंग्स को 7 विकेट से हराया

सेंट लूसिया, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 में डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए मुकाबले में सेंट लूसिया किंग्स ने गुयाना अमेजन वारियर्स को 7 विकेट से हरा दिया। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट लूसिया किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाए थे। चरिथ असलांका ने 28 गेंदों पर 2 छक्कों और 1 चौके की मदद से 35 रन बनाए। इसके अलावा एंड्रिज गॉस ने 20, कामिल पूरन ने 19, डैरोन नेड ने 17, मैथ्यू फोर्ड और कप्तान रोस्टन चेज ने 14-14 रन बनाए। गुयाना अमेजन वारियर्स के लिए ड्वायन प्रिटोरियस ने 3, शमार जोसेफ ने 2 और रोमारियो शेफर्ड ने 1 विकेट लिए। 152 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी गुयाना को ग्लेन फिलिप्स और मावेंद्र दिनदयाल ने तेज शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 10.3 ओवर में 79 रन जोड़े। फिलिप्स 26 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुए। दिनदयाल ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 51 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 50 रन की पारी खेली। वह दूसरे विकेट के रूप में तब आउट हुए, जब टीम का स्कोर 14 ओवर में 107 रन था। कप्ताम शे होप 17 रन बनाकर आउट हुए। शिमरोन हिटमायर 11 गेंदों पर 1 छक्का और 4 चौकों की मदद से 25 और सैंपसन 4 गेंदों पर 13 रन बनाकर नाबाद रहे। हिटमायर ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। गुयाना ने 3 विकेट के नुकसान पर 18.1 ओवर में 157 रन बनाए और 7 विकेट से मैच जीता। सेंट लूसिया की तरफ से महिश तिक्षाणा ने 2, जबकि जोशुआ बिशप ने 1 विकेट लिए। गुयाना अमेजन वारियर्स की सीजन के दूसरे मैच में यह दूसरी जीत थी, जबकि सेंट लूसिया की पांचवें मैच में यह तीसरी हार थी।

एसीबी ने नूर अहमद का एनओसी रद्द किया, सीपीएल से बाहर हुए अफगान स्पिनर

नई दिल्ली, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 में सेंट लूसिया किंग्स को एक बड़ा झटका लगा है। अफगानिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर नूर अहमद सीपीएल के बचे मैचों में सेंट लूसिया किंग्स के लिए नहीं खेल पाएंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने नूर अहमद उनका नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) रद्द कर दिया है। सेंट लूसिया किंग्स ने नूर अहमद के विकल्प के रूप में न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर टिम सीफर्ट को साइन किया है। सेंट लूसिया किंग्स द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'नूर अब बाकी टूर्नामेंट में सेंट लूसिया किंग्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। फ्रेंचाइजी इस बात से निराश है कि नूर टीम में शामिल नहीं हो पाएंगे। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।' बयान में आगे कहा गया, 'सेंट लूसिया किंग्स टिम सीफर्ट का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं, जो अभी स्क्वाड में शामिल होने के लिए सेंट लूसिया जा रहे हैं।' नूर ने 2020 में किंग्स (तब सेंट लूसिया जॉक्स) के साथ करार किया था। वीजा दिक्कतों की वजह से उन्हें उनके लिए खेलने का मौका नहीं मिला। सीपीएल 2024 में वह टीम के लिए खेले और 12 मैचों में 22 विकेट लेकर न सिर्फ टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज रहे, बल्कि टीम को चैंपियन बनाया।

आईपीएल मत खेलना वरना...

मानव सुतार को मिली चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। मानव सुतार टीम इंडिया के नए स्टार बन गए हैं. श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में उन्होंने कुल 10 विकेट लेकर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया. उन्होंने अभी तक अपने टेस्ट करियर में सिर्फ 2 मैच खेले हैं, लेकिन उन्हें रवींद्र जडेजा का उत्तराधिकारी माना जा रहा है, क्योंकि सुतार जडेजा की ही तरह लेफ्ट-आर्म स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं.

सुतार के दमदार प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने गॉल टेस्ट में 165 रनों से जीत दर्ज की थी. मगर पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने उन्हें चेतावनी दे डाली है. पुजारा ने सलाह देते हुए कहा कि इस स्टार स्पिन गेंदबाज को इंडियन प्रीमियर लीग में नहीं जाना चाहिए. साथ ही पुजारा ने टीम इंडिया मैनेजमेंट से आग्रह किया कि मानव सुतार को रेड बॉल स्पेशलिस्ट गेंदबाज बनाया जाए. चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि युवा खिलाड़ियों के भीतर छोटे फॉर्मेट में खेलने की लालसा होती है, लेकिन मानव सुतार को ऐसा करने से बचना चाहिए. पुजारा के अनुसार सुतार ने आईपीएल खेला तो इसका उनकी गेंदबाजी स्किल्स पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. पुजारा ने कहा, 'सभी युवा खिलाड़ियों चाहते होंगे कि उन्हें छोटे फॉर्मेट में खेलने का अवसर मिले, लेकिन टीम इंडिया को उन्हें (मानव सुतार) को टेस्ट स्पेशलिस्ट बनाना चाहिए. उनका भी आईपीएल में खेलने का मन कर सकता है, लेकिन वहां मत जाना. उन्हें अगर आईपीएल में खेलने का मौका मिलता है, तो वह अच्छा होगा लेकिन जो आपकी ताकत है उसको मत बदलना.'

गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं सुतार

मानव सुतार अभी गुजरात टाइटंस फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं. अपने आईपीएल करियर में उन्होंने अब तक केवल 5 मैच खेले हैं, जिनमें वो सिर्फ 2 विकेट ले पाए हैं. इनमें 4 मुकाबले उन्होंने आईपीएल 2026 में खेले थे. ओवरऑल टी20 करियर में उन्होंने अब तक 29 मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 25 विकेट हैं और इकोनॉमी रेट सिर्फ 7.33 का है.

मानव सुथार के 10 विकेट लेने के पीछे का 'सीक्रेट' पता चल गया

टीम इंडिया के युवा स्पिनर मानव सुथार ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद अपनी शानदार गेंदबाजी का राज खोला है। हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए टेस्ट में 10 विकेट लेकर सुर्खियों में आने वाले मानव सुथार ने बताया कि उनकी सफलता के पीछे 'स्पॉट बॉलिंग' और दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का अहम योगदान है। एक वीडियो में सुथार ने बताया कि वह बचपन में 14-15 साल की उम्र से ही रोजाना 30 से 35 ओवर गेंदबाजी का अभ्यास करते थे। उनका मुख्य फोकस स्पॉट बॉलिंग (एक ही जगह पर लगातार गेंद डालना) पर रहता था। उनका मानना है कि स्पॉट बॉलिंग से ही किसी भी गेंदबाज की सबसे बेस्ट बॉल तैयार होती है। इसके अलावा सुथार ने बताया कि वह बड़े होते हुए रविचंद्रन अश्विन को अपना आदर्श मानते थे। अश्विन की गेंदबाजी और उनकी विविधताओं ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया। गॉल टेस्ट के पहली पारी में सुथार ने 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट अपने नाम किए थे। उनकी इस बॉलिंग की बदौलत भारत ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से करारी शिकस्त दी।

भारत से हार के बाद श्रीलंकाई टीम को ट्रिपल झटका...

दूसरे टेस्ट से 2 स्टार बाहर, एक पर सस्पेंस

नईदिल्ली, एजेंसी। गॉल टेस्ट में श्रीलंकाई टीम को भारत के हाथों 165 रनों की बड़ी हार झेलनी पड़ी थी. अब श्रीलंका को सीरीज बराबर करने के लिए दूसरा टेस्ट जीतना ही होगा. हार या ड्रॉ होने की स्थिति में भारत सीरीज अपने नाम कर लेगा. दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में होना है. कोलंबो टेस्ट से पहले श्रीलंका की मुश्किलें और बढ़ गई हैं. कुसल मेंडिस और दिनेश चांदीमल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं, जबकि पथुम निसंका के खेलने पर भी संशय बना हुआ है. श्रीलंका के हेड कोच गैरी कर्स्टन ने गॉल टेस्ट के बाद खिलाड़ियों की चोट को लेकर अपडेट दिया. उन्होंने साफ किया कि कुसल मेंडिस की हैमस्ट्रिंग की चोट गंभीर है और वह फिलहाल टीम के लिए उपलब्ध नहीं होंगे.गैरी कर्स्टन ने कहा, 'कुसल मेंडिस को हैमस्ट्रिंग की गंभीर चोट लगी है. वह कुछ समय तक उपलब्ध नहीं रहने वाले हैं.' श्रीलंका को सबसे बड़ा झटका दिनेश चांदीमल के रूप में लगा है. चांदीमल को गॉल टेस्ट के दौरान फील्डिंग करते समय गर्दन और कंधे में चोट लगी थी. इसके बाद पसिंदु सूरियाबंडारा को उनके स्थान पर कन्कशन सब्स्टीट्यूट के रूप में उतारा गया था. हालांकि सूरियाबंडारा अपनी पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए थे.

मेजर लीग सॉकर

इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन का मैच 2-2 से हुआ ड्रॉ

चेस्टर, एजेंसी। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन एक्शन में इंटर मियामी सीएफ और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच सुबारू पार्क में खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के लिए कप्तान लियोनेल मेसी और डेनियल पिंटर ने 1-1 गोल किए।

मेजबान फिलाडेल्फिया ने मैच का पहला गोल दागा। इंडियाना वासिलिव ने 11वें मिनट में शानदार गोल करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। मियामी ने 21वें मिनट में गोल करते हुए बराबरी की। मियामी के लिए 21वें मिनट में डेनियल पिंटर ने गोल दागा। यह एमएलएस में पिंटर का पहला गोल था। पिंटर ने फुटबॉल इतिहास के दो बेहतरीन फुटबॉलर्स की मदद से अपने एमएलएस करियर का पहला गोल दागा। ये दो फुटबॉलर मेसी और लुईस सुआरेज थे। मेसी ने बॉक्स के बाईं ओर सुआरेज को गेंद दी, जिन्होंने हेडर से पास को मोड़कर पिंटर को बीच में पहुंचाया, जहां उन्होंने पास से बॉल को गोल पोस्ट में डाल दिया।

डब्ल्यूडब्ल्यूई का रिंग बना मैदान

खिलाड़ियों में हुई जमकर उठा-पटक, लियोनेल मेसी देखते रहे

चेस्टर (अमेरिका), एजेंसी। मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी के मुकाबले में कुछ ऐसा देखने को मिला, जो डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में ही दिखता है। वैसे तो फुटबॉल के मैदान पर खिलाड़ियों के बीच विवाद आम है। कई बार हाथापाई भी

हो जाती है। लेकिन इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच मुकाबले में बात काफी ज्यादा बढ़ गई। यहां खिलाड़ियों के बीच उठा-पटक हो गया। इस मुकाबले के इंजरी टाइम (101वें मिनट) में इंटर मियामी के डिफेंडर ने फिलाडेल्फिया यूनियन के 16 साल के कैवन सुलिवन के खिलाफ बॉक्स के अंदर टैकल किया। इससे वह गिर गए। इंटर मियामी के दूसरे खिलाड़ी इयान फ्रे ने सुलिवन को सिर पर धक्का देने की कोशिश की। इस बीच कैवन सुलिवन ने फ्रे के पैर से हवा में उठाया और जमीन पर पटक दिया। इसके बाद ऐसे लग रहा था जैसे दोनों खिलाड़ी कुश्ती कर रहे हों। इस बीच दोनों टीमों के अन्य खिलाड़ियों ने आकर बीच बचाव किया।

एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप

भारत ने पाकिस्तान का किया गेम ओवर, 5-3 से चटाई धूल

एम्सटेलवीन (नीदरलैंड्स), एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ भारत का 'वर्चस्व' बरकरार है। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में एम्सटेलवीन के वैगनर स्टेडियम में खेले गए पूल डी के मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 5-3 से हराया। भारत ने मुकाबले की शुरुआत दमदार अंदाज में की और गेंद पर कंट्रोल बनाया। मैच के चौथे मिनट में ही भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका भरपूर फायदा उठाते हुए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। 1-0 की बढ़त को भारत ने जल्द ही दोगुना कर दिया। मैच के 11वें मिनट में अभिषेक से मिले शानदार पास को मंदीप सिंह ने गोल में तब्दील किया। पहले क्वार्टर में 2-0 की बढ़त के साथ भारतीय टीम का पूरी तरह से दबदबा रहा। दूसरे क्वार्टर का आगाज भी भारतीय टीम ने शानदार तरीके से किया। मैच के 20वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए कप्तान हरमनप्रीत ने भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान ने मैच में कुछ हद तक वापसी करने की कोशिश की। मैच के 21वें मिनट में पाकिस्तान की तरफ से हन्नान शाहिद ने पहला गोल दागा। इसके ठीक दो मिनट बाद ही अभिषेक ने एक और शानदार गोल दागा और भारत की बढ़त को 4-1 कर दिया। मैच के 24वें मिनट में सुफियान खान ने पाकिस्तान की ओर से दूसरा गोल किया और स्कोर को 4-2 कर दिया। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत के सुखजीत सिंह को ग्रीन कार्ड मिला। मैच के 34वें मिनट मे भारत ने अपनी बढ़त को 5-2 कर दिया। भारत के लिए पांचवां गोल हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर दागा। चौथे और अंतिम क्वार्टर की शुरुआत पाकिस्तान के लिए अच्छी रही। मैच के 45वें मिनट में पाकिस्तान के हन्नान शाहिद ने गोल करते हुए स्कोर को 5-3 कर दिया। इसके बाद भारत और पाकिस्तान की तरफ से गोल करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता हाथ नहीं लगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को गोल करने का कोई और मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने अगले राउंड में अपनी जगह बना ली है। वहीं, हार के साथ पाकिस्तान का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है।

पाकिस्तानी बल्लेबाज ने बना दिया शर्मनाक रिकॉर्ड... 43 साल में पहली बार हुआ ऐसा

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जा रहा है. इस मुकाबले में पाकिस्तान बल्लेबाजों का प्रदर्शन पहली पारी में निराशाजनक रहा और पूरी टीम 171 रनों पर सिमट गई. सलामी बल्लेबाज अजान अवैस ने तो पाकिस्तानी फैन्स की उम्मीदों पर बिल्कुल भी खरे नहीं उतर पाए. मुकाबले की पहली ही गेंद पर ओली रॉबिन्सन ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया. ओली रॉबिन्सन ने मैच की पहली गेंद वॉबल सीम के साथ फेंकी, जो बाएं हाथ के बल्लेबाज अजान अवैस के लिए अंदर की ओर आई. अजान गेंद की लाइन को सही तरीके से पढ़ नहीं सके और गेंद सीधे उनके पैड से जा टकराई. इंग्लैंड की जोरदार अपील के बाद अंपायर क्रिस गैफनी ने उन्हें आउट करार दिया. अजान अवैस ने अंपायर के फैसले को चुनौती देते हुए तुरंत डीआरएस लिया. रिप्ले में साफ हुआ कि गेंद उनके बल्ले से नहीं लगी थी. इसके बाद बॉल ट्रैकिंग में इम्पैक्ट से लेकर विकेट तक तीनों रेड दिखाई दिए. गेंद मिडिल स्टम्प के ऊपरी हिस्से से टकरा रही थी और तीसरे अंपायर ने क्रिस गैफनी के फैसले को बरकरार रखा.

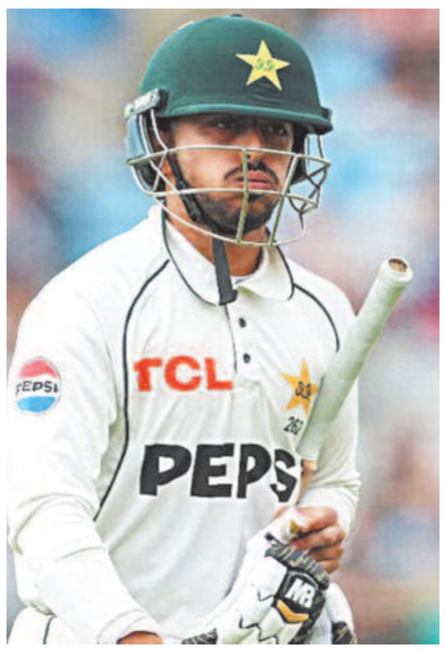

मोहसिन खान के क्लब में एंट्री

इस तरह अजान अवैस को टेस्ट सीरीज की अपनी पहली गेंद पर ही पवेलियन लौटना पड़ा और एक अनचाही लिस्ट में शामिल हो गए. अजान पाकिस्तान के सिर्फ दूसरे ओपनर हैं, जिन्हें किसी टेस्ट की पहली गेंद पर आउट होना पड़ा. इससे पहले 1983 में मोहसिन खान भारत के खिलाफ जालंधर टेस्ट में मैच की पहली गेंद पर आउट हुए थे. यानी पाकिस्तान के किसी ओपनर के साथ 43 साल में यह घटना दोहराई गई.अजान अवैस ने जहां शर्मनाक रिकॉर्ड बनाया, वहीं ओली रॉबिन्सन ने एक खास उपलब्धि हासिल की. वह इंग्लैंड की धरती पर आयोजित किसी टेस्ट मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले केवल चौथे इंग्लिश गेंदबाज बन गए. इस कारनामे की शुरुआत मौरिस टेट ने 1926 में की थी. उन्होंने लीड्स में ऑस्ट्रेलिया के वॉरेन बार्ड्सले को पहली गेंद पर आउट किया था. इसके 48 साल बाद ज्योफ अर्नोल्ड ने 1974 में बर्मिंघम टेस्ट की पहली गेंद पर भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर को पवेलियन भेजा था. 2007 में रयान साइडबॉटम ने वेस्टइंडीज के डेरेन गंगा को चेस्टर-ले-स्ट्रीट टेस्ट की पहली गेंद पर आउट किया था.

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 2445

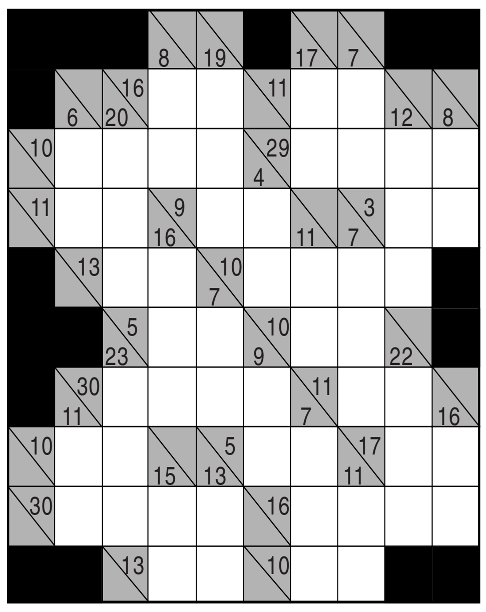

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

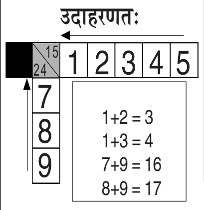

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2444 का हल

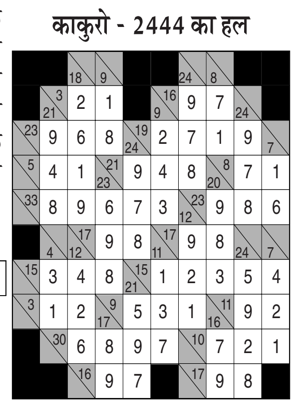

लॉफिंग जौन

एक प्रेमी ने सोचा कि प्रेमिका से विवाह का प्रस्ताव नए अंदाज में किया जाए।

एक दिन प्रेमिका से मुलाकात होने पर उसने कहा- प्रिये! मैं स्वयं को तुम्हें भेंट करना चाहता हूँ।

प्रेमिका ने बुरा सा मुँह बनाकर कहा- मुझे घटिया तोहफे लेने की आदत नहीं हैं।

□ □ □

वकील ने खूबसूरत युवती से पूछा- परसों रात तुम कहाँ थी?

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्त्राँ गई थी।

वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात?

युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ।

वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है?

दूसरा वकील चिल्लाया- ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

□ □ □

पति, पत्नी से- कल रात मैंने एक बहुत बुरा सपना देखा। मैंने देखा कि मैं सुंदर लड़कियों के झुँड में मौजूद हूँ।

पत्नी- तो यह सपना बुरा कैसे हुआ?

पति बोला- क्योंकि सपने में मैं खुद भी तो एक लड़की ही था।

फिल्म वर्ग पहेली- 2445

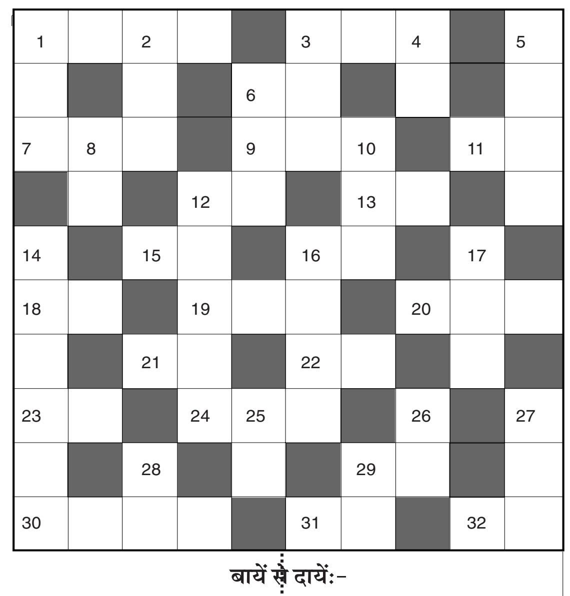

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2444

सूडोकु -2445

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2444 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली -2445

बाएँ से दाएँ

1. सुरक्षित-4
4. माहुर,आलता-4
7. कार्य,काज-2
8. रांझे की प्रेमिका-2
9. स्याही,कालिख-2
10. भूमि,धरा-2
12. ठाठ-बाट-2
14. अधर,होठ-2
16. विशाल,श्रेष्ठ-3
18. आदेश,आज्ञा-4
20. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23. काका की पत्नी-2
24. कामदेव की पत्नी-2
25. जनवासा,हरम-4
28. हमसफर-4
30. कपड़े धोने वाला-3
33. आनंद,मौज-2
35. संदेह-2
37. सरूर,खुमार-2
39. मृत्यु का देवता-2
41. पुण्य का विलोम-2
42. परछाई,छाया-2
43. शिव,रुद्र,शंकर-4
44. सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1. समान,एक जैसा-2
2. बारीक-3
3. भीगा हुआ-2
4. मेरा (संस्कृत-2)
5. पाना,प्राप्त-3
6. घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11. उद्देश्य-2
12. गजल लिखनेवाला-3
13. उस जगह-2
15. बारिश,वर्षा-3
16. जी,चित-2
17. मर्द,आदमी-2
18. दरवेश-3
19. मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21. साजन,प्रेमी-3
22. मुलायम-3
26. कायदा,कानून-3
27. महोदय (अंग्रेजी)-2
28. अधिकार-2
29. खटखटाना-3
31. जगत,दुनिया-2
32. प्राण,जीव-2
34. स्वाद-3
35. प्रतिज्ञा-3
36. शरीर,तन-2
38. संध्या,सांझ-2
40. अपशिष्ट पदार्थ-2
41. मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42. संग,संगत-2

शब्द पहेली -2444 का हल

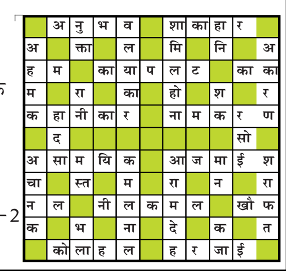

कहीं यह संकेत ब्रेन ट्यूमर के तो नहीं...

कई बार धन और समय की बर्बादी के बावजूद ज्यादातर ब्रेन कैंसर रोगियों का इलाज नहीं हो पाता है। अब 'साइट्रोन थैरेपी' से कैंसर रोगी का आसानी से और कम समय में सुरक्षित उपचार संभव है। इस थैरेपी से इलाज कराने वाले मरीज बेहतर जिंदगी जी रहे हैं। अमरीका के सेटिएगो शहर में रहने वाला जैकब पास्टल जिनकी उम्र 18 साल की है जिसे, फिल्में देखना, गाना सुनना और दौस्तों के साथ समय बिताना और सबसे ज्यादा गिटार बजाना पसंद है, मगर अब वह गिटार नहीं बजा सकता है क्योंकि उसकी बाएं हाथ की उंगलियों ने उसके दिमाग का आदेश मानना बंद कर दिया है क्योंकि उसे ब्रेन कैंसर है। जैक के पिता डेनियल के अनुसार पहले मैं काफी डरा और घबराया हुआ था कि आखिर मेरे बेटे को ही ब्रेन ट्यूमर क्यों हुआ। डेनियल बताते हैं कि अमेरिका के डाक्टर्स ने जैकब के ब्रेन ट्यूमर को लाइलाज बताया था और कहा था कि अब मौत का इंतजार करने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। हर पंद्रह दिन बाद जब जैक को कीमोथैरेपी दी जाती तो उसे देख कर मेरी पूरी फैमिली खुद को बहुत मजबूर पाती थी। हम उसका दु:ख नहीं देख पा रहे थे पर कोई रास्ता भी नहीं था। देश के जाने-माने चिकित्सक डा. एस. एस. सिबिया कहते हैं कि ब्रेन ट्यूमर के सफल उपचार के लिए उसकी यथा शीघ्र पहचाव आवश्यक होता है इसलिए मरीज को ब्रेन टयूमर होने का तनिक भी शक होने पर चिकित्सक के पास जाने में विलंब नहीं करना चाहिए।

लक्षण: आमतौर पर लोग लगातार या अक्सर होने वाले सिर दर्द को गंभीरता से नहीं लेते हैं, लेकिन यह दिमाग के किसी हिस्से में पनप रहे टयूमर का संकेत भी हो सकता है, हालांकि टयूमर शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है लेकिन मस्तिष्क में होने वाले टयूमर ज्यादा खतरनाक होते हैं। अगर सिर में अक्सर दर्द हो, सिर दर्द के साथ उल्टी हो, किसी अंग में कमजोरी महसूस हो, आंखों की रौशनी घट रही हो तथा दिमागी दौरे पड़ते हों तो ये लक्षण ब्रेन टयूमर के हो सकते हैं और ऐसी स्थिति में जांच एवं इलाज में विलंब करना मौत को बुलावा देना साबित हो सकता है। ब्रेन टयूमर किसी भी व्यक्ति को किसी भी उम्र में हो सकता है। जन्म के तुरंत बाद किसी बच्चे से लेकर मौत की कगार पर पहुंचे 80 साल के किसी बूढ़े व्यक्ति को भी ब्रेन टयूमर हो सकता है। डा. सीबिया बताते हैं कि अगर 25 से 30 साल से अधिक उम्र के स्वस्थ व्यक्ति को जिंदगी में पहली बार दौरा पड़ा हो तो यह ब्रेन टयूमर का संकेत हो सकता है। इसके अलावा किसी भी अंग का सुन्न हो जाने, चीटियां चलने जैसा महसूस होने या क्षणिक समय के लिये ताकत कम हो जाने जैसे लक्षण भी मस्तिष्क या स्पाइन के टयूमर के संकेत हो सकते हैं।

बेबी मसाज क्यों जरूरी है

यूंतो बच्चे के विकास में कई बातें मायने रखती हैं, जैसे-सही लालन-पालन, खान-पान, वातावरण आदि, लेकिन इन सबमें मालिश की अपनी अहम् भूमिका है। इसके शारीरिक और मानसिक रूप से कई फायदे हैं। आइए, इसके बारे में संक्षेप में जानते हैं।

- मसाज से बच्चे के शरीरिक-मानसिक विकास में मदद मिलती है।
- मां और बच्चे के बीच घनिष्ठता और विश्वास निर्मित होता है।
- मालिश से शिशुकाल के बाद भी मां-बच्चे के बीच लंबे समय तक बातचीत करने के लिए नींव बनती है।
- एकाग्रता, प्रेरणा और शारीरिक सम्पर्क का विकास होता है।
- मां बच्चे के बीच का बंधन मजबूत होता है।
- पेशियों के तनाव को दूर करता है।
- मालिश आपमें यह आत्मविश्वास पैदा करता है कि आप अपने बच्चे को संभालने में समर्थ हैं।
- बच्चे को अधिक देर तक सुकून की नींद मिलती हैं।
- बच्चे की स्नायु तंत्रिका की स्थिरता को बढ़ाने के साथ-साथ बीमारियों की संभावताओं को भी रोकता है।
- आपके और बच्चे के लिए मनोरंजन के कई क्षण जुटाता है।
- कामकाजी अभिभावकों को उनके बच्चे के विकास में पूरी तरह से शामिल करता है।
- जब बच्चा जगा रहता है तो अधिक सजग और मिलनसार रहता है।
- जन्म के बाद के तनाव को कम करने में मदद मिलती है।

- एक समय के बाद जन्म से जुड़ी कई शारीरिक और मानसिक चोट या घाव आदि को दूर करने में मदद मिल सकती है।
- बच्चे के मूड, जरूरत, इच्छा को समझने में मदद मिलती है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY
DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)
DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)
CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.
CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

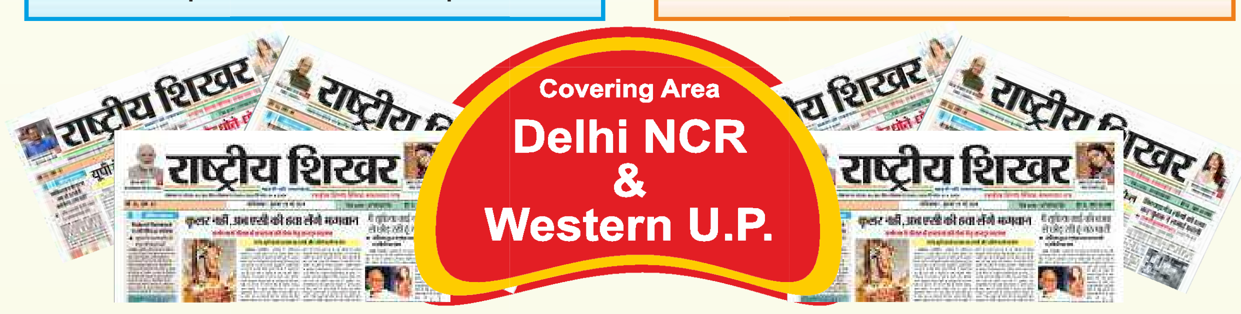

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.
Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

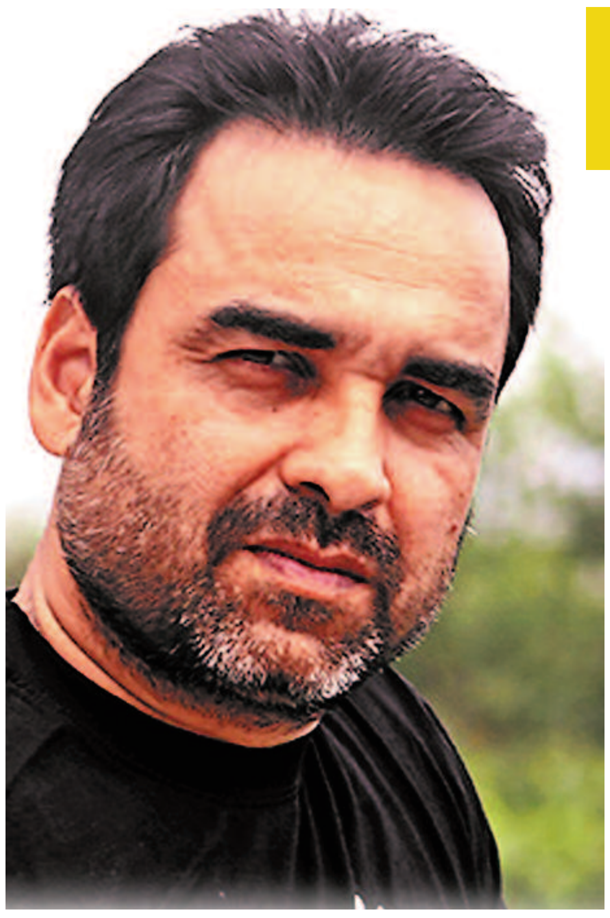

जानता हूं अवसर मिलने का क्या मतलब होता है

अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने खास बातचीत में बताया है कि उनके हिसाब से आजादी का क्या मतलब है। उन्होंने यह भी बताया है कि आज का भारत कैसा होना चाहिए।

आखिर आजादी की असली परीक्षा कब होती है? जब कोई हमें रोक रहा हो या तब, जब कोई रोकने वाला ही न हो? पर अभिनेता पंकज त्रिपाठी के पास इसका अपना जवाब है। बिहार के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के अलग-अलग हिस्सों में काम करने और लोगों से मिलने वाले पंकज ने भारत को कई रंगों में देखा है। मगर उनके लिए इन सारे रंगों के पीछे एक चीज हमेशा एक जैसी रही- अपनापन।

एक चीज जो हम सबको जोड़ती है

पंकज कहते हैं, 'मेरे हिसाब से पिछले 80 वर्षों में हमने सबसे अच्छी चीज अपनी विविधता और साथ रहने की भावना को बचाया है। भारत में इतनी भाषाएं हैं, इतनी संस्कृतियां हैं, इतने अलग-अलग तरह के लोग हैं, फिर भी एक भारतीय होने की भावना हम सबको जोड़ती है। मैं बिहार के एक छोटे से गांव से आता हूं, वहां से निकलकर देश के अलग-अलग हिस्सों में काम करने और लोगों से मिलने का मौका मिला। हर जगह मुझे भारत का एक अलग रंग दिखाई दिया, लेकिन उस रंग के पीछे एक अपनापन हमेशा एक जैसा लगा।'

कहीं हम समझना और सुनना कम न कर दें

पंकज आगे कहते हैं, 'आज हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। तकनीक हमारे जीवन का बड़ा हिस्सा बन गई है। मगर इसी भागदौड़ में कहीं ऐसा न हो कि हम एक-दूसरे को समझना और सुनना कम कर दें। अब मुझे लगता है कि हमें अपनी संवेदनशीलता और इंसानियत को बचाना बहुत जरूरी है। विकास बहुत जरूरी है, लेकिन विकास के साथ अगर संवेदना बची रहे, तो वही असली तरक्की है। मुझे लगता है कि आने वाली पीढ़ी के लिए हमें सिर्फ बेहतर सड़कें और बेहतर इमारतें नहीं, बल्कि एक बेहतर समाज भी छोड़कर जाना है।'

'मुझे आज के भारत की ऊर्जा और आत्मविश्वास पर बहुत गर्व होता है। खासकर हमारे युवाओं को देखकर। आज का युवा छोटे शहर या गांव से निकलकर दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। वह बड़े सपने देखने से डरता नहीं। मुझे यह बदलाव बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि मैं खुद एक छोटे से गांव से आया हूं और जानता हूं कि अवसर मिलने का क्या मतलब होता है।'

बच्चे के सपनों की सीमा तय ना करें

बातों ही बातों में पंकज ने कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि हमें अभी समान अवसर और शिक्षा के मामले में बहुत आगे जाना है। मेरे लिए तरक्की का मतलब तभी पूरा होगा जब एक छोटे से गांव में रहने वाले बच्चे को भी यह महसूस हो कि उसके सपनों की कोई सीमा नहीं है। अगर प्रतिभा सिर्फ इसलिए पीछे रह जाए क्योंकि उसके पास संसाधन नहीं हैं, तो यह हमारे लिए सोचने की बात है। मैं चाहता हूं कि आने वाले वर्षों में हमारा भारत ऐसा हो, जहां किसी बच्चे का भविष्य इस बात से तय न हो कि वह किस घर में, किस शहर में या किस गांव में पैदा हुआ है।

आजादी का मतलब

'मेरे लिए आजादी का असली टेस्ट तब होता है जब आपको पूरी आजादी दी गई हो। जब कोई रोक रहा होता है, तब तो हमें पता होता है कि हमारे सामने एक दीवार है और हमें उससे लड़ना है। लेकिन जब कोई दीवार नहीं होती, कोई आपको नहीं रोक रहा होता, तब आप क्या चुनते हैं, वहीं आपकी असली आजादी और आपकी असली जिम्मेदारी सामने आती है।' मेरे लिए आजादी यह भी है कि मैं जो सही समझता हूं, उसकी जिम्मेदारी लेने की हिम्मत रखूं। मुझे अपने जीवन में भी यह महसूस हुआ है कि आजादी के साथ अनुशासन और जिम्मेदारी बहुत जरूरी हैं। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस आजादी के लिए संघर्ष किया, वह सिर्फ अपने लिए जीने की आजादी नहीं थी। आज जब हमें इतनी आजादी मिली हुई है, तो हमें खुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि हम इस आजादी का इस्तेमाल सिर्फ अपने लिए कर रहे हैं या अपने आसपास की दुनिया को थोड़ा बेहतर बनाने के लिए भी।

श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' की रिलीज आगे बढ़ी

बॉलीवुड की दो मच अवेटेड फिल्मों की रिलीज डेट मेकर्स ने अनाउंस की। जहां एक और आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म 'उड़ता तीर' के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट तय की। वहीं दूसरी तरफ श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा ली। अब ये दोनों फिल्में कब रिलीज होंगी

श्रद्धा कपूर की बहुप्रतिक्षित फिल्म 'ईठा' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म लावणी साम्रज्ञी विठाबाई नारायणगावकर के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने पांच दशक तक लावणी लोककला को अपना जीवन समर्पित किया।

'टॉक्सिक' से टाला क्लैश

पहले यह फिल्म इसी महीने 28 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, जहां इसकी टक्कर 26 अगस्त को रिलीज होने जा रही मल्टीस्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' से होती। अब मेकर्स ने इसे 4 दिसंबर 2026 को रिलीज करने का फैसला किया है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है। फिल्म में श्रद्धा के अलावा रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

भले ही फिल्म 'ईठा' ने 'टॉक्सिक' से टकराव बचा लिया है पर 4 दिसंबर को इसका टकराव प्रभास की फिल्म 'फौजी' से होगा। फिलहाल 'फौजी' की रिलीज डेट 3 दिसंबर 2026 है।

कब रिलीज होगी 'उड़ता तीर'

फिल्म 'उड़ता तीर' से आयुष्मान खुराना और सारा अली खान एक बार फिर पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। यह एक स्पाई-कॉमेडी फिल्म है जो 9 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन आकाश ए. कौशिक ने किया है। वहीं फिल्म में निर्माताओं की लंबी लिस्ट है। फिल्म का निर्माण करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, गुनीत मोंगा कपूर और अचिन जैन मिलकर कर रहे हैं।

अमृता खानविलकर ने निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें फैलाने को चेतावनी दी

अभिनेत्री अमृता खानविलकर और हिमांशु मल्होत्रा काफी वक्त से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। बी-टाउन में काफी वक्त से ऐसी अटकलें लग रही हैं कि इनके रिश्ते में दरार आ गई है और तलाक हो रहा है। इन्हें अमृता ने निराधार बताया है। साथ निजी जिंदगी को लेकर ऐसी अफवाहें प्रसारित करने वालों को भी चेताया है।

अभिनेत्री अमृता के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें उनकी लीगल टीम की तरफ से इस तरह की खबरों को एकदम निराधार बताया गया है। साथ ही अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी एक्शन लेने की चेतावनी भी दी है। अमृता की कानूनी टीम ने नोट साझा करते हुए लिखा है, 'आधिकारिक कानूनी बयान - 10 अगस्त 2026 से लागू। हमारे ध्यान में आया है कि कुछ ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म अमृता खानविलकर और उनके निजी जीवन के बारे में ऐसा कंटेंट फैला रहे हैं, जो बेबुनियाद है। यह प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला है और उनकी प्राइवेसी का उल्लंघन करता है। आगे लिखा है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाता है, लेकिन अमृता खानविलकर के बारे में मानहानि वाले बयान, अफवाहें, बिना पुष्टि वाले आरोप या गुमराह करने वाली जानकारी फैलाने या शेयर करने के लिए इस स्वतंत्रता का कोई भी गलत इस्तेमाल गंभीरता से लिया जाएगा। जहां भी उपलब्ध सबूतों से पुष्टि होती है, वहां ऐसे कंटेंट को बनाने, फैलाने या शेयर करने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों, संस्थाओं या संगठनों के खिलाफ लागू कानून के अनुसार उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। ऐसे सभी मामलों पर नजर रखी जा रही है और उचित कानूनी कार्रवाई के लिए उनका रिकॉर्ड रखा जा रहा है। मराठी फिल्म जगत की चर्चित अभिनेत्री अमृता खानविलकर की शादी हिमांशु मल्होत्रा के साथ साल 2015 में हुई थी। दोनों की मुलाकात साल 2004 में हुई थी। लंबे वक्त तक दोनों रिलेशनशिप में रहे। फिर साल 2015 में शादी का फैसला लिया।

सामंथा होस्ट करेंगी 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल'

शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' में तमिल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कुछ जाने-माने चेहरे शूटिंग से हटकर किचन में नजर आएंगे। वह मुश्किल कुकिंग चैलेंजेस का सामना करेंगे। इस शो का एक प्रोमो भी जारी किया गया, जिसमें सामंथा कहती हैं, 'हमारे शहर में, हम जो भी करते हैं, स्टाइल के साथ करते हैं, एकदम जबरदस्त अंदाज में, है ना? भले ही वह सिर्फ खाना बनाना ही क्यों न हो। फिल्मों में एक्शन 'कट' के साथ शुरू और खत्म होता है। लेकिन यहां असली एक्शन 'कट' के बाद ही शुरू होता है। चाहे शूट हो या किचन, जीतने के लिए हमेशा जुनून की जरूरत होती है।'

शो को लेकर उत्साहित हैं सामंथा?

'मिर्जापुर द मूवी' पर बोले फरहान अख्तर

एक्टर-प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने 'मिर्जापुर' सीरीज को इतना प्यार देने के लिए फैंस का शुक्रिया अदा किया है। इसी प्यार की वजह से मेकर्स 'मिर्जापुर: द मूवी' बनाने के लिए प्रेरित हुए। 'मिर्जापुर: द मूवी' के ट्रेलर लॉन्च पर, प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने फिल्म की रिलीज डेट को लेकर दुनिया भर के फैंस के उत्साह का जिक्र किया। मीडिया से बात करते हुए फरहान ने कहा कि अपकमिंक फिल्म फैंस की मांग का नतीजा है। फरहान अख्तर ने कहा, 'यह शो फैंस के प्यार का नतीजा है। उन्होंने शो को तब से सपोर्ट किया है, जब यह पहली बार रिलीज हुआ था। अमेजन इसे दुनिया भर में ले गया। मैं जहां भी जाता था, लोग मुझसे पूछते थे, 'मिर्जापुर कब आ रहा है?' जब इसकी घोषणा हुई, तो लोग मुझसे रिलीज डेट पूछते थे, इसलिए असल में फैंस ने ही इस फिल्म की मांग की है। हम बहुत खुश और आभारी हैं कि हमने इसे ओरिजिनल कास्ट और शानदार नई कास्ट के साथ मिलकर बनाया है।' वहीं जितेंद्र ने फैंस से एक गुजारिश की है। उन्होंने कहा 'बबलू भैया पर भी उतना ही प्यार बरसाएं, जितना उन्होंने 'पंचायत' में जीतू भैया पर बरसाया था, क्योंकि अब बबलू भैया की वापसी हो रही है।'

'लॉक अप 2' में मुझसे फायदा छीनकर किसी और को दे दिया गया

'लॉक अप 2' की विनर बनीं श्रेया कालरा की जीत पर दर्शक लगातार सवाल उठा रहे हैं। इस जीत को लेकर श्रेया को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। अब श्रेया ने सोशल मीडिया के जरिए अपने आलोचकों को कड़ा जवाब दिया है। श्रेया कालरा की जीत को कुछ दर्शक स्क्रिप्टेड और पक्षपातपूर्ण बता रहे हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम के जरिए 'लॉक अप 2' की विजेता ने फैंस के सवालों का जवाब दिया। श्रेया ने जब प्रतियोगियों को वापस लाया गया तो लोगों ने शो को पक्षपाती क्यों नहीं कहा? जब उन्हें सीक्रिट रूम के रखा गया तब यह सवाल क्यों नहीं उठाया गया? शो में मुझसे फायदा छीनकर किसी और को दे दिया गया। इस तरह के सवाल शो में बाकि प्रतियोगियों के लिए क्यों नहीं उठाये गए?

लॉकअप सीजन 2 के विजेता का खिताब जीतने के बाद श्रेया कालरा को पुरस्कार में एक चमचमाती ट्रॉफी मिली थी। इसके अलावा एक करोड़ रुपये की राशि भी उन्हें मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रेया कालरा मामूली अंतर से जीती थीं। उन्होंने शिवांगी जोशी को सात वोटों से हराया था। बता दें कि पांच फाइनलिस्ट चुने गए थे। फाइनल में राम कपूर, शिवांगी जोशी, श्रेया कालरा, योगेश रावत और आकांक्षा चमोला ने जगह बनाई थी।

फराह खान पर भी लगे पक्षपात के आरोप

इससे पहले निर्देशक फराह खान ने अपने व्लॉग में भी 'लॉक अप 2' में खुद पर लगे आरोपों पर बात की थी। उन्होंने कहा, ' शो होस्ट करने के दो हफ्ते बाद मुझे पता चला कि लोग कमेंट कर रहे हैं कि मैं पक्षपाती होस्ट हूं, क्यों? क्योंकि श्रेया और मेरी यूट्यूब कंपनी एक ही टीम के द्वारा चलाई जाती हैं। उस कंपनी के पास 70 कंटेंट क्रिएटर हैं, तो क्या? पता नहीं मैं पक्षपाती कैसे हो सकती हूं?'

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप का दावा: 2020 चुनाव में 24 हजार गैर-नागरिकों ने डाला वोट; क्या जांच में और बढ़ेगा आंकड़ा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एक बार फिर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी जनगणना ब्यूरो 2020 के मतदाता आंकड़ों को नागरिकता संबंधी जानकारी से मिलाकर जांच कर रहा है। ट्रंप ने दावा किया कि शुरुआती 12.8 करोड़ मतदाताओं की जांच में 24 हजार से ज्यादा गैर-नागरिकों ने अवैध तरीके से मतदान किया। ट्रंप ने कहा, जनगणना ब्यूरो ने 2020 के मतदाता आंकड़ों को उनके नागरिकता रिकॉर्ड से मिलाकर जांच शुरू कर दी है। पहले 128,000,000 मतदाताओं की जांच में जनगणना ब्यूरो ने साबित किया है कि 24 हजार से ज्यादा गैर-नागरिकों ने अवैध रूप से वोट किया। जनगणना ब्यूरो अब अगले 3.2 करोड़ मतदाताओं का विश्लेषण करने जा रहा है और यह संख्या बहुत बढ़ जाएगी। इससे पहले ट्रंप ने भारत की चुनाव व्यवस्था की तारीफ करते हुए कांग्रेस से सेव अमेरिका एक्ट पारित करने की अपनी मांग फिर दोहराई। ट्रुथ सोशल पर एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ हाल की बातचीत का जिक्र किया और भारत में मतदाताओं के लिए फोटो पहचान पत्र के इस्तेमाल की बात कही। ट्रंप ने कहा, इस महीने की शुरुआत में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा- अमेरिका में वैध फोटो पहचान पत्र के बिना आप चुनाव कैसे करा सकते हैं उन्होंने भारत में हुए सबसे हाल के आम चुनाव का भी जिक्र किया और कहा- भारत के पिछले चुनाव में 646,000,000 मतदाता थे। 1 प्रतिशत से भी कम लोगों ने डाक से मतदान किया और हर एक मतदाता के पास एक वैध फोटो पहचान दस्तावेज होना जरूरी था।

जमात फैक्टर में उलझी बांग्लादेशी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा; तीस्ता कितना बड़ा मसला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान को सितंबर में वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से द्विपक्षीय यात्रा का निमंत्रण भी दिया गया है। ढाका अब तक इस यात्रा का फैसला नहीं कर पाया है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय का कहना है कि यात्रा के लिए अनुकूल माहौल बनना जरूरी है और शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा भी उठाया जा रहा है। लेकिन, असल मसला जमात-ए-इस्लामी फैक्टर से जुड़ा हुआ है। रहमान की दुविधा केवल यह नहीं है कि भारत से उन्हें क्या हासिल करना है। उन्हें यह भी देखना है कि भारत के साथ किसी बड़े मेलमिलाप की घरेलू राजनीतिक कीमत कितनी होगी। बांग्लादेश के हालिया आम चुनाव में जमात-ए-इस्लामी प्रमुख विपक्ष बनकर उभरा है। उसके पास 68 सीटें हैं और उसके अमीर शफीकुर रहमान विपक्ष के नेता हैं। इतनी मजबूत और संगठित इस्लामवादी ताकत को राजनीतिक रूप से नजरअंदाज करना आसान नहीं है। जमात भारत से संबंध तोड़ना नहीं चाहती है। पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में भारत के साथ पारस्परिक सम्मान और निष्पक्षता के आधार पर संबंधों की बात की थी। समस्या भारत के साथ संबंधों की शर्तों और पुराने राजनीतिक अविश्वास की है।

ईरान के निशाने पर यूएई: दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलें, एक क्षेत्रीय जल में गिरी; रक्षा मंत्रालय ने खोला राज

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की ओर मिसाइल खतरे को लेकर जारी अलर्ट के बाद देश के रक्षा मंत्रालय ने बड़ा दावा किया है। मंत्रालय के मुताबिक, एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरान से यूएई की दिशा में दागी गईं दो बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाया। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों मिसाइलों में से पहली देश के क्षेत्रीय जल से बाहर जा गिरी, जबकि दूसरी मिसाइल यूएई के क्षेत्रीय जल में गिरी। मंत्रालय के बयान के मुताबिक, इस घटना के बाद भी देश की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सतर्क है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि वह हाई अलर्ट पर है और किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि देश की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी कोशिश का मजबूती से सामना किया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, यूएई का उद्देश्य देश की संप्रभुता, सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखना है। साथ ही राष्ट्रीय हितों और क्षमताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाने की तैयारी है।

रहमान के भारत दौरे को यादगार बनाना चाहते हैं पीएम मोदी; अधिकारियों को दिया गया निर्देश

ढाका, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में हालिया तनाव के बावजूद नई दिल्ली संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश कर रही है। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का प्रस्तावित भारत दौरा यादगार हो। भारत ने आपसी भरोसे, व्यापार, निवेश और युवाओं के लिए अवसरों को द्विपक्षीय संबंधों का आधार बनाने पर जोर दिया है। हालांकि, शेख हसीना के प्रत्यर्पण और उनके भारत से दिए गए हालिया मीडिया संदेश को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद अब भी बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

रहमान के स्वागत को लेकर पीएम मोदी का भरोसा : राजदूत की ये बातें मंगलवार को ऐसे समय में सामने आईं, जब 12-13 सितंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में रहमान के प्रस्तावित दौरे को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। यह अनिश्चितता ढाका की ओर से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच पैदा हुई नई तल्खी के कारण है। द बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, त्रिवेदी ने मंगलवार को भारतीय उच्चायोग की ओर से बांग्लादेश के प्रमुख कारोबारी नेताओं और कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल के लिए

आयोजित एक स्वागत समारोह में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संदेश था कि दोनों नेताओं को मुलाकात करनी चाहिए।

मोदी चाहते हैं दौरा बने यादगार : बैठक के दौरान राजदूत त्रिवेदी ने भरोसा दिलाया कि भारत दौरे के दौरान पीएम रहमान का उचित और सम्मानजनक स्वागत किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने बस एक बात कही। हमें मिलना चाहिए। और आप मेरी तरफ से उन्हें बता सकते हैं कि उन्हें भारत के प्रधानमंत्री का भरोसा है कि जब बांग्लादेश के प्रधानमंत्री भारत आएंगे, तो उनका वैसा ही सम्मानजनक स्वागत होगा, जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों नेताओं के बीच मजबूत संबंधों से अंततः दोनों पड़ोसी देशों के लोगों और कारोबारियों को फायदा मिलेगा। इस अंतर को पाटने में दुनिया भर के व्यापारियों की बड़ी भूमिका है।

अतीत के मतभेदों को सुलझाकर आगे बढ़ने की अपील : त्रिवेदी ने कहा कि दोनों देशों को भविष्य की ओर देखते हुए अतीत के मतभेदों को सुलझाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा कि आप अतीत को भूल जाएं, लेकिन अतीत को ध्यान में रखते हुए पुराने मतभेदों को सुलझाएं। और आगे बढ़ें। एक जगह न रुकें। जीवंत लोकतंत्रों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है और बातचीत तथा आपसी जुड़ाव के जरिए उन्हें सुलझाया जा सकता है। हम बांग्लादेश के भाइयों और बहनों की चिंताओं को अच्छी तरह समझते हैं। लेकिन यह बराबरी की साझेदारी है।

रिश्तों की बुनियाद है आपसी भरोसा : उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच टिकाऊ रिश्तों के लिए आपसी विश्वास बेहद जरूरी होगा। किसी भी लंबे समय तक चलने वाले रिश्ते की नींव आपसी और बिना शर्त भरोसा होती है। भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति पर जोर देते हुए त्रिवेदी ने कहा कि दोनों देशों के रिश्तों में कुछ मुश्किलें जरूर आई हैं, लेकिन इन मुश्किलों को व्यापक द्विपक्षीय संबंधों को कमजोर करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

हसीना को लेकर फिर बढ़ी भारत-बांग्लादेश की तल्खी : 5 अगस्त को नई दिल्ली से हसीना की वर्चुअल मीडिया बातचीत के बाद हाल के दिनों में दोनों देशों के रिश्तों में आई तल्खी के बीच रहमान की प्रस्तावित भारत यात्रा का मुद्दा अहम हो गया है। बांग्लादेश ने इस मीडिया बातचीत पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कार्यक्रम से वहां के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और इसका भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिशों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हसीना से जुड़े इस मीडिया कार्यक्रम में उसकी कोई भूमिका नहीं थी और वह उस मंच पर बांग्लादेश सरकार के बारे में कही गई किसी भी बात का समर्थन नहीं करता है।

हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर जारी है गतिरोध : अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद हसीना को सत्ता से हटा दिया गया था और वह भारत आ गई थीं। नवंबर 2025 में बांग्लादेश की एक विशेष ट्रिब्यूनल ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान कथित ÷मानवता के खिलाफ अपराधों÷ के लिए उन्हें उनकी गैर-मौजूदगी में मौत की सजा सुनाई। इसके बाद से ढाका लगातार भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। वहीं, नई दिल्ली का कहना है कि प्रत्यर्पण के अनुरोध की जांच लागू कानूनों और स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं के तहत की जा रही है।

पिया डांडिया ने फ्लोरिडा में डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राइमरी चुनाव जीता; अब किससे होगा मुकाबला

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की अमेरिकी और स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल पिया डांडिया ने फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेस क्षेत्र के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राथमिक चुनाव जीत लिया है। अब नवंबर में होने वाले चुनाव में उनका मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के कैसी असकर से होगा। कैसी असकर पूर्व नौसैनिक हैं। डांडिया को 68.6 फीसदी मत मिले। उन्होंने वकील कायसिया अर्ली को हराया, जिन्हें 31.4 फीसदी मत मिले।

पिया डांडिया ने क्या कहा : डांडिया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, फ्लारिडा-22, इस अभियान पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद। मैं अपने छात्रों, अपने बेटे और इस जिले में बड़े हो रहे हर उस बच्चे के लिए चुनाव में उतरी, जो बेहतर भविष्य का हकदार है। उन्होंने कहा, साथ मिलकर हम खर्च कम करने, भ्रष्टाचार खत्म करने और वॉशिंगटन को फिर से हमारे लिए काम करने वाला बनाने के अभियान को आगे बढ़ाएंगे। मैं आप सभी के साथ यह करने के लिए आभारी हूं। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी (डीएनसी) ने प्राथमिक चुनाव में डांडिया की जीत पर उन्हें बधाई दी। कमेटी ने एक बयान में कहा, एक शिक्षिका और अपने समुदाय में लंबे समय से नेतृत्व करने वाली पिया ने लोगों के लिए नए अवसर बढ़ाने और कामकाजी परिवारों के लिए लड़ने के लिए खुद को समर्पित

किया है। वह दक्षिण फ्लोरिडा के परिवारों के लिए किराने का सामान, स्वास्थ्य सेवाओं और घर की लागत कम करने के लिए कांग्रेस में लड़ने के लिए तैयार हैं। बयान में कहा गया, डीएनसी पिया को जिताने, इस सीट को पलटने और नवंबर में सदन में बहुमत वापस लाने में मदद करने के लिए तैयार है।

पहले किस सीट से चुनाव लड़ना चाहती थीं डांडिया : भारत से अमेरिका जाकर बसे माता-पिता की बेटी डांडिया ने इससे पहले फ्लोरिडा के 21वें जिले से रिपब्लिकन पार्टी के ब्रायन मास्ट को चुनौती देने की कोशिश की थी। ब्रायन मास्ट विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं। हाई स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल डांडिया बाद में दक्षिण फ्लोरिडा के 22वें जिले में चली गईं। यह सीट चुनावी क्षेत्र के नए परिसीमन में बनाई गई थी और यहां कोई मौजूदा सांसद चुनाव मैदान में नहीं था।

27 साल अमेरिका में रहीं, ग्रीन कार्ड भी था; फिर भी भारतीय मूल की महिला हिरासत में, क्यों हुई कार्रवाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय मूल की वेंकटा वसमसेट्टी को अमेरिकी इमिग्रेशन एवं कस्टम्स एन्फोर्समेंट यानी आईसीई ने हिरासत में लिया है। वसमसेट्टी वर्ष 1999 में अमेरिका गई थीं और करीब 27 साल से वहीं रह रही थीं। वर्ष 2013 से वह ग्रीन कार्ड धारक हैं। इसके बावजूद उनके खिलाफ निर्वासन की कार्रवाई शुरू हुई थी।

परिवार के लिए मामला इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि इमिग्रेशन कोर्ट कुछ महीने पहले ही उनके खिलाफ चल रहा निर्वासन मामला खारिज कर चुका था। मामले की शुरुआत वर्ष 2022 की एक यात्रा से जुड़ी है। वसमसेट्टी अपने बीमार माता-पिता की देखभाल के लिए भारत आई थीं। इसी दौरान वह कोविड से संक्रमित हो गईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के कारण उनकी अमेरिका वापसी में देरी हुई। वह करीब सात महीने बाद फरवरी 2023 में अमेरिका लौटीं। अमेरिकी सरकार ने लंबे समय तक अमेरिका से बाहर रहने को इस सवाल से जोड़ा कि क्या उन्होंने अमेरिका में अपना स्थायी निवास छोड़ दिया था। वसमसेट्टी के परिवार और उनकी कानूनी टीम का कहना है कि भारत में रहने के दौरान भी उनका अमेरिका से संबंध बना हुआ था। उनके मुताबिक, अमेरिका में उनका घर, नौकरी और पारिवारिक संबंध मौजूद थे। यानी भारत में लंबे समय तक रुकने के बावजूद उनका इरादा अमेरिका में अपना स्थायी निवास छोड़ने का नहीं था। इसी मामले में उनके खिलाफ निर्वासन की प्रक्रिया आगे बढ़ी थी।

वसमसेट्टी के वकील के अनुसार, सरकार तय समयसीमा में उनके खिलाफ जरूरी सबूत पेश नहीं कर सकी। इसके बाद 19 मई 2026 को इमिग्रेशन जज ने उनके खिलाफ चल रहा निर्वासन का मामला खारिज कर दिया। कानूनी टीम का कहना है कि इस फैसले के बाद भी वसमसेट्टी वैध स्थायी निवासी बनी रहीं। इसके बावजूद उन्हें आईसीई के साथ नियमित चेक-इन के लिए बुलाया जाता रहा। 11 अगस्त को वसमसेट्टी नॉर्थ कैरोलिना के शार्लोट स्थित आईसीई कार्यालय में नियमित चेक-इन के लिए पहुंचीं।

तय समय से पहले खत्म होगा अमेरिका-दक्षिण कोरिया का सैन्य अभ्यास; क्या है ट्रंप के फैसले की वजह

सिओल, एजेंसी। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच इस हफ्ते की शुरुआत में शुरू हुआ संयुक्त सैन्य अभ्यास उल्ची फ्रीडम शील्ड (यूएफएस) तय समय से पहले खत्म किया जाएगा। अभ्यास के तहत होने वाला मैदानी प्रशिक्षण भी कम किया जाएगा।

दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने सेना के हवाले से इसकी पुष्टि की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में इस सैन्य अभ्यास का आकार घटाने की बात कही थी, जिसके बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। योनहाप के मुताबिक, दोनों देशों की सेनाओं ने सैन्य अभ्यास को शुक्रवार तक खत्म करने पर सहमति जताई है। इससे अभ्यास की अवधि करीब आधी रह जाएगी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने एक बयान में यह जानकारी दी।

यूएफएस सैन्य अभ्यास 17 से 27 अगस्त तक चलने वाला था। ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के मुताबिक, सैन्य अभ्यास का एक अहम हिस्सा मैदानी प्रशिक्षण भी कुछ हद तक कम किया जाएगा। दोनों देशों की सेनाओं के बीच इसको लेकर बातचीत चल रही है। जल्द ही इसकी पूरी योजना तय की जाएगी। उन्होंने कहा, दक्षिण कोरिया और अमेरिका यूएफएस अभ्यास के उद्देश्यों को हासिल करने और दोनों देशों की सेनाओं की मजबूत संयुक्त रक्षा व्यवस्था बनाने के लिए आगे अलग-अलग कदमों पर चर्चा करने और उन्हें लागू करने पर सहमत हुए हैं। योनहाप के मुताबिक, अमेरिका और सिओल ने अभ्यास के दूसरे हिस्से को कथित तौर पर रद्द कर दिया है। इस हिस्से में दुश्मन के हमले के बाद जवाबी हमला करने की स्थिति का प्रशिक्षण होना था। समाचार एजेंसी ने बताया कि यूएफएस का मुख्य उद्देश्य उत्तर कोरिया से जुड़े संभावित खतरों से निपटने की तैयारी करना है। उसने यह भी बताया कि 2019 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान भी अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास के आकार को कम किया गया था। उस समय उत्तर कोरिया के साथ परमाणु मुद्दे पर बातचीत अपने सबसे अहम दौर में थी। इस बीच, सीएनएन ने दक्षिण कोरिया में तैनात अमेरिकी सेना के एक प्रवक्ता के हवाले से बताया कि इस साल के सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया की बदलती सैन्य क्षमताओं के हिसाब से तैयार किया गया था। इसमें ड्रोन, जीपीएस व्यवस्था में रुकावट और साइबर हमलों से निपटने का प्रशिक्षण भी शामिल किया जाना था।

समुद्र के बाद जमीन पर भी रॉकेट की सफल वापसी; क्या स्पेसएक्स को टक्कर देने की तैयारी में चीन

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने पहली बार किसी रॉकेट के पहले हिस्से को जमीन पर सफलतापूर्वक वापस उतार लिया है। सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। चीन अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए इस तकनीक को विकसित कर रहा है। जमीन पर रॉकेट के पहले हिस्से को वापस उतारना चीन की पहली सफल कोशिश है। लेकिन रॉकेट के किसी हिस्से को वापस हासिल करने की यह चीन की दूसरी सफलता है। इससे पहले जुलाई में समुद्र में बने एक प्लेटफॉर्म पर रॉकेट के हिस्से को सफलतापूर्वक वापस उतारा गया था। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले रॉकेट झूके-3 को बुधवार सुबह छोड़ा गया। इसके बाद रॉकेट के पहले हिस्से को सफलतापूर्वक वापस उतार लिया गया।

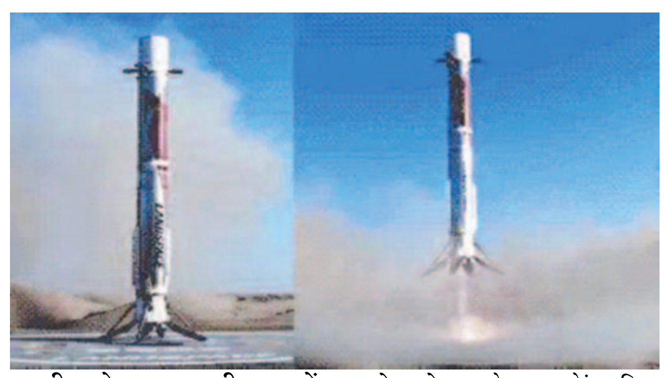

चीन ने यह तकनीक क्यों विकसित की : एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स और जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन 2015 से रॉकेटों को वापस उतार रही हैं। इससे रॉकेट के उन हिस्सों को दोबारा इस्तेमाल करके अंतरिक्ष में उपग्रह और दूसरे सामान भेजने की लागत कम करने में मदद मिली है, जिन्हें पहले इस्तेमाल के बाद फेंक दिया जाता था। शिन्हुआ ने बताया कि बुधवार को रॉकेट को वापस उतारते समय चीन ने पहली बार खुलने वाले लैंडिंग पैर का इस्तेमाल किया। एजेंसी ने इसे चीन की दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट की तकनीक में एक बड़ी सफलता बताया।

समुद्र में कैसे वापस लाया गया था रॉकेट : 10 जुलाई को लॉन्ग मार्च-10बी रॉकेट का पहला हिस्सा उड़ान भरने के बाद दूसरे हिस्से से अलग हो गया था। इसके बाद वह समुद्र में बने एक प्लेटफॉर्म पर वापस आया था। उस समय रॉकेट को जाल से पकड़ने वाली व्यवस्था का इस्तेमाल करके वापस हासिल किया गया था। इसके अगले दिन, 11 जुलाई को जापान ने दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले एक प्रयोगात्मक रॉकेट की पहली परीक्षण उड़ान की। रॉकेट ने उड़ान भरने के बाद सुरक्षित तरीके से वापस जमीन पर उतरने में सफलता हासिल की। जापान भी रॉकेट को दोबारा इस्तेमाल करने वाली तकनीक हासिल करने की कोशिश कर रहा है। इसका मकसद अंतरिक्ष में रॉकेट भेजने की लागत कम करना और दुनिया के अंतरिक्ष बाजार में दूसरी बड़ी ताकतों से मुकाबला करना है।

ट्रेड वॉर की कगार पर अमेरिका-कनाडा ट्रंप की डेडलाइन से बढ़ी हलचल; क्या आखिरी वक्त में झुकेंगे कार्नी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ विवाद को खत्म करने के लिए बातचीत निर्णायक दौर में पहुंच गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार दोपहर 12:01 बजे तक समझौता होने की समयसीमा तय की है। समझौता नहीं होने पर कनाडा से आने वाले करीब 20 अरब डॉलर के सामान पर 50त्र टैरिफ लगाने की धमकी दी गई है। इनमें हॉकी स्टिक, टंग डिप्रेशर समेत कई उत्पाद शामिल हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और ट्रंप पिछले दो दिनों में दो बार फोन पर बात कर चुके हैं। कार्नी ने बातचीत को गहन और नाजुक बताया है और कहा है कि फिलहाल इसके बारे में सार्वजनिक रूप से ज्यादा चर्चा करना उचित नहीं है। दोनों पक्ष आखिरी समय में किसी समझौते तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

दशकों पुराना व्यापार विवाद : अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार को लेकर विवाद नया नहीं है। दोनों देश सॉफ्टवुड लकड़ी, डेयरी बाजार और अन्य उत्पादों के व्यापार को लेकर लंबे समय से मतभेद रखते आए हैं। इसके बावजूद दोनों करीबी सहयोगी और महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार बने हुए हैं।

सीमा पार कारोबार बेहद अहम त्र करीब 5,525 मील लंबी दोनों देशों की सीमा से रोजाना लगभग 3.3 लाख लोग और करीब 2 अरब डॉलर का सामान गुजरता है। कनाडा के कुल माल निर्यात का लगभग 72त्र अमेरिका जाता है। इसलिए किसी बड़े व्यापार युद्ध का असर दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ सकता है।

ट्रंप का बदला हुआ रुख : ट्रंप का मौजूदा रुख पारंपरिक अमेरिकी-कनाडाई संबंधों से काफी अलग है। उन्होंने कनाडाई उत्पादों पर कई टैरिफ लगाए हैं और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने जैसी टिप्पणियां भी की हैं। इन नीतियों से कनाडा में अमेरिका के प्रति नाराजगी बढ़ी है और सरकार पर ट्रंप के सामने कड़ा रुख अपनाने का दबाव है।

अमेरिका की प्रमुख मांगें : मौजूदा बातचीत में अमेरिका चाहता है कि कनाडा ज्यादा अमेरिकी सैन्य उपकरण खरीदे, जिनमें स्न-35 लड़ाकू विमान भी शामिल हैं। अमेरिका गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम में कनाडा की भागीदारी और महत्वपूर्ण खनिजों तक बेहतर पहुंच भी चाहता है। इसका उद्देश्य चीन से मिलने वाली रणनीतिक खनिज आपूर्ति पर अमेरिकी निर्भरता कम करना है।

दूसरी ओर कनाडा स्टील, एल्युमीनियम और सॉफ्टवुड लकड़ी पर लगाए गए अमेरिकी टैरिफ में राहत चाहता है। अमेरिका का आरोप है कि कनाडाई सॉफ्टवुड उद्योग को सरकार की ओर से अनुचित सब्सिडी मिलती है। कनाडा के लिए बिना ठोस रियायत हासिल किए ट्रंप की मांगों को स्वीकार करना राजनीतिक रूप से भी मुश्किल है।

धारा 338 से बढ़ा दबाव : ट्रंप ने कनाडा पर दबाव बढ़ाने के लिए करीब एक सदी पुराने टैरिफ कानून का सहारा लिया है। उन्होंने 1930 के टैरिफ एक्ट की धारा 338 के तहत कनाडाई निर्यात के लगभग 5त्र हिस्से वाले उत्पादों पर 50त्र शुल्क लगाया है। ट्रंप का दावा है कि कनाडा अमेरिकी ऑटोमोबाइल, शराब और चीज के निर्यात के साथ भेदभाव करता है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब अमेरिका स्-मेक्सिको-कनाडा समझौते पर फिर से बातचीत की तैयारी कर रहा है।

टेक्सास में मुस्लिमों के खिलाफ बढ़ती नफरत से क्यों बढ़ी दहशत, बदलते माहौल में क्या है डर की वजह

टेक्सास, एजेंसी। टेक्सास में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय में उनके खिलाफ नफरती बयानबाजी और विरोध की घटनाएं बढ़ी हैं। डलास के आसपास के इलाकों में दक्षिणपंथी नेताओं की बयानबाजी ने इस चिंता को और बढ़ाया है। कई मुस्लिम परिवारों का कहना है कि वे बेहतर स्कूल, किफायती घर और मजबूत समुदाय की तलाश में टेक्सास आए थे, लेकिन अब बदलते माहौल को लेकर असुरक्षा महसूस कर रहे हैं।

गुलाम केहर को परिवार की चिंता क्यों सताने लगी : गुलाम केहर दो महीने पहले सुबह जल्दी उठकर टेक्सास के इविंग स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ने गए थे। इसके बाद वह अमेरिकी तटरक्षक बल के महीनों लंबे अभियान में सेवाएं देने के लिए रवाना हुए। वह पहले भी ऐसे अभियानों में हिस्सा ले चुके थे, लेकिन इस बार घर से निकलते समय उन्हें परिवार की चिंता सता रही थी। उन्होंने ऐसी व्यवस्था करने की कोशिश की कि जरूरत पड़ने पर कनाडाई सीमा के पास मौजूद अपने तैनाती स्थल तक परिवार पहुंच सके।

मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ क्या बदला : टेक्सास में मुस्लिम आबादी पिछले वर्षों में बढ़ी है। डलास-फोर्ट वर्थ महानगर क्षेत्र में 2024 में मुस्लिम आबादी करीब 1.59 लाख बताई गई, जबकि एक दशक पहले यह संख्या लगभग 79 हजार थी। टेक्सास में मुस्लिमों की कुल संख्या तीन से पांच लाख के बीच होने का अनुमान है। राज्य की कुल आबादी में उनका हिस्सा करीब एक से दो प्रतिशत बताया जाता है। हालांकि, अमेरिका की जनगणना में धर्म से जुड़ा सवाल नहीं पूछा जाता, इसलिए सटीक संख्या उपलब्ध नहीं है।

क्या मुस्लिमों के खिलाफ राजनीति भी तेज हुई है : टेक्सास में कट्टरपंथी इस्लाम का विरोध लंबे समय से रिपब्लिकन राजनीति का हिस्सा रहा है। लेकिन मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ इस विरोध को लेकर बहस भी तेज हुई है। न्यूयॉर्क में जोहरान ममदानी के मेयर बनने और मिशिगन में सीनेट के लिए अब्दुल

एल-सईद जैसे मुस्लिम नेताओं की राजनीतिक सफलता ने भी राष्ट्रीय स्तर पर इस समुदाय को लेकर चर्चा बढ़ाई है। मुस्लिम नेताओं का कहना है कि इससे राजनीतिक बयानबाजी का असर स्थानीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है।

टेक्सास सरकार पर क्या आरोप लगाए जा रहे हैं : मुस्लिम संगठनों का आरोप है कि मामला केवल नेताओं की बयानबाजी तक सीमित नहीं है। उनके मुताबिक, टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट और अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन जैसे नेताओं ने कुछ मुस्लिम संस्थाओं की जांच शुरू की है। एबॉट ने उन हवाईअड्डों की सरकारी फंडिंग रोकने की धमकी भी दी, जहां मुस्लिम यात्रियों के लिए वजू की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इन कदमों को लेकर मुस्लिम समुदाय में चिंता बढ़ी है।

क्या धमकी और विरोध की घटनाएं भी सामने आई हैं : कुछ मामलों में मुस्लिम समुदाय के लोगों को सीधे धमकियों और विरोध का सामना करना पड़ा। ह्यूस्टन के एक इस्लामिक सेंटर को धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। कॉनरो में एक महिला ने एक किराने की दुकान पर मुस्लिम ग्राहकों से कथित तौर पर कहा कि इस राज्य या देश में उनका स्वागत नहीं है। मैककिने में एक मस्जिद के विस्तार से जुड़ी सिटी काउंसिल की बैठक में भी मुस्लिम विरोधी संदेश के साथ एक घटना सामने आई।

चुनावी बयानबाजी कितनी तीखी हो गई : हालिया चुनाव के दौरान रिपब्लिकन नेता बो फ्रेंच की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने भी विवाद खड़ा किया। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने लिखा कि वह तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक हर मुस्लिम वहां से चला नहीं जाता। ऐसी बयानबाजी को मुस्लिम नेता गंभीर मान रहे हैं। उनका कहना है कि 9/11 के बाद लंबे समय में मुस्लिमों के खिलाफ नफरत का माहौल कम हुआ था, लेकिन अब उन्हें एक बार फिर वैसा ही माहौल लौटता दिखाई दे रहा है।

डलास-फोर्ट वर्थ महानगर क्षेत्र टेक्सास में मुस्लिम समुदाय के प्रमुख केंद्रों में से एक बन गया है। यहां दर्जनों मस्जिदें मौजूद हैं और कुछ नई मस्जिदों का निर्माण भी हो रहा है। तमाम मुस्लिम परिवार बेहतर शिक्षा, अपेक्षाकृत सस्ता घर और अपने समुदाय के बीच रहने के लिए यहां पहुंचे हैं। डेट्रॉयट से इविंग आए तम्मम अलवान का कहना है कि वे अच्छी जिंदगी की तलाश में यहां आए थे, लेकिन अब उन्हें लगता है कि वे मुश्किल स्थिति में फंस गए हैं। वैली रांच मस्जिद के मुस्लिम विद्वान डॉ. उमर सुलेमान का कहना है कि अमेरिकी संविधान धार्मिक सुरक्षा देता है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)